



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

B
1-10-83

सं० 30] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 23, 1983 (श्रावण 1, 1905)
No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 23, 1983 (SRAVANA 1, 1905)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संग्रहण के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपटारा और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, एन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जून 1983

सं० ए० 35014/2/80 प्रशा०-II(i)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5 अप्रैल, 1983 और 31 मार्च, 1983 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 1-6-1983 से 31-8-1983 तक तीन मारा की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर स्थापनापत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का० शा० सं० फ० 1(ii) ई-III (ख)/75, दिनांक 7-11-1975 में सन्निहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित रहेगा।

ईश्वरचन्द कम्बोज

अनुभाग अधिकारी

कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1983

क्र० सं० नाम और पदनाम

1. श्री सुदर्शन कुमार, अनुभाग अधिकारी (के० सं० सं० संवर्ग)
2. श्री बी० सी० राजगोपाल, अनुभाग अधिकारी (के० सं० सं० संवर्ग)
3. श्री ए० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी (के० सं० सं० संवर्ग)

सं० पी० 1990 प्रशा०-III—बाहिर सेवा शर्तों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर उनके दिल्ली विद्युत् प्रदाय संस्थान में रु० 1000-1850 के वेतनमान में तीन वर्ष की अवधि के लिए सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी श्री आई० सी० कम्बोज का सेवाएं 8 जून, 1983 से अपराह्न से दिल्ली विद्युत् प्रदाय संस्थान को इन अनुदेशों के साथ सौंपी जाती हैं कि वे उसके तत्काल

बाद श्री ए० जे० एम० साहनी, प्रशासनिक अधिकारी (सामान्य), शक्ति सदन, शक्ति मार्ग को रिपोर्ट करें।

एम० के० एफ० कुजूर
उप सचिव, (प्रशा०)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 मई 1983

सं० ए० 11016/1/83-प्रशा० III(2)—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० ए० से० के स्थायी सहायक श्री एम० के० शर्मा को 16-5-83 से 8-7-83 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 जून 1983

सं० ए० 32014/3/83-प्रशा०-III—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की अवधि
सर्वश्री		
1.	बो० पी० कपरा	9-5-83 से 8-8-83 तक
2.	आर० के० गौड़	9-6-83 से 8-9-83 तक
3.	बो० सी० गुप्ता	9-6-83 से 8-9-83 तक
4.	के० सी० अहूजा	9-6-83 से 8-9-83 तक
5.	राजकुमार	25-5-83 से 2-8-83 तक
6.	डी० पी० अरोड़ा	1-6-83 से 15-8-83 तक
7.	प्रमोद बिहारी	3-5-83 से 8-7-83 तक
8.	जी० डी० राजवर्मा	16-5-83 से 31-5-83 तक
तथा		
		2-6-83 से 5-7-83 तक
9.	भगवती चरण	28-5-83 से 10-6-83 तक
10.	एम० के० बंसल	29-5-83 से 10-6-83 तक

दिनांक 20 जून 1983.

सं० पी० 2008 प्रशा० III—बहिर सेवा शर्तों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर उनके दिल्ली विद्युत् प्रवाय संस्थान में क्र० 1000-1850 के वेतनमान से तीन वर्षों की अवधि के लिए संगठन एवं पद्धति अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी श्री मेहर सिंह की सेवाएं 20 जून, 1983 के अपराह्न से दिल्ली विद्युत् प्रवाय संस्थान को इन अनुदेशों के साथ सौंपी जाती हैं कि वे उसके तत्काल बाद श्री ए० जे० एम० साहनी, प्रशासनिक अधिकारी (सामान्य) शक्ति सदन, शक्ति मार्ग को रिपोर्ट करें।

दिनांक 30 जून 1983

सं० ए० 38013/5/82-प्रशा० III—कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० ए० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री जी० पी० अहूजा को 30 जून 1983 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशा०)

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० ए० 31016/2/83-प्रशा०-I (वि० प्रो० सं०)—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील), नियमावली 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सम्मुख लिखित तिथियों से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से कार्यालय अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पदस्थापन के वर्तमान स्थान	श्रेणी, जिसमें के० अ० ब्यूरो में पहले से स्थायी हैं	जिसमें तिथि जब से कार्यालय अधीक्षक के पद पर मूल रूप से नियुक्ति की गई।
----------	----------------	---------------------------	---	--

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

सर्वश्री

1.	एस० बी० एल० शर्मा	प्रशासन-5 अनु० (मु०) सहायक	अपराध	28-2-81
2.	एस० एन० रत्ना	जंम-I (मुख्यालय)	"	7-5-81
3.	ओ० पी० चित्कारा	तानि प्रभाग (मुख्या०)	"	7-5-81
4.	एम० के० शर्मा	केन्द्रीय जौन (मुख्या०)	"	6-9-81
5.	निलक राज	जौन-II (मुख्यालय)	"	6-9-81

दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० सी-4/65-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री सी० सीताराम मूर्ति, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 20 जून, 1983 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उपविधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० वी-15/65 प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री वी० ए० रामास्वामी, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 24 जून, 1983 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-12025/3/81-प्र०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री कुलाल चन्द्र सरकार को दिनांक 24 जून, 1983 के पूर्वाह्न में वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी, (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० ओ० दो० 1759/82-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विनय कुमार को 21 जून 1983 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरि
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जून 1983

सं० ई०-38013(4)/12/83-कामिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री सरवन सिंह ने 31 मई, 1983 के अपराह्न में के० औ० सु० व० उत्तर क्षेत्र नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 8 वि० आ० 2(II)-ए/82—राजस्व विभाग के अवसर सचिव श्री सुखवासी लाल माथुर, जो आठवें वित्त आयोग में इसी पद पर पतिनियुक्ति पर थे, आधिवर्षिकी की आयु

प्राप्त करने पर 30 जून, 83 के अपराह्न से सेवा-नियुक्त हो गये हैं।

कु० अमरजीत कौर आहुजा
उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(कामिक कार्य विभाग)

भारत सरकार टकमान

बम्बई- दिनांक 30 जून 1983

फार्म-I

केन्द्रीय सिविल सेवायें (अस्थायी नवार्थ) नियमावली 1965 का नियम 5 (1) के अधीन सेवा समाप्ति की नोटिस जारी करना।

सं० 1-189/1742/प्रशा०/83—केन्द्रीय सिविल सेवायें (अस्थायी सेवायें) नियमावली 1965 का नियम 5 का उप-नियम (1) का पालन करते हुए मैं, श्री० राममूर्ति, मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी, एतद्वारा श्री आर० एन० मेहर गाली, समूह "घ" स्थापना की नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस प्रकाशन करने की दिनांक से एक माह के अन्तर्गत समाप्त होने की दिनांक को उनकी सेवा समाप्त की जायेगी।

श्री० राममूर्ति

मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश/149—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बाबू राम को 840-1200 रु० के समयमान में दिनांक 1-7-1983 में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

प्र० लिपाठी

संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (प्रथम)

राजस्थान

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

सं० प्रशा० II/जी० राज० पत्र अधिमूचना/170—महालेखाकार (प्रथम) राजस्थान ने श्री दाऊलाल जी माथुर प्रवर अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 31-5-1983 (पूर्वा०) से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मदन सिंह शेखावत

वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशा०

महालेखाकार का कार्यालय सिविकम

गंगतोक, दिनांक 25 जून 1983

सं० प्रशा०/पी०एफ०/ए०ओ०/पी०आर०आर०/1575—
श्री पी० आर० राजगोपालन, अनुभाग अधिकारी जो कार्यालय

महालेखाकार-I, उड़ीसा, भुवनेश्वर से प्रतिनियुक्ति पर है की नियुक्ति कार्यालय महालेखाकार, मिक्सिम, गंगतोक में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 25-6-1983 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एम० एस० पार्थासारथी
वरिष्ठ उप-महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 16 जून 1983

सं० प्रशा०/1/1171/1 जि०-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एम० मलिक को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० मलिक की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 19 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से प्रारम्भ में छः माह की अवधि के लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 26 अप्रैल 1982 में अधिसूचित की गई है और बाद में दिनांक 18 फरवरी 1983 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 9 दिसम्बर 1982 में अधिसूचित की गई है तथा दिनांक 7 दिसम्बर 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये और दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पात्रता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

दिनांक 16 जून 1983

सं० प्रशा०/1/1171/1 जि०-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० बी० कपूर को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० बी० कपूर की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 17 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से प्रारम्भ में छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो

इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 26 अप्रैल 1982 में अधिसूचित की गई है और बाद में दिनांक 16 फरवरी 1982 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1), दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई है, वह दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए, और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पात्रता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिये उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1171/1 जि०-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एच० एस० मेहता को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500/125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एच० एस० मेहता की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 18 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से प्रारम्भ में छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 26 अप्रैल, 1982 में अधिसूचित की गई है और बाद में दिनांक 17 फरवरी, 1983 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई है तथा दिनांक 7 दिसम्बर 1982 को अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए और दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पात्रता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1171/1 जि०-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० बैकटरत्नम् को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० बैकटरत्नम् की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रू० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर 1982

के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० वेंकटरत्नम् की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 रु० 2500-125/2-2750 में स्थानापन्न रूप में दिनांक 6 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से आरम्भ में छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 26 अप्रैल, 1982 में अधिसूचित की गई है और बाद में दिनांक 5 मार्च 1983 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1-1 (पी० सी०-1) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई है तथा दिनांक 7 दिसम्बर 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु, पात्रता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1171/1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० वेंकटमुब्रह्मणियन को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० वेंकटमुब्रह्मणियन की, उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500/125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 26 फरवरी, 1982 के अपराह्न से आरम्भ में छः माह की अवधि के लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इन में जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1), दिनांक 26 अप्रैल, 1982 में अधिसूचित की गई है और बाद में दिनांक 25 फरवरी, 1983 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है वह इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-1) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई तथा दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए, और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु, पात्रता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1183/1/1—इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1403/11 दिनांक 12-3-82 और 23-4-82 तथा 26-3-83 तथा सं० प्रशा०/1/1183/1/1, दिनांक 30-12-82 के संरक्षण में राष्ट्रपति, निम्नलिखित अस्थायी लेखा

अधिकारियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (रुपये 700-1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर, प्रत्येक के नाम के समक्ष लिखी अगली अवधि तक सहर्ष अनुज्ञा देते हैं:—

क्रम सं०	नाम	तारीख जिस तक विस्तार की अनुज्ञा दी गई है
----------	-----	--

सर्वश्री :

1.	जे० एन० अग्रवाल	31-5-83
2.	पी० एस० स्वामीनाथन	30-4-83
3.	डी० कृष्णामूर्ति	30-6-83
4.	एस० भागीरथन	30-6-83
5.	लच्छा सिंह	30-6-83
6.	लछ्मन दास गम्भीर	30-6-83
7.	मनमोहन सिंह	30-6-83
8.	सी० आर० मजूमदार	30-6-83
9.	श्यामल देव	30-6-83
10.	के० एल० माकिन	30-6-83
11.	सी० सूर्यनारायण	30-6-83
12.	ए० जानकी रामन	30-6-83
13.	पी० के० सहगल	30-6-83
14.	वी० सम्पथ	30-6-83
15.	डी० के० कार	30-6-83

वी० एस० जफा
र०ल० अपर म० नि०-
(प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा
आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जून 1983

सं० 32/जी/83—वार्षिक निवृत्ति (58 वर्ष) की आयु प्राप्त कर श्री ए० पी० भट्टाचार्या स्थानापन्न डी० डी० जी० ओ० एक० स्तर-1 दिनांक 31 मई, 1983 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य निरीक्षक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1983

आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

सं० 5/3/81-प्रशा० (रजि०) 4474—राष्ट्रपति, आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण संगठन के निम्नलिखित सहायक मुख्य

नियन्त्रकों का प्रत्येक के सामने उल्लिखित तिथियों से अगला आदेश जारी होने तक केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 में नियुक्त करते हैं :—

क्रम	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्व श्री		
1.	ओमप्रकाश	28-1-1983
2.	जे० पी० शर्मा	28-1-1983
3.	पी० के० मुखर्जी	28-1-1983
4.	एस० नरसिम्हन	12-5-1983 (अपराह्न)
5.	जी० आर० नायर	28-1-1983
6.	जे० एम० बनर्जी	28-1-1983
7.	एस० मुखर्जी	28-1-1983
8.	ए० तुक्काराम	28-1-1983
9.	आर० सेल्वाराज	28-1-1983
10.	आर० के० जयसवाल	28-1-1983
11.	एस० एल० चौहान	28-1-1983
12.	सी० जी० फर्नान्डीज	28-1-1983
13.	जी० बी० श्रीवास्तव	28-1-1983
14.	एच० पी० दास	28-1-1983
15.	डी० एस० नरसिम्हैया	28-1-1983
16.	एस० के० दत्ता	28-1-1983
17.	के० बी० शर्मा	28-1-1983
18.	एस० पी० धर	28-1-1983
19.	शफात अहमद	28-1-1983
20.	ई० नानगुरम	28-1-1983
21.	एन० एस० श्रीवास्तव	28-1-1983
22.	के० सी० दास	28-1-1983

वी० के० मेहता

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उत्ते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 जुलाई, 1983

क्रमांक 18(1)83-सी०एल०बी० 11/6—ऊनी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश 1962 की धारा दो की उपधारा (डो) में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से मैं एन० द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 16(2)66-सी०एल०बी०-11/बी० दिनांक 7 दिसम्बर, 1967 में निम्नलिखित अनिरीकृत संशोधन करना है।

उक्त अधिसूचना की ऋग संख्या सात में संलग्न सारणी की स्तंभ सं० (1) (2) और (3) क अन्तर्गत मीजूदा प्रविष्टियों की जगह निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

	1	2	3
क्र० सं०	7(1)	आयुक्त, खाद्य और पूर्ति	दिल्ली
	(2)	उप-आयुक्त, खाद्य और पूर्ति	
	(3)	सहायक आयुक्त, खाद्य और पूर्ति	
	(4)	खाद्य और पूर्ति अधिकारी	
	(5)	नागरी पूर्ति अधिकारी	
	(6)	मुख्य निरीक्षक, खाद्य और पूर्ति	
	(7)	निरीक्षणगण, खाद्य और पूर्ति	

सुरेश कुमार,
अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1983

सं० 19001/29/83-डी०सी०एच०/प्रशासन-1—राष्ट्रपति, श्री पी० के० दत्ता, भारतीय प्रशासन सेवा (असम 1967) को 1 जून, 1983 के पूर्वाह्न से वाणिज्य मंत्रालय, वस्त्र विभाग, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में अपर विकास आयुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० मिश्र,
विकास आयुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली दिनांक 17 जून 1983

सं० ए०-22012/1/82-प्रशासन-1 (क)—राष्ट्रपति, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र, अगरतल्ला में सहायक निदेशक ग्रेड-I (प्रोसेसिंग), श्री आर० के० कपूर का त्यागपत्र 6 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 22 जून 1983

सं० ए०-12025/1/31-प्रशासन-II(क)—राष्ट्रपति, श्री अमृत पटेल को 28 मार्च 1983 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड-I (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-12025(1)/3/81-प्रशासन-II(क)—राष्ट्रपति, श्री बी० संधानम को 2 मई 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र कन्नानूर में सहायक निदेशक ग्रेड-I (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० के० दत्त,
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1983

सं० ए०-19018(639)/82-प्रशा०(राज०)--राष्ट्रपति, श्री बी० के० दास को, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में दिनांक 15-4-1983 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, सहायक औद्योगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1983

सं० ए०-19018(660)/82-प्रशा०(राज०)--विकास आयुक्त, अपने कार्यालय के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी, श्री आर० सम्पत कुमार को, इसी कार्यालय में, दिनांक 6-6-83 (पूर्वाह्न) से, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राव
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति मंत्रालय

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1983

सं० प्र०-6/247(486)/73-III--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मद्रास निरीक्षण मंडल के श्री एस० नागराजन, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) को दिनांक 30 मई, 1983 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप "ए" के डेप्टे-III, अभियान्त्रिकी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री नागराजन ने दिनांक 16-5-1983 (अपराह्न) से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 30-5-83 के पूर्वाह्न से कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० प्र०-6/247(380)/78-4--राष्ट्रपति ने निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" अभियान्त्रिकी शाखा के ग्रेड-III) श्री यू० आर० मजूमदार को दिनांक 11-5-83 के पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भर जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक (निरीक्षण) अभियान्त्रिकी (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" अभियान्त्रिकी शाखा के ग्रेड-II) के पद पर स्थापनापत्र

रूप से नियुक्त किया है। श्री यू० आर० मजूमदार की पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय में निम्न विधि याविका संख्या 1457/81, 1590/81 तथा 1973/83, के अन्तर्गत तीन ए० पी० ए० संख्या 67/83, 68/83 और 69/83 पर अन्तिम निर्णय के अधीन होगी।

श्री यू० आर० मजूमदार को तदर्थ नियुक्ति में उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई इष्ट अथवा दावा नहीं होगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उम ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति की पात्रता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायगी।

श्री यू० आर० मजूमदार ने दिनांक 7-5-83 के अपराह्न में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 11-5-83 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय के अधीन कुल्टी में उप निदेशक, निरीक्षण (अभियान्त्रिकी) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

एस० एस० कपूर,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1983

सं० प्र०-1/1(722)--पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थाई कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी तथा स्थापनापत्र सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड-II) श्री ए० एन० सूरी निवृत्तमान आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस० बालासुब्रमणियन,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

स्वात और खात मंत्रालय

(खात विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 जून 1983

सं० 5578बी०/ए०-19012 (1-आर० के० यू०)/82-19 ए०--श्री राजेन्द्र कुमार उपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-10-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थापनापत्र क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 14-4-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 5591 बी०/ए०-19012 (1-ए० के० एन०)/82-19 ए०--श्री अभय कुमार सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के

प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-5-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5604 बी०/ए०-19012(1-ए० ए० जी०)/82-19ए०—श्री निरंजन लाल गेरा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 6-4-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 30 जून 1983

सं० 5691 बी०/ए०-19011(1-बी० बी० आर०)/81-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) डा० बी० बी० राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 15-3-82 (अपराह्न) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया है।

सं० 5702बी०/ए०-19011 (1-ए० ए० आर०)/81-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) डा० ए० ए० राय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 26-7-82 (अपराह्न) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया है।

दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 5716 बी०/ए०-19011(1-ए० बी०)/81-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) डा० ए० बनर्जी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 30-10-82 (अपराह्न) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया है।

सं० 5726बी०/ए०-32013/1-निदेशक (भूविज्ञान)/83-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री बी० डी० महाजन को निदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-4-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 5798 बी०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ)/81-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्रीमती सुमित्रा सेन को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-5-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5784 बी०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ)/81-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

के सहायक वैज्ञानिक श्रीमती अमला माहसी को वैज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 11-5-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० 5812 बी०/ए०-19012(1-जे० ए० ए०)/82-19ए०—श्री जगदीश भिहू सेहता को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-5-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5825 बी०/ए०-19012(ए० के० सी०/82-19ए०—श्री ए० के० चटर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 25-5-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5837 बी०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ)/81-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित सहायक भूवैज्ञानिक को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के मामले में दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं:—

1. श्री सुवीर कुमार घोष 23-3-83 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० जी० मिन्हा 2-4-83 (पूर्वाह्न)

सं० 5855बी०/ए०-32013/1-भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ)/81-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री सी० जे० कुनाल को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16-5-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5869 बी०/ए०-32013 (2-जी० जे० (आई०)/78-19बी०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) श्री नारायण अन्न सरकार को भूभौतिकीविद (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-1-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ए० के० मुकर्जी,
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 जून 1983

सं० ए०-19012(174)/83-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री चतन राम, स्थायी अधीक्षक की दिनांक 3-6-1983 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थाना-पन्न रूप में पदोन्नति की गई है।

ब० च० मिश्र
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० 4(55)/82-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री गौतम सेन गुप्ता की 20 मई, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी सिलीगुड़ी में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० 4(65)/82-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सोमदत्त धर्मा को 18 अप्रैल, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी, झांसी में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(69)/82-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री दिनेश चन्द्र शर्मा को 6 जून, 1983 की अपराह्न से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान आकाशवाणी, जोधपुर, में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(97)/82-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री राजेन्द्र नाथ सरमाह को 23 मई, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी शिलांग में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(98)/82-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रवि शंकर को 3 जून, 1983 की अपराह्न से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, आकाशवाणी, जगदलपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2-166GI/83

सं० 4(99)/82-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी रागिनी वाल्के को 3 जून, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी गांगली में, अस्थाई रूप से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जवाल
प्रशासन उप निदेशक,
नई दिल्ली महानिदेशक।

पत्र सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1983

सं० 12034/14/82-स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के "ग" श्रेणी के आशुलिपिक श्री हरीश कुमार गुप्ता को इसके द्वारा प्रतिनियुक्ति तथा तदर्थ आधार पर दिनांक 21 जून, 1983 से 6 महीने की अवधि के लिए पत्र सूचना कार्यालय नई दिल्ली में हिन्दी रिपोर्टर नियुक्त करते हैं।

ति० मु० मुन्देश्वरन,
सहायक प्रधान सूचना अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० ए० 12025/23/81(एन० टी० आर्डी०)/प्रशासन-1/टी०बी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० विजयकुमार चार्ल्स को 4 जून, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में पशुचिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

वाई० एन० शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० ए०-19023 5 83-प्र०-III संघ लोक सेवा आयोग के अनुसार श्री शालिग्राम शुक्ल सहायक विपणन अधिकारी की इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 6-6-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री शालिग्राम शुक्ल ने दिनांक 4-9-83 अपराह्न में पटना में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छाड़ दिया है।

गोपान शरण शुक्ल,
कृषि विपणन सलाहकार,
भारत सरकार

भ भा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 23 जून 1983

सं० पी० ए० /79(4)80-आर०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री विन्दो शामाचार्य अपने, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (र० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 2-5-1983 (पूर्वाह्न) से 10-6-1983 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री केदारनाथ लक्ष्मण कोटेकर, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (र० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 2-5-1983 (पूर्वाह्न) से 18-6-83 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री इडितिल रामनूजी किडावे, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (र० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-1983 (पूर्वाह्न) से 18-6-1983 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जून 1983

सं० ए०/4602—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मुमिण पत्तु को स्टेशन अधिकारी पद पर रूप, 650-30-740-35-800-इ०बी०-40-960 के वेतन क्रम में 21-6-83 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक इस अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर०- —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री जी० गोपकुमार, सेलेक्शन ग्रेड लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (र० 650-900) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-83 (पूर्वाह्न) से 4-6-1983 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री टी० के० पुष्पांगदन उच्च श्रेणी लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (र० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-1983 (पूर्वाह्न) से 4-6-1983 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1983

सं० पी० ए०/81(8)/83/आर०-4/783—दिनांक 30 मई 1983 की समसंख्यक अधिसूचना में क्रमांक 35 पर श्री बी० ए० कामथ की पदोन्नति से संबंधित प्रविष्टियों को इसके द्वारा उपर्युक्त अधिसूचना में से निकाला जाता है।

म० द० गाडगिल,
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० टी०/152/आर० II/2777—श्री आर्थर सोलोमोन थोमस ने सुरक्षा अधिकारी पद का पदभार 31-5-1983 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त होने पर छोड़ दिया।

राम लाल बत्ता,
उपस्थापना अधिकारी
ऋय और भंडारण निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 जून 1983

सं० डी० पी० ए०/2/1(II)83-प्रशा०/2/8/2—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, तथा तदर्थ मुख्य भंडारी श्री टी० बी० गिडवानी को र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 1-6-1983 (पूर्वाह्न) से 31-8-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 23 जून, 1983

सं० डी० पी० ए०/41/1/83-प्रशा०-21194—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के सहायक ऋय अधिकारी श्री बी० सी० वर्कीकी छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी बरिष्ठ लिपिक तथा स्थानापन्न ऋय सहायक श्री शरद केशव नेरुरकर को र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 16-5-1983 (पूर्वाह्न) से 18-6-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन,
प्राशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद, दिनांक 27 जून 1983

सं० प० ख० प्र०-16/3/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न प्रवरण कोटि के लिपिक, श्री के० के० थोस को उसी प्रभाग में 11-5-1983 के पूर्वाह्न से लेकर 10-6-1983 तक 31 दिन की अवधि के लिए श्री जी० बी० रामन्ना, सहायक कार्मिक अधिकारी, के छुट्टी चले जाने पर, उनके स्थान पर तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० प० ख० प्र०-1/31/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० द्वारा श्री बी० विजया गौराल, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक "सी" को परमाणु खनिज प्रभाग में 24 जून, 1983 के पूलेवमि लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० ए० ख० प्र०-16/11/82-भर्ती-परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक लेखापाल और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री वी० डी० चौधरी को उसी प्रभाग में 13 जून, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-4000089, दिनांक 27 जून 1983

सं० 05052/फर० 83/2150—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री मायाधर सामल, भारी पानी परियोजना (तलचर) के अस्थायी कार्यदेशक (फोरमन) को, उसी परियोजना में, पूर्वाह्न फरवरी, 1, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2151—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री राजा किशोर दस, भारी पानी परियोजना (तलचर) के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' को, उसी परियोजना में फरवरी 1, पूर्वाह्न 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2152—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री खजेन्द्र कुमार मोहपात्र, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (तलचर) को फरवरी 1 पूर्वाह्न, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए उसी परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करने हैं।

आर० सी० कोटियानकर
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र, 401504 दिनांक 30 जून 1983

सं० टी० ए० पी० एम०/1/18(1)/77-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी आशुलिपिक ग्रेड-I और स्थानापन्न वरिष्ठ आशुलिपिक श्री टी० के० राजप्पन को दिनांक 19/5/1983 (पूर्वाह्न) से 27/6/1983 (अपराह्न) तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (ए० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में तदर्थ आधार पर एक अधिकारी के तौर पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एम० वयपंबकनाथ, सहायक कार्यालय अधि-

कारी के स्थान पर की जा रहा है जिन्हें तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी-III के तौर पर पदोन्नत किया गया है।

द० वि० मरक्ले
प्रशासनिक अधिकारी-III

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपासकम, दिनांक 22 जून 1983

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/3960-83—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने संचार मंत्रालय के डाक तथा तार बोर्ड बम्बई स्थित डाक तथा तार विद्युत मंडल के कार्यालय के स्थायी मनव-मान कर्क तथा स्थानापन्न कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री शत्रुघ्नसुतु चिदम्बरम को रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र, कलपासकम में प्रतिनियुक्ति के आधार पर तथा स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 8 जून, 1983 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक नियुक्त किया है।

एम० पद्मनाभन
प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमान का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1983

सं० ए०-38013/1/83-ई० ए०—श्रेणीय निदेशक कचकता के कार्यालय के श्री एन० डी० घोष, वरिष्ठ विमान श्रवण अधिकारी नियुक्ति आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-5-83 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जे० सी० गर्ग
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1983

सं० ए०-32013/2/83-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित 45 सहायक तकनीकी अधिकारियों को दिनांक 5-5-1983 से और अन्य आदेश होने तक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं० नाम (सर्वश्री)

1. एम० के० दास
2. ओ० पी० दीक्षित
3. एम० एम० साहनी
4. एन० एम० सिद्धु
5. एस० आर० पद्मानाभन
6. एम० रामास्वामी
7. पी० ए० शास्त्री
8. के० बी० गन्दा
9. आर० बी० इतरानी
10. एल० आर० गोयल

11. एच० एस० बाजवा
12. एम० जी० सुदर्शन
13. ओ० पी० भल्ला
14. ए० राजागोपालन
15. मुख्तार सिंह
16. आर० राममूर्ति
17. एम० राववन
18. एम० ए० राव
19. सरजीत सिंह
20. एम० पी० सामा
21. एन० एस० आप्टे
22. के० सी० देवगुण
23. ए० के० डे
24. वी० के० शर्मा
25. जी० डी० कुलका
26. टी० आर० मेनन
27. मनिहार सिंह
28. पी० एन० नायर
29. एच० सी० निवारी
30. डी० एस० गिल
31. पी० वी० मुद्गलप्यन
32. आर० एन० वस्त
33. एम० वी० धर्मे
34. एच० एस० प्रेवाल
35. पी० के० के० पिल्लै
36. जे० के० चोपड़ा
37. एच० एस० शर्मा
38. वी० पी० नारंग
39. एस० एस० नेपाली
40. आर० विट्टल सिंह
41. पी० सी० जैन
42. हर भगवन
43. टी० डी० शर्मा
44. पी० के० सेनगुप्ता
45. आई० जे० शर्मा

हरबंस लाल कोहली
निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 25 जून 1983

सं० 1/3/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल के निरीक्षक, श्री हरमजन सिंह को प्रतिनियुक्ति के आधार पर 1 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी अदिशों तक नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारों के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/411/83-स्था०—निवर्तन को आयु के हो जाने पर श्री जे० एम० डीसिलवा, स्थायी उप परियात प्रबन्धक,

बम्बई, शाखा दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 1/523/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक, एतद्द्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री के० पी० सेल्वराज को तदर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्था के रूप में अल्पकालीन खाली जगहों पर 12-12-82 से 25-1-83 तक और 7-2-83 से 21-2-83 तक की अवधियों के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/8/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा श्री एस० जे० अडसूल, पर्यवेक्षक, बम्बई शाखा को दिनांक 16 मई, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी अदिशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जून 1983

सं० 1/12/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद् द्वारा श्री वी० एन० मुखोपाध्याय, तकनीकी सहायक, कलकत्ता शाखा को स्थानीय व्यवस्था के रूप में और तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 1-2-83 से 11-3-83 तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/186/83-स्था०—स्विचिंग समूह, बम्बई के अस्थायी सहायक अभियन्ता श्री बलविंदर सिंह माथेरू को 24 मई, 1983 के पूर्वाह्न से अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गयी।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक प्रशा०
रुस्ते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

पटना, दिनांक 28 जून 1983

सं० 11(7)2-स्था०/82/65214—इस समाहर्तलिय के निम्नलिखित स्थायी/स्थानापन्न अधीक्षकों समूह 'ख' प्रशासन पदाधिकारी, समूह 'ख' अपने नाम के सामने दिखाए गए तिथि एवं समय को सेवा की आयु पूरी कर सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वश्री			
1.	जयराम राम	अधीक्षक समूह 'ख'	30-6-82 (अपराह्न)
2.	एन० एन० देव	—वही—	30-6-82 (अपराह्न)
3.	आर० के० पाठक	—वही—	31-7-82 (अपराह्न)

1	2	3	4
4.	लाला गोपालजी सहाय अधीक्षक समूह 'ख'		31-7-82 (अपराह्न)
5.	एस० एन० बनर्जी प्रशासन पदाधिकारी		31-7-82 (अपराह्न)
6.	गोविन्द साहू अधीक्षक समूह 'ख'		31-7-82 (अपराह्न)
7.	गंगा प्रसाद	—वही—	30-9-82 (अपराह्न)
8.	सी० एन० भगत	—वही—	31-10-82 (अपराह्न)
9.	लक्ष्मी नारायण सिंह	—वही—	30-11-82 (अपराह्न)
10.	एस० सी० मुखर्जी	—वही—	30-11-82 (अपराह्न)
11.	ए० जे० एन० सिंहा	—वही—	31-12-82 (अपराह्न)
12.	बासुदेव सिंह	—वही—	31-1-83 (अपराह्न)
13.	सी० के० झा	—वही—	31-1-83 (अपराह्न)
14.	महबुल्लाह	—वही—	31-1-83 (अपराह्न)
15.	एस० एम० मित्रा	—वही—	28-2-83 (अपराह्न)
16.	एस० के० सिन्हा	—वही—	28-2-83 (अपराह्न)
17.	आर० पी० चौधे	—वही—	28-2-83 (अपराह्न)
18.	चन्द्रशेखर प्रसाद	—वही—	28-2-83 (अपराह्न)

कृ० कु० श्रीवास्तव
सहायक समाहर्ता (मुख्यालय)
कृते समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून, 1983

सं० 18/83 (1041/48/83)—श्री सुभाष चन्द जैन ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल में सहायक समाहर्ता के पद पर तनात थे, राजस्व विभाग के दिनांक 20-4-83 के आदेश संख्या 73/83 (फा० सं० ए-22012/23/83-प्रशा०-2) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में, दिनांक 18-5-83 को (पूर्वाह्न से), सहायक निदेशक (सतर्कता) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

ब० च० रस्तोगी,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

रसायन स्थापना

नई दिल्ली-12, दिनांक 20 जून 1983

सं० 1/1983—श्री बी० डी० गुप्ता, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनांक 4-12-80 से सरकारी अफीम एवं अलकलाइड कारखाना गाजीपुर में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप सी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 2/1983—श्री एस० के० मित्तल, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनांक 3-2-82 (अपराह्न) से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 3/1983—श्री आई० सी० वाण्ये, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनांक 19-10-81 से सरकारी अफीम एवं अलकलाइड कारखाना नीमच में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 4/1983—श्री ए० फ्रांसिसराज रसायन सहायक ग्रेड-1, जो दिनांक 18-2-82 से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर उसी प्रयोगशाला में नियुक्त किया गया है।

सं० 5/1983—श्री ओर्मपाल सिंह, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनांक 31-10-81 से नवीन सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक, के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी

प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

केशव प्रसाद
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व
(नियुक्ति अधिकारी)

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 27-एस/वी(II)/81-ई० सी०-II—के० लो० नि० वि० के श्री एस०एन०एस० भटनागर, अधीक्षक अभियंता (सिविल) जो सम्पत्ति निर्माण तथा आवास मंत्रालय में प्रतिनियुक्त है, धार्मिक की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून, 1983 (अपरान्त) को सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नीता गर्ग,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते निर्माण महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

विधि कम्पनी बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार केरल का कार्यालय

कोचीन, दिनांक 6 जून 1983

सं० लिक्वि/560(4)/5860/83—यतः नाडार मेरियनटायल बैंक लिमिटेड (लिक्विडेशन में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय विवेन्द्रम है का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रहता है और यह कि स्टेटमेंट्स आफ एकाउंट्स समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है छः क्रमवती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा (4) उपधारा के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नाडार मेरियनटायल बैंक लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चागकेशन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ट्रीहुल फलाइंग एण्ड गलाइडिंग के विषय में कलब लिमिटेड

पटना, 800001, दिनांक 29 जून 1983

सं० (790) PS/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ट्री हुल फलाइंग एण्ड गलाइडिंग कलब

लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गगामी सरण

इन्जीनियरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (807) PS/560/2574—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अनामी सरण इन्जीनियरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एक्सप्रेस स्वीच गीयर

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (742) PS/560/2576—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एक्सप्रेस स्वीच गीयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

दिनांक 30 जून 1983

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अपना क्रेडिट एण्ड

इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (1045)/560/PS/2610—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अपना क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेटालिक ट्रेडर्स, एण्ड

इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (1106) 560/18/2615—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेटालिक ट्रेडर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० बहाब अन्सारी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिम्पल फेशन्स, लिमिटेड
के विषय में

पणजी, दिनांक 25 जून 1983

सं० 189 जो—कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि सिम्पल फेशन्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० एम० पनजकर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
गोवा, दमण और दीव

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एम० पी० नैट्रियूम
कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 30 जून 1983

क्रमांक 1408/सी० पी०/763—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एम० पी० नैट्रियूम कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश
ग्वालियर

कार्यालय आयकर आयुक्त

(संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी)

आदेश

कानपुर, दिनांक 6 जून, 1983

स्थापना केन्द्रीय सेवाएं—ग्रुप 'बी' राजपत्रित आयकर
अधिकारी, पदोन्नति स्थानापन्नतरण एवं पद-
स्थापन

सं० 12—निम्नलिखित निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, ग्रुप "बी" के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तथा अन्य आदेशों तक पदोन्नत किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे।

पदोन्नति पर उनकी सेवायें उनके नाम के सामने उल्लिखित

आयकर आयुक्तों के अधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनके पदस्थापन आदेश जारी करेंगे।

क्रम सं०	कर्मचारी का नाम	प्रभार/कार्यालय	आयकर आयुक्त जिनके अधीन सेवायें सौंपी जाती हैं।
1	दीपककुमार कपूर	कानपुर	आगरा
2	एम० पी० दरगर	मेरठ	आगरा

सर्वश्री :

1. दीपककुमार कपूर	कानपुर	आगरा
2. एम० पी० दरगर	मेरठ	आगरा

आदेश

दिनांक 20 जून 1983

सं० 16—श्री श्रवण कुमार श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, कानपुर प्रभार को आयकर अधिकारी, (ग्रुप 'बी' के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्याभार ग्रहण करने की तिथि से और अन्य आदेशों तक पदोन्नत किया जाता है। यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह पदोन्नति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर उनकी सेवायें आयकर आयुक्त आगरा के अधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनका पदस्थापन आदेश जारी करेंगे।

सुधाकर द्विवेदी,
आयकर आयुक्त
संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी, कानपुर

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई, दिनांक 2 जून 1983

सं० एक 71-ए०डी०(एटी)/83—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर (अपीलीय अधिकरण) नियम 1963 में और संशोधन करने के लिये आयकर अपीलीय अधिकरण एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

- ये नियम आयकर (अपीलीय अधिकरण) द्वितीय संशोधन नियम 1983 कहे जायेंगे।
- ये 1 जुलाई, 1983 से लागू होंगे।
- आयकर (अपीलीय अधिकरण) नियम 1963 में,
(1) नियम 36 में निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कीजिए नामतः

"36. धारा 256 (1) के अन्तर्गत निर्देश आवेदन पत्र में क्या संलग्न किया जाय :—धारा 256

की उपधारा (1) के अन्तर्गत निवेश आवेदन पत्र तीन प्रतियों में होना चाहिए और इसके साथ फार्म नं० 37 की भव सं० 7 में उल्लिखित दस्तावेज जो आयकर अधिनियम 1962 के नियम 48 में निर्धारित है, जो कि अपीलार्थी के विचार में प्रकरण का एक भाग होगा अगर आवश्यक हो तो उसका अंग्रेजी अनुवाद भी संलग्न करना चाहिए।

(2) नियम 45 में निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कीजिये, नामतः:

“45. केस के विवरण में क्या संलग्न किया जाय, नामतः अधिकरण, केस के विवरण के साथ ऐसे दस्तावेज संलग्न करेगा जो इसके विचार में केस के एक भाग हों और वे पक्षकारों द्वारा प्रदाय किये गये हों। केस विवरण बन जाने के बाद अधिकरण द्वारा निर्धारित समय के अन्दर अपीलार्थी या प्रत्यार्थी जो भी धारा 36 के अन्तर्गत प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के अलावा ऐसे दस्तावेज जो केस विवरण के भाग बनते हों, कि उतनी सत्यापित प्रतिलिपियां जितनी कि अधिकरण मांग करेगा प्रस्तुत करेगा और यदि उत्तरदायी पक्षकार

इनको प्रस्तुत करने में झूक जाता है, तो अधिकरण केस विवरण के बिना संलग्न पत्रों को उच्च न्यायालय भेज देगा।”

(3) नियम 47 के अन्त में पूर्णविराम को निकाल दिया जाय और निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय।

“या उपाध्यक्ष, जैसा कि केस हो”

(4) नियम 50 के उप नियम (1) में निम्नलिखित उप नियम प्रतिस्थापित किया जाय नामतः:

(1) अधिकरण के अभिलेखा और रजिस्ट्रों के निरीक्षण का शुल्क निम्नलिखित होगा।

(अ) पहला घन्टा या उसके भाग का—
दो रुपया।

(ब) अतिरिक्त घन्टा या उसके भाग का—
एक रुपया।

अपीलीय अधिकरण के आदेश से

जी० पी० वाजपेयी,
पंजीकार

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती कुमारा कौल।

(अन्तर्दूक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नूरजहान,
हसनअली हाजी।

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कन./टी. आर.-260/
82-83/एस. एल. नं. 752—यतः मुझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 64 है तथा जो मेटकाफ स्ट्रीट में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-10-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे घटने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—166GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

64 मेटकाफ स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, मकान जो
डीड नं. 1-8976 अनुसार 8-10-82 तारीख में एस. आर.
ए., कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1,
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

आरूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) गुलमोहर प्रपाटिज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) रीता कुमार इवानी।

(अन्तरिती)

का 269-ग (1) के अन्तर्गत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रंज-1/कल./टी. आर.-243/82-83/एस. एल. नं. 751---यतः मुर्के, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 22 (दूसरी मंजिल) है तथा जो 42ख संक्सपीयर सारणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित नो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को किसी अन्य गण उससे अन्तर्गत में सुविधा के लिए; और/व

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में अधिकारी और अधिकारी--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 22 (दूसरी मंजिल) जो 42ख संक्सपीयर सारणी में अब स्थित है और जिसका एरिया 1200 वर्ग फीट है और 15-10-82 तारीख से डीज नं. 9350 अनुसार आर.-ए., कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1,
54, रफीअहमद कदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एध.

(1) श्री समरेंद्र नाथ मिश्रा एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रेखा गांगूली एण्ड श्री अभित कुमार गांगूली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रंज-1/कल./टी. आर.-246/
82-83/एस. एल. नं. 739—यतः मूकें, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 159बी है तथा जो बिपिन बिहारी गांगूली
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल-
कत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूकें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्त्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किना जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
प्राप्त लिखित में किए गए प्रमाणों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

159बी बिपिन बिहारी गांगूली स्ट्रीट, कलकत्ता में अब
स्थित 6 कटा 6 छटाक, जमीन पर एक तल्ला टिन शैड, जो
13-10-82 तारीख में डीड नं. 12544 पी. के अनुसार
आर. ए. कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1,
54, रफीअहमद किरवाहा रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. :-----

(1) आमराव देवी तुलशान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) श्रीमती जिन्नी देवी सीनी।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर-247/82-83/एस. एल. नं. 740—यतः मूके, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 नं. हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 11 कट्या 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और आसिक 4 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए. कलकत्ता के बपतर में 11-10-82 तारीख में डीड नं. 9057 के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1,
54, रफीअहमद किरवाह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती ओमराव देवी तुलशान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रंज-1/कल/टी. आर.-248/
82-83/एस. एल. नं. 741—यतः मूझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) राम चन्द्र सोनी,

Minor represented by his father and natural guardian
Molital Soni.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 नं. हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित,
11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और
आंसिक 4 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए.नं.
कलकत्ता के बपतर में 11-10-82 तारीख में डीड नं. 9058
के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1,
54, रफा अहमद किबवाह रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती ओमराव देवी तुलशन।

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्द सोनी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रेंज-1/कल./टी. आर.-249/
82-83/एस. एल. नं. 742—यतः मूझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11-10-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
षट्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

19 नं. हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित,
11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और
आसिक 4 तल्ला मकान का अधिभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए.,
कलकत्ता के दफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीड नं. 9059
के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,
54, रफीअहमद क्लबवाइ रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) अमराओ देवी सुलतान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सूरजमल सोनि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-250/82-83/एस. एल. नं. 743—यतः मूझे, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरियम, गोयेडका स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. ए., कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची**अनुसूची**

19 नं. हरियम, गोयेडका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और आसिक 4 तल्ला अधिभक्त मकान का 1/6 हिस्सा जो 11-10-82 तारीख में एस. आर. ए., कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं. 9060 के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1,
54, रफीअहमद किववाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती ओमराव देवी तुलशान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चंदमल सोनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-251/
82-83/एस. एल. 744—यस: मुझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिल्ला उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11-10-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अपने में
सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आशितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया
गया है।

19 नं. हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित,
11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और
आसिक 4 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए.,
कलकत्ता के दफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीडी नं. 9061
के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1,
54, रफीअहमद क़िदवाइ रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती ओमराव देवी तूलशान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-252/82-83/एस. एल. नं. 745—यतः मूँ, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—166GI/83

(2) सिव भगवान सोनी।

(Miner represented by his father and natural guardian Mohan Lal Soni)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 नं. हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और आसिक 4 तल्ला मकान का अविवक्षित 1/6 हिस्सा जो आर.ए., कलकत्ता के क्षेत्र में 11-10-82 तारीख में डीडी नं. 9062 के अनुसार रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,
54, एफ।अहमद किराया रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983

मोहर []

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) नीरन्जन हीड़प्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स अमरज्योति इन्वैस्टमेंट को. लि.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रंज-1/कल./टी. आर.-237/
82-83/एस. एल. 746—यन: मुझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 है तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस.आर.ए.,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 22-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9, बुड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक बिघा
13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित मकान का
1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में डीड नं. 9564
अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्टर
हूँगा।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1,
54, रफीअहमद किववाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983
मोहर

प्रकृष बाई., टी. एन. एस.-----

(1) श्री चन्द्र सिंह हिरजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रंज-1/कल./टी. आर.-236/
82-83/एस. एल.-747—यतः मुझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 है तथा जो बूड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय एस.आर.ए.,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 22-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए,

(2) मेसर्स अमरज्याति इन्वैस्टमेंट को. लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

9, बूड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक बीघा
13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान का
1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में डीड नं. 9563
अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्टर
हुआ।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.सं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-239/82-83/748—यतः मूझे, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 9 है तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस.आर.ए., कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) अरुण कुमार हिरजी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमरज्योति इन्वेस्टमेंट को. लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9, उड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक बिघा 13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित मकान का 1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में डीड नं. 9566 अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

एम. अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1,

54, रफीअहमद किरवाड़ी रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रमुख भाई.टी.एन.एस.-----

(1) जे. हिरजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स अमरज्योति इन्व्स्टमेंट को. लि.

(अन्तरिती

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-
238—यतः मुझे, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 9 है तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस.आर.ए.,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 22-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आय-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उगने बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9, उड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक जिन्हा
13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविकृत मकान का
1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में गीड नं. 9565
अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्रर
हुआ।

एस. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1,
54, रफीअहमद किववाइ रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. ए. सी./रज-1/कल./टी. आर.-263/
82-83/एस. एल. नं. 750---वत: मुझे, एस. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमान एस. आई. आर. क्रेग. एण्ड जी. एच.
नेल क्रेग।

(अन्तरक)

2. मेसर्स पोद्दार इलेक्ट्रानिक्स लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

11 कामक स्ट्रीट, कल. में अवस्थित 2 विघा, 19 कट्टा
5 छटाक, 40 वर्ग फिट जमीन जो 21-10-82 तारीख में
खीड़ नं. 9557 के अनुसार आर. ए. के दफ्तर में रजिस्ट्री
हुआ।

एस. अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, 54 रफीअहमद रोड

कलकत्ता-16.

तारीख : 15-6-1983

माहर :

प्रकृप-आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर. 3/37इ इ-72/83-84---यतः
मुझे, एस. एच. अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लट नं. 17, इ-ब्लाक है, तथा जो इंडियाना
बिल्डिंगज, अंधेरी (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री गोपाल सुब्रमन्यन और श्रीमती सरस्वती सुब्रमन्यन
(अन्तरक)

2. श्री सुरेश पुजारी धोत्रे ।

3. श्री गोपाल सुब्रमन्यन और श्रीमती सरस्वती सुब्रम-
न्यन ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लट नं. 17, ग्राउंड फ्लोर, इ-ब्लाक, इंडियाना
बिल्डिंगज, न्यू इंडियाना प्रिमाइसेस को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी
लिमिटेड, माथुरदास विसनजी रोड, अंधेरी पूर्व, बम्बई-93।

अनुसूचि जैसा की अर्जन इलाका 3/1/और जो सक्षम प्राधि-
कारी बम्बई द्वारा दि. 8-10-1982 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

एस. एच. अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 16-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री श्यामलाल मोहनलाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ज्योतीरम अनाथनाथ बोस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर. 1/4820/83-84—यतः सूभे, ,
आर. के. बकाया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1480, आफ भूलेश्वर
डिप्लोमन है तथा जो शेख मेमन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1982
आक्यूमेन्ट नं. बम्बई 1382/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेज सं. बम्बई 1382/77 और उप-
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा वि. 25-10-82 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

आर. के. बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 13-6-1983
मोहता :

प्रकरण आई. टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर. 1/4784/83-84—यतः मुझे,
आर. के. बकाया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 923 आफ मांडवी डिस्ट्रिक्ट
है तथा जो केशवजी नायक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—166G1/83

1. मेसर्स शरद बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. ओल्ड शारदा चेंबर प्रिमाईसेस को-आपरेटिव्ह
सोसायटी लिमिटेड सोसायटी के सदस्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. बम्बई 485/79 और जो
उपरजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 14-10-1982 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

आर. के. बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बंबई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर.-1/4781/83-84--यतः मुझे,
आर. के. बकाया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सी. एस. नं. 573 आफ मांसगांव डिक्ट्रिजन
है तथा जो परेल रोड, नार्थ इस्टेट बंबई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 1908 का 16 के अधीन, तारीख 14-10-82
डाक्यूमेंट नं. 3128/70 बम्बई
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री धंजिशा जमशेदजी देसाई और रोशन धंजिशा
जमशेदजी देसाई ।
(अन्तरक)

2. 1. श्रीमती फतेमाबाई जाकीरहुसैन बलाल 2.
श्री शवीर जाकीरहुसैन बलाल 3. श्री फियोज
जाकीरहुसैन बलाल 4. श्री सैफी जाकीरहुसैन
बलाल ।
(अन्तरिती)

3. माजोती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. बाम्बे इंप्रूवमेंट ट्रस्ट ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधीहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेस सं. 3128/70 बम्बई और जो
उपरिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दि. 14-10-1982 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

आर. के. बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1 बम्बई

तारीख : 14-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर. 1/4801/83-84--अतः मुझे,
आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एम्. नं. 694 आफ भूलेश्वर डिवीजन
है तथा जो गिरगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982 (डक्यूमेंट सं.
बम्बई 2578/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किवा जाना चाहिए या जिनके में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) सभ फ़ेमरोस लाला

(अन्तरक)

- (2) 1. मेहेरा धुंजिशा दारुवाला
2. धुंजिशा बुरजोजी दारुवाला
3. बुरजोर धुंजिशा दारुवाला
4. थटी बुरजोर दारुवाला

(अन्तरिती)

(3) माडोती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बम्बई 2578/81 और जो
उपरिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-82 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

आर. के. बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख : 13-6-83
मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1983

निर्देश नं. 36245/82-83—यतः मुझे, मंजू माधवन,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 670 है, तथा जो एक्स क्रॉस रोड वेस्ट आफ
काट रोड-11 स्ट्रेज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 29-10-
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जय्यम्मा चेल्लप्पा नं. 5125, एपेल ट्री ड्राव
एन. ई. रोड के बरजीनिया यू. एस. ए. ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जी. आर. इंटरप्राइसिस नं. 218/वाई,
111 ब्लाक राजाजीनगर, बंगलूर-10 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वस्तावेज नं. 3020/82-83 ता. 29-10-82)
सब सम्पत्ति है जिसका सं. 670 जो 10 क्रॉस रोड वेस्ट
आफ काट रोड-11 स्ट्रेज, बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1983
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. सी. आर. नं. 62/36149/82-83—यतः
मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 90/1, 91, 92, 93, 94,
95 और 96/1 है, तथा जो कोतनूर विलेज, उत्तरहल्ली
होबली, बंगलूर साउथ तालूक में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर साउथ तालूक में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्मेंद्र सिंह डियोल,
सपुत्र केवल सिंह डियोल,
22, जुहू पारले स्कीम,
11 रोड, जुहूर, बम्बई-400054
धर्मेंद्र सिंह डियोल,
ट्रस्टी आफ दि एस्टेट आफ मिस अजीता डियोल और
मास्टर विजय सिंह डियोल-माइनर।

(अन्तरक)

2. श्री अजय सिंह डियोल,
सपुत्र डी. एस. डियोल,
नं. 22, रोड सं. 11, जुहू स्कीम,
जुहू बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 4079/82-83 दिनांक 7-10-1982)
सब संपत्ति है जिसका सं. 90/1, 91, 92, 93, 94,
95 और 96/1, जो कोतनूर विलेज, उत्तरहल्ली, होबली
बंगलूर साउथ तालूक में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 14-6-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. सि. आर. 62/36303/82-83—यतः,
मुझे, मंजू माधवन,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18, है, तथा जो कैम्प रोड, बंगलूर (कार-
पोरेशन नं. 47) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स फवाह बिल्डर्स (प्राइवेट) लिमिटेड,
नं. 83, एम. जी. रोड,
बेंगलूर-1।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सैयद इलयास आगा,
(2) सैयद सलनूद्दीन आगा,
(3) सैयद लियकसागा,
नं. 30, काकबर्न रोड,
सिविल स्टेशन, बेंगलूर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2470/82-83 तारीख 12-11-1982)

सब सम्पत्ति है जिसका सं. 18, जो कैम्प रोड, बेंगलूर
(कारपोरेशन नं. 47) में स्थित है।

मंजू माधवन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 8-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. सि. आर. 62/36352/82-83—यतः, मुझे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 516 है, तथा जो III ब्लॉक, कोरमंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर साउथ तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के 16) के अधीन, तारीख 27-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर वि. वि. मोदी,
सपुत्र वीरचन्द दास पी. मोदी
कनकनाडि,
बंगलूर-2।

(अन्तरक)

2. श्री के. शनि कुमार रंजिड,
सपुत्र के. चन्द्रशेखर रंजिड,
सं. बी-21, कुप्पेमुक कालोनी,
कोरमंगला, बंगलूर-34।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं. 4898/82 ता. 27-11-82)

सदा सम्पत्ति है जिसका सं. 516, जो III ब्लॉक, कोरमंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 8-6-1983
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. सि. आर. सं. 62/36237/82-83—अतः
मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. 2817/1982 और सर्वे सं. 248 है, तथा
जो मागीड टाउन, बंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मागीड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती प्रेमलीला पत्नी लैट एम. एन.
राजाशेकरैया, नं. 148, काटनपेट, मागीड
- (2) नथरन्ता पुत्री एम. एन. राजाशेकरैया पत्नी
बसवराजु, नं. 169, 14 फ़ास, 1 ब्लॉक,
राजाजीनगर, बंगलूर-10।
- (3) सुकन्या पुत्री लैट राजाशेकरैया और पत्नी
रविशंकर, नं. 113610, 111 मैन रोड,
विजयनगर, बंगलूर-40।
- (4) महादेव प्रसाद, पुत्र लैट एम. एन. राज-
शेकरैया, नं. 148, काटनपेट, मागीड (5-
ए) ज्यन्ति (बी) अरुणकुमार (सी) भारती पुत्री
लैट एम. एन. राजाशेकरैया, मैसर्स रंप्रसन्न-
टैड बै मंदर श्रीमती प्रेमलीला पत्नी लैट राजा-
शेकरैया।

(अन्तरक)

2. श्री एम. एन. बागेय्या (जनरल मॅनेजेंट)
सं. 725, काटनपेट, मागीड,
बंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1530/82-83 तारीख 14-10-1982)
सब सम्पत्ति है जिसका सं. 2817/1982 और सर्वे नं.
248 जो मागीड टाउन, बंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. सि. आर. सं. 62/36196/82-83—यतः
मूक्त, मंजु माधवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 135, है, जो पीप लैन ईस्ट, करिंतिम्नन-
हिल्ल, मैसूर रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बसवनगूडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-10-1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—166GI/83

1. श्री एच. एम. रामय्या,
सं. 3, 9 कास, 1 मैन रोड,
भामराजपेट,
बंगलूर-18।

(अन्तरक)

2. मैर्स माडरन एन्टरप्राइस,
(1) जी. पी. त्रिवेदी,
(2) टी. एस. ईश्वरय्या,
सं. 132, पीप लैन ईस्ट,
करिंतिम्ननहिल्ल,
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावज सं. 2293/82-83 ता. 6-10-1982)
सब सम्पत्ति है जिसकी सं. 135, जो पीप लैन ईस्ट, करि-
निम्ननहिल्ल, मैसूर रोड, बंगलूर में स्थित है।मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 8-6-1983

मोहर :

रूप धार. टी. एन. एस.-----

आयकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जून 1983

निर्देश सं. सी. आर. नं. 62/36165/82-83--यतः
मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन संपत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. 671/20 है, तथा जो VII क्र. 11, 111
ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सूब्रमन्यम,
नं. 68, 111 ब्लॉक, टी. आर. नगर,
बंगलूर-28।

2. श्रीमती पी. आर. सरस्वती,

(अन्तरक)

नं. 108, अयोगनल रोड,
वि. वि. पुरम, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी ज्यादा बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2333/82-83 तारीख 14-10-1982)
सब संपत्ति है जिसका सं. 671/20, जो 11 क्र. VII
जयनगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक प्राधिकारी
अर्जन रज, बंगलूर

तारीख : 7-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. 111/777/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे प्लॉट सं. 188, हों. सं. 89, बाड सं. XVI, जी. बी. सं. 39/1 के अंतर्गत है तथा जो करनी-बाद रोड, देवधर, जिला सन्थाल परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन सन्त्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री मोहन लाल गररेरीवाला
2. श्री विष्णू गररेरीवाला
दोनों निवासी 33, लोक रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सीता देवी गुप्ता
निवासी गोपाल बाग,
कुष्ठ आश्रम रोड, देवधर,
जिला सन्थाल परगना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग उस जमीन एवं एक मंजिला मकान का जिसका रकबा 4.63 एकड़ है तथा जो करनीबाद रोड, देवधर, जिला सन्थाल परगना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1-11961 दिनांक 1-10-82 में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र
बिहार, पटना

तारीख : 16-6-1983
मोहर 3

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. III/774/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए. एस. प्लॉट संख्या-685 ए, वार्ड संख्या-
111 है, तथा जो रांची-बाइबासा रोड, थाना/जिला रांची में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजि-
स्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम, जो कि अधिनियम
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत न केभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रतुल चन्द्र चक्रवर्ती वर्मा-श्री धीरेन्द्र नाथ
चक्रवर्ती, निवासी-43, मैन रोड,
पो./जिला रांची।

(अन्तरक)

2. श्री एस. जय सिंह,
निवासी-अपर पी. पी. कम्पाउन्ड,
पो./जिला रांची।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 सरा हिस्सा जिसका रकबा
कमोवेश 728 वर्ग फीट है एवं जो रांची-बाइबासा रोड, थाना
जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या
1-9409 दिनांक 19-10-82 में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार
आफ एस्टोरेन्सज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।



प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-5-1983
मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. 111/775/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार बूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. (बसिका संख्या-1-8826 दिनांक 6-10-82
के अनुसार है) तथा, जो जसीडीह, जिला-संथाल परगना में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-10-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सती नाथ मित्रा,
निवासी-66, राय मोहन बनजी रोड,
कलकत्ता-35।

(अन्तरक)

2. श्री प्रियम सुन्दर सिंह,
निवासी-पहाड़ कोठी, जसीडीह,
जिला-संथाल परगना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 5.61 एकड़
का आधा है तथा जो जसीडीह जिला-संथाल परगना में स्थित है
और पूर्ण रूप से बसिका संख्या 1-8826 दिनांक 6-10-82 में
वर्णित है एवं सब-रजिस्ट्रार आफ एसोर्नेसज कलकत्ता के द्वारा
पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार बूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-6-1983

मोहर :

प्ररूप० धार० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. 111/776/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. (जिसका संख्या 1-8827 दिनांक 6-10-82
के अनुसार) है तथा, जो जसीडीह, जिला-संथाल परगना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमिस्त
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोप्ती नाथ मित्रा,
निम्बरसी-241, गोपाल चटर्जी रोड,
कलकत्ता-2।

(अन्तरक) *

2. श्री श्याम सुन्दर सिंह,
नियासी-पहाड़ कांठी, जसीडीह,
जिला-संथाल परगना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 5.61 एकड़
का आधा है तथा जो जसीडीह, जिला-संथाल परगना में
स्थित है और पूर्ण रूप से जिसका संख्या 1-8827 दिनांक
6-10-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार आफ एस्टाटमेंट्स
कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 15-6-1983
मोहर

प्रस्पृ माह. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. 111/772/अर्जन/83-84—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार दूबे,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या एम. एस. प्लॉट संख्या-685 है, तथा जो
सी, वाड्ड संख्या-111 रांची-चाइबासा रोड, थाना/जिला-रांची
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रतुल चन्द्र चक्रवर्ती वल्ल-श्री धीरेन्द्र नाथ
चक्रवर्ती निवासी-43, मेन रोड, पो./जिला
रांची।

(अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह वल्ल सरदार बन्टा सिंह
निवासी-लोअर पी. पी. कम्पाउन्ड, गुरुनानक
स्कूल के नजदीक, जिला रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 हिस्सा जिसका रकबा
कमोवेश 650 वर्ग फीट है एवं जो रांची-चाइबासा रोड, थाना/
जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1-
9407 दिनांक 19-10-82 में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार
आफ एक्सोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. 111/769/अर्जन/83-84—अतः मूझे,
प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एम. एस. प्लॉट सं.-1477, हो. सं.
716-बी/716-सी. (पार्ट), वार्ड सं. VII बी है तथा
जो नवीन चन्द्र मिश्रा लेन, मोहल्ला-वर्दवान कम्पाउन्ड, थाना-
लालपुर, जिला रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनु-
सूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश चन्द्र हरलालका,
वल्लभ श्री भगवान हरलालका
निवासी-वर्दवान कम्पाउन्ड, थाना-लालपुर,
जिला-रांची

(अन्तरक)

2. श्रीमती ललिता देवी बजाज,
जोसे-श्री राम किशोर बजाज
निवासी-अपर बाजार, पो./जिला-रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रकबा 4 कट्ठा
6 छटाक 7 वर्ग फीट है एवं जो नवीन चन्द्र मिश्रा लेन, मोहल्ला-
वर्दवान कम्पाउन्ड, थाना-लालपुर जिला-रांची में स्थित है और
पूर्ण रूप से वसिका संख्या-8943 दिनांक 20-10-82 में
वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पदा-
धिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पृना-411004

दिनांक : 19-5-83

मोहर :

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. 111/773/अर्जन/83-84--अतः मझे,
प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एम. एस. प्लॉट संख्या-685 बी, वाड्ड संख्या-
111 है तथा जो रांची चाइबासा रोड, थाना/जिला-रांची में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रतप चन्द्र चक्रवर्ती,
बल्द-श्री धीरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती,
निवासी-43, मैन रोड,
पो/जिला रांची।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र प्रकाश चड्ढा,
बल्द - स्व. बी. एस. चड्ढा,
निवासी - लोअर पी. पी. कम्पाउन्ड,
गुरुनानक स्कूल के नजदीक,
जिला-रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 सरा हिस्सा जिसका
रकबा कमावेश 822 वर्ग फीट है एवं जो रांची चाइबासा रोड,
थाना/जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या
1-9408 दिनांक 19-10-82 में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार
आफ एंथोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना
पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. 111/771/अर्जन/83-84--अतः मुझे,
प्रबोध कुमार दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एम. एस. प्लॉट सं.-1477, वाड सं.-
7 बी, नया हो. सं.-730/आई है तथा, जो नवीनचन्द्र मित्रा
लेन, महल्ला बर्दवान कम्पाउन्ड, पो.-लालपुर जिला रांची में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-10-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अनिल कुमार बनर्जी,
बन्ध-स्व. नृपेन्द्र नाथ बनर्जी,
निवासी-ब्लॉक ए. डी, प्लॉट सं.-44, सेक्टर-1
माल्ट लेक मिटी
थाना-माल्ट लेक,
जिला-24 पटना।

(अन्तरक)

2. श्री सूचीत कुमार दास,
बन्ध - स्व. सची कुमार दास,
निवासी-28, नरसिंह बत्ता रोड,
थाना-बन्तरा जिला-हावड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन में एक मंजिलया पक्का मकान जिसका रकबा 6 कट्टर
26 वर्ग फीट है तथा जो नवीन चन्द्र मित्रा लेन, महल्ला-बर्दवान
कम्पाउन्ड, पो. - लालपुर-जिला - रांची में स्थित है एवं पूर्ण
रूप से वसिका संख्या 8981 दिनांक 20-10-82 में वर्णित है
और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत
है।

प्रबोध कुमार दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-6-1983
माहुर :

यह अधिनियम, 1961 का अधिनियम 43 है

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निदेश सं. रोहतक/112/82-83—अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. शी रुम का भाग है तथा जो शाम लाल मार्केट,
रोहतक में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत, के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कश्मीरी लाल पुत्र
श्री सुन्दर लाल
म. नं. 930 वाड नं. 6,
कसाहिया घाना चौक,
रोहतक।
श्री गूलशन राय पुत्र लाजपतराय म. नं. 476 वाड
नं. 4, कच्चा बोरी रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीण कुमार एवम
बलराम कुमार
पुत्रान राम चन्द पुत्र
खान चन्द
म. नं. 650 वाड नं. 5,
माल गोदाम रोड,
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति शी रुम नं. 15 का हिस्सा, शाम लाल मार्केट रोह-
तक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-
लय रोहतक में, रजिस्ट्री संख्या 3520 दिनांक 5-10-82 पर
दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, रोहतक

तारीख : 14-6-83
गोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. रोहतक/113/82-83—अतः मुझे,

आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. शौ रुम का भाग है तथा जो शाम लाल मार्केट, रोहतक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उमस बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कश्मीरी लाल पुत्र
श्री सुन्दर लाल
म. नं. 930 वाड नं. 6
कमार्हिया वाला चौक,
रोहतक।

श्री गुलशनराय पुत्र लाजपतराय म. नं. 476, वाड नं. 4, कच्चा बेरी रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री इन्दर सेन,
यशपाल पुत्रान
श्री निहाल चन्द्र।
नि. म. नं. 474 वाड नं. 18,
शक्ति नगर,
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

७

सम्पत्ति शौ रुम नं. 15 का हिस्सा, शाम लाल मार्केट रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में, रजिस्ट्री संख्या 3522 दिनांक 5-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 14-6-83
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. जगाधरी/142/82-83—अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान-कम-फैक्टरी है तथा जो जगाधरी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी
(अंतरिनीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राज कुमार पुत्र राम प्रकाश
(2) श्रीमती पूनम कपूर पत्नी
श्री सुरेन्द्र कुमार
रिशी कपूर,
दोण माला पुत्र
व पुत्री सुरेन्द्र कपूर
नि. शादी मेटल राम लीला मैदान,
जगाधरी।

(अन्तरक)

2. मै. आत्म मेटल वर्क्स,
जगाधरी, बजरिये
श्री आत्म प्रकाश पुत्र
श्री बगारसी लाल
रामपुरा कालोनी,
यमुना नगर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान कम पैंवरी शेड, जगाधरी में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में,
रजिस्ट्री संख्या 4711-दिनांक 20-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, रोहतक

तारीख : 15-6-83
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निवेदन सं. हिसार/264/82-83—अतः मुझे,

आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. दुकान का हिस्सा है तथा जो न्यू माडल मन्डी,
हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मं. जयमीराम फूल बन्द
233 न्यू माडल मन्डी,
हिसार ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री गौरी शंकर 233 न्यू माडल
मन्डी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं. 233 का हिस्सा न्यू माडल मन्डी,
हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 2764 दिनांक 14-10-82
पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 14-6-83
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. हिसार/274/82-83 अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
जिसकी सं. दुकान नं. 233 का 1/2 भाग है तथा जो न्यू माडल
मन्डी, हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हिसार से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मै. उदमीराम फूल चन्द दुकान
233 न्यू माडल मन्डी,
हिसार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंचन अग्रवाल पत्नी
श्री सज्जन कुमार
दुकान नं. 233,
न्यू माडल मन्डी,
हिसार।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति दुकान नं. 233 का 1/2 भाग, माडल मन्डी,
हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 2812 दिनांक 20-10-82
पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, रोहतक

तारीख : 14-6-83
सोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. सोनीपत/111/82-83—अतः मुझे, ।

आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. एम. 21 का मध्य भाग क्षेत्र 754
व. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाणिज्य में कमी करने या उसमें बचने में मृत्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहेगा था, छिपाने में
मृत्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8 —166GI/83

1. श्री निरन्जन सिंह पुत्र
श्री हरबन्स सिंह पुत्र
श्री हरकिशन सिंह
नि. ई-3, इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत द्वारा -
हरभजन सिंह पुत्र
हरबन्स सिंह
नि. सोनीपत भाई व मुख्तियार खास।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुबोध अरोड़ा पत्नी
श्री रमेश कुमार पुत्र
श्री दीवान चन्द
नि. एम.-20
इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बेव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्तासारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं. एम. 21 का मध्य भाग क्षेत्र
754 व. ग. इन्डस्ट्रियल एरिया सोनीपत में स्थित है जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में,
रजिस्ट्रीसंख्या 2429 दिनांक 19-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 17-6-83
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, राहतक

राहतक, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. सोनीपत/112/82-83—अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है।
और जिसकी सं. प्लॉट नं. एम. 21 का दक्षिणी भाग अं. 749
ब. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चेतन कौर विधवा
श्रीमती सिमरत कौर
श्रीमती हरभजन कौर पुत्रियां
श्री हरबन्स सिंह
पुत्र श्री हर किशन सिंह
नि. इ-3, इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुवेष अरोड़ा पत्नी
श्री रमेश कुमार पुत्र
श्री दीवान चन्द
नि. एम.-20
इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं. एम. 21 का दक्षिणी हिस्सा
है जो इन्डस्ट्रियल एरिया सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संस्था
2430 दिनांक 19-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, राहतक

तारीख : 17-6-83
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

विशेष सं. सोनीपत/113/82-83—अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. एम. 21 का उत्तरी भाग क्षे. 738
व. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नाल :—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र
श्री हरजन्त सिंह पुत्र
श्री हर किशन सिंह
नि. ई-3, इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुवर्षा अरोड़ा पत्नी
श्री रमेश कुमार पुत्र
श्री दीवान चन्द
नि. एम.-20
इन्डस्ट्रियल एरिया,
सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं. एम. 21 का उत्तरी भाग क्षे.
738 व. ग. इन्डस्ट्रियल एरिया सोनीपत में स्थित है जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में,
रजिस्ट्रीसंख्या 2431 दिनांक 19-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-6-83
मोहूर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. हिसार/254/82-83—अतः मुझे,
आर. के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि 44 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव
बीड, हिसार में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :-

1. श्रीमती स्नेह लता विधवा
श्री एंसी लाल
नि. 6 ए. पी.
हिसार अब सहिल्ला गृजरान,
हिसार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अशरफी देवी विधवा
श्री चन्द्र भान
नि. तहसील रोड
मोहल्ला नीमवाला के निकट,
हिसार।

(अन्तरिती)

3. 1. सर्वश्री चन्द्र भान रघुबीर सिंह, हिसार,
2. चन्द्रभान सतनारायण, हिसार,
3. चन्द्र भान बख्शीर सिंह
4. चन्द्रभान पवन कुमार
5. चन्द्रभान धर्म मोहन
द्वारा रघुबीर सिंह सतनारायण
बख्शीर सिंह पवन कुमार धर्म मोहन
पुत्रान चन्द्रभान नि. हिसार।
(यह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 44 कनाल 18 मरले गांव बीड, हिसार में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्रीसंख्या 2717 दिनांक 11-10-82 पर दिया
है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 17-6-83
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निदेश सं. हिसार/246/82-83—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ई-42 क्षेत्र. 2850 ब. ग. का 1/3 भाग क्षेत्र. 950 ब. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम बिलास पुत्र
श्री साधु राम पुत्र
श्री राम गोपाल,
नि. सफीवी मन्डी,
जि. जीन्दा।

(अन्तरक)

2. मं. शान्ति टैक्स्टाइल,
ई-42, इन्डस्ट्रियल एरिया,
पानीपत द्वारा
श्री शाम सुन्दर पुत्र
श्री मूलख राज मीणा,
म. नं. 378, मांडल टाउन,
पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितकारी के पार्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति प्लॉट नं. ई-42 क्षेत्र. 2850 ब. ग. का 1/3 भाग क्षेत्र. 950 ब. ग. इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 4165 दिनांक 20-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 17-6-83
मोहर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन. एस.-----

1. श्री लक्ष्मी चन्द्र पुत्र श्री साधू राम नि. सफाई मन्त्री, जि. जीव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. पानीपत/254/82-83—यतः मुझे, आर. के. भयाना, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ई-42 क्षे. 3800 व. ग. का 1/4 भाग क्षे. 950 व. ग. शेड के साथ है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मैं. शान्ति टैक्सटाइल, ई-42, इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत द्वारा श्री राम सुन्दर मोंगा पुत्र श्री मलखराज मोंगा नि. 378 माडल टाउन, पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित नहीं सन्धि होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं. ई-42 क्षे. 3800 व. ग. का 1/4 भाग क्षे. 950 व. ग. शेड के साथ इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीसंख्या 3964 दिनांक 4-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 17-6-1983
मोहर :

प्रकृष आर्डी. टी. एन. एस.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं. पानीपत/235/82-83—यतः मुझे, आर. के. भयाना, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ई-42 क्षेत्र 2850 वर्ग ग. का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम करण बास पुत्र श्री साधु राम पुत्र राम गोपाल नि. सफीदों मन्डी जि. जींद।

(अन्तरक)

2. मैं. शान्ति टैंक्सटाइल, ई-42 इन्डस्ट्रियल एरिया पानीपत द्वारा श्री शाम सुन्दर भोगा पुत्र श्री मूलख राज भोगा, पानीपत सं. नं. 378 मोडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जोहस्ताक्षरीय सम्पत्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं. ई-42 क्षेत्र 2850 वर्ग गज का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 3965 दिनांक 4-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रश्न बाह्य. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. पानीपत/247/82-83—यतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ई-42 का 1/3 भाग (2850 वर्ग गज का 1/3 भाग-950 वर्ग गज) है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरियम गुप्ता पुत्र साधुराम पुत्र राम गोपाल नि. सफीदों मन्डी जि. जींद बजरियो श्री लक्ष्मी चन्दा पुत्र साधु राम नि. सफीदों मन्डी।

(अन्तरक)

2. मै. शान्ति टेक्सटाइल, ई/42 इन्डस्ट्रियल एरिया पानीपत द्वारा श्री शाम सुन्दर मोंगा पुत्र मूलख राज मोंगा म. नं. 378 माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं. ई/42 क्षेत्र 2850 वर्ग गज का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज इन्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 4198 दिनांक 22-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, रोहतक

तारीख : 17-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. रोहतक/133/82-83—अतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि. 679 $\frac{1}{2}$ वर्ग गज है तथा जो सैनी स्कूल रोड रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हवा सिंह पुत्र श्री शेर सिंह सैनी रा/आफ बाबरा मोहल्ला, रोहतक।
(अन्तरक)
2. श्री राकेश कुमार श्री ललित कुमार पुत्र श्री अमीर सिंह रजि./आफ म. नं. 274
प्रेम नगर रोहतक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 679 $\frac{1}{2}$ वर्ग गज सैनी स्कूल रोड, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 4449 दिनांक 22-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख 14-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. देहली/54/82-83—यतः मुझे, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 2253-33 वर्ग गज है तथा जो गांव हसनपुर (बहादुरगढ़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री गुरुबचन लाल सेठी बलदेव राज सेठी सपुत्र श्री राम दास जे-13/44, राजौड़ी गाड़न नई दिल्ली वीरां पाली पत्नी श्री राम दास सेठी कर्मवीर सेठी पुत्र राम दास सेठी शान्ति देवी पुत्री रामदास सेठी सतिश कुमारी पुत्री श्री राम दास सेठी श्रीमती राज कुमारी पुत्री श्री राम दास सेठी 13 ए 125 श्रीमती कृष्ण लता पुत्री राम दास सेठी डब्लू 1 ईए करोल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री रघुनाथ इन्डस्ट्रीज 33 मार्जन इन्डस्ट्रीयल एरिया बहादुरगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2253.33 वर्ग गज हसनपुर बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय देहली में रजिस्ट्री संख्या 1589 दिनांक 18-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

तारीख 14-6-1983
मोह.उ.

प्रत्यु आइ टी एन एड-3-4-4-4-4

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. वहेली/61/82-83—यतः मुझे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 40 से 45 पर बनी फैक्ट्री बिल्डिंग औद्योगिक कालोनी इन्डस्ट्रियल इस्टेट नं. 11 है तथा जो गांव पल्ला त. बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धनरित (धनरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धनरत के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) धनरत से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के धनरत के धनरत में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै. सूडान प्रिन्ट्स प्रा. लि., आर-546 शंकर रोड, न्यू राजेन्द्रनगर, नई दिल्ली द्वारा श्री धन सूडान, मैनेजिंग डायरेक्टर।
(अन्तरक)

सर्व श्री

2. 1. एन डी. तनेजा पुत्र घनश्याम दास तनेजा
2. डी. एन. तनेजा पुत्र घनश्याम दास तनेजा
3. हेमन्त कुमार, पुत्र कृष्ण कुमार
4. राज कुमार पुत्र रतन चन्द (माइनर)
5. चन्दर प्रकाश पुत्र रोशन लाल
6. राधेश कुमार पुत्र जगवीश कुमार (माइनर)
7. अमित कुमार पुत्र अशोक कुमार (माइनर)
8. कु. लीना तनेजा पुत्री रतन चन्द तनेजा नि. 7, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोप्रायरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं. 40 से 45 पर बनी फैक्ट्री बिल्डिंग क्षेत्र 7881.3 वर्ग गज औद्योगिक कालोनी जो कि औद्योगिक क्षेत्र नं. 11 से जानी जाती है गांव पल्ला त. बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय वहेली में रजिस्ट्रीसंख्या 1609 दिनांक 22-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, रोहतक

तारीख 14-6-1983

मोहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री प्रवीण राज टैक्सटाइल पानीपत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री. अलंकार टैक्सटाइलज नं. 23, पानीपत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिमा करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं. पानीपत/244/82-83—यतः मुझे, आर. के.
भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 2/3 एच इन्डस्ट्रियल एरिया है तथा जो
पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

सम्पत्ति नं. 23 इन्डस्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में
रजिस्ट्रीसंख्या 4116 दिनांक 14-10-1982 पर दिया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

आर. के. भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-6-1983
मोहर :

प्रमुख आदेश: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 6 जून 1983

निर्देश सं. सि ए/37 ई. ई./83-84/133—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 1 स. नं. 17ए. फ्लैट नं. 21
क्षेत्र 570 स्के. फूट वानवडी पूर्ण है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 291 तारीख 15-10-
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै. महीन्द्राकर आर्णि एसोसिएट्स 616 नाना पेंठ
पूणे-2 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नफीसा फकरुद्दीन आरुमोहमद नावाजी 10
देवी सोसायटी पदमजी पार्क पूना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1 स. नं. 17ए प्लॉट नं. 21 क्षेत्र 510 स्के.
फूट वानवडी पूर्ण ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 291 ता. 15-10-1982 को
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के बफतर
में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मई 1983

निर्देश सं. सि. ए. एस./889 एस आर/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यज्ञ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. मांजे सावेदी सर्वे नं. 25/332/2 प्लॉट नं. 17 तालुका अहमदनगर है तथा जो जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्य निबन्धक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कानूनी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शाश्वत रूप से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पूजा इन्वेस्टमेंट के भागीदार श्री किशोर रामोदर रंजाविकर गंजबाजार, अहमदनगर।
(अन्तरक)

2. वसंत हरिभाऊ सोमणी रहस्यी रोड अहमदनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मांजे सावेदी सर्वे नं. 25/332/2 प्लॉट नं. 17 तालुका और जिला अहमदनगर जिसका क्षेत्र 500 स्क्वैर फीट है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 3541 तारीख 4/11/82 को दृश्य निबन्धक/अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 31-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 मई 1983

निर्देश सं. सि ए 5/134 37 ई ई./1983-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 2 राजकिरण अपार्टमेंट्स प्लॉट नं. 86 स. नं. 50-52-53 ए. वालवेंकरनगर पूना 9 है तथा जो पूना 9 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 467 ता. 23-11-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स चोपरा कनस्ट्रक्शन 245 नारायण पेठ पूना 30 (अन्तरक)

2. श्री केंदार काशिनाथ बलवी फ्रेन्ड्स अपार्टमेंट्स प्लॉट नं. 85 वालवेंकर नगर पूना 9 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2 प्लॉट नं. 86 स. नं. 50-52-53 ए. वालवेंकरनगर क्षेत्र 458 स्क्वैर फीट राजकिरण अपार्टमेंट्स पूना 9 ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 467 ता. 23-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 20-5-1983
साहूर :

प्रकट आह्वान टी. एन. एस.-----

1. मैं ममता बिल्डर्स 1523 रविवार पेठ पुना 2।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्रीमती अशालता गुलाबराव अहीरकर आदर्श कालोनी
रिमांड होम के पास अकोणा जि. अकोला।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पुना-411004को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

पुना-411004, दिनांक 20 मई 1983

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. सि ए 5/136 37 ई.ई./83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 4 आयडीयल कालोनी प्लॉट नं. 67 सं. नं. 129. कौथसड क्षेत्र 900 स्के फीट पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्लॉट नं. 4 आयडीयल कालोनी प्लॉट नं. 76 सर्वे नंबर 129 कमला अपार्टमेंट्स क्षेत्र 900 स्के. फीट पुना।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 343 ता. 11-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुना-411004

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-5-1983

माह 5।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, पूना-411004

पुणे-411004, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश सं. गि ए 5/903 एस आर/83-84—यतः मुझे,
शशिकान्त कुलकर्णी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. सौजे नागापूर सर्वे नं. 142/4 ए तालुका
अहमदनगर है तथा जो जिल्हा अहमदनगर में स्थित है (और
इससे उपनिर्देश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाय्यम निबंधक अहमदनगर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-2-1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(ख) किसी हिस्से आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः :—1. श्री रायमाऊ लक्ष्मण छातोरें रा. नागापूर तालुका
जिला अहमदनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री शशिकांत हिरालाल मुशा गणेशवाडी, स्टेशन
रोड अहमदनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सौजे नागापूर सर्वे नं. 142/4 ए, तालुका और जिल्हा
अहमदनगर जिसका क्षेत्र 76 आर है ।(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 428 तारीख 4-2-83
को दाय्यम निबंधक अहमदनगर के दफतर में लिखा है) ।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, पूना

तारीख : 1-6-1983

साहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास दाने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है, और जिसकी सं. फ्लैट और दुकान क्षेत्र 4375 स्क्. फीट, लक्ष्मी बलवंत चेंबर्स सी. स. नं. 1170/3 फायनल प्लॉट नं. 542, 872, 872/3 जंगली महाराज रोड, भांबुर्जी, पूना-411005 है तथा जो पूना-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज़, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-82 नं. 2760 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स श्री कनसलटन्स आर्ण्ड इंजीनियर्स
773/5 डेकनन जमलाना,
पूना-411004,
श्री के. डी. राजोपाध्ये और
श्री के. सी. पटवर्कर

(अन्तरक)

(2) 1. पटवर्कर टांटेलस प्रायक्वेट लिमिटेड,
प्लॉट नं. 11, बाम्बे पूना रोड,
को. आपरेटिव हॉसिंग सोसायटी,
पूना-3
2. दी रूपी को. आपरेटिव बैंक लिमिटेड,
353/1 नारायण पेठ,
पूणे-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट और दुकान क्षेत्र 4375 स्क्. फीट लक्ष्मी बलवंत चेंबर्स सी. स. नं. 1170/3 फायनल प्लॉट नं. 542, 872, 872/3 जंगली महाराज रोड, भांबुर्जी, पूना-411005

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 2760 ता. 4-12-82 के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज़, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कलकणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, पूना

तारीख : 1-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 28 मई 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 बूसरा माला सि. स. नं. 290/1 अमावार पंठ, आशा को. आपरेटिव हासिंग सोसायटी लिमिटेड, क्षेत्र 937 स्के. फीट, पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इसमें उपोबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं. 133 18-4-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बभूटमला कांतीलाल एण्ड सन्स
280 रविवार पंठ पुराना,
नया 1671 शुक्रवार पंठ, पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाब खांडवें
901 शुक्रवार पंठ,
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 7 दूररामाना नि. स. नं. 290/1, शुक्रवार पंठ, आशा को. आपरेटिव हासिंग सोसायटी, क्षेत्र 937 स्के. फीट, पूना-2

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरी नं. 133 ता. 18-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 28-5-1983
साहू :

प्ररूप आर्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

60/61 एरंडवना, कर्ण रोड,

पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 25 मई 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. सी, दूसरा माला फ्लैट नं. 1, स. नं. 30/2 सिताराम अपार्टमेंट्स, क्षेत्र (1300 स्क्. फीट) एरंडवना, पुणे-4 है तथा जो पूना-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 362 तारीख 10-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मं. ताम्बुकर आणि भावे
581 सदाशिव पेटे,
पुणे।

(अन्तरक)

(2) अं. अब्राहम
8 गोल्ड कारनेट, नौराजी कामाडीया रोड,
बंबई 400026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवेदन मां किए जा सकेंगे।

स्थितीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. सी, दूसरा माला प्लॉट नं. 1 स. नं. 30/2 क्षेत्र 1300 स्क्. फीट सिताराम अपार्टमेंट्स एरंडवना, पूना-4।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 362 ता. 10-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 25-5-1983
सांहर :

प्रारूप धारा 10 टी० एन० ६४०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 3 जून 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कलकणी, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन तत्काल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 302 बिल्डिंग नं. 1, 1/डी बी. जे. रोड, तीसरा माला, पूना-1, क्षेत्र 871 स्के. फीट है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 515 तारीख 27-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै. लडमार्क कन्सल्टेशन
सुरेखा अपार्टमेंट्स,
सातारा रोड,
पूणे-9.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंधा चितरंजन सिरसट और
चितरंजन अकारकजी सिरसट,
वोनों का पता
934/35/ए शिवाजी नगर,
पूणे-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करवा हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वायत्तकारण :—इसमें राजस्व गणना और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, नतीज अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 302, बिल्डिंग नं. 1, 1/7 बी. जे. रोड, तीसरा माला, पूना-1, क्षेत्र 871 स्के. फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 515 ता. 27-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कलकणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, पूना

तारीख : 3-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,
पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 30 मई 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 410, के. पी. टावर 1, प्लॉट नं. 2, हिस्सा नं. 8, सर्वे नं. 17-ए, वानवडी, पूना-1 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 305 तारीख 9-11-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स परमार कनस्ट्रक्शंस,
321/3 न्यू टिवर, मार्केट रोड,
पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री विरेंद्र कुमार शर्मा
100 कृष्ण कुंज, पुलगटे,
पूना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 410, के. पी. टावर-1, प्लॉट नं. 2, हिस्सा नं. 8, सर्वे नं. 17ए, वानवडी, पूना-1

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 305 ता. 5-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 30-5-1983
साह्वर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,
60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,
पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 मई 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मुझे,
शशिकांत कलकणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लेट नं. 9, प्लॉट नं. 31, स. नं. 129,
आयडीयल कालोनी कोथरुड, क्षेत्र 635 स्क्. फीट है तथा जो
पूना-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नं. 283 तारीख 2-11-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) मे. ए. व्ही. मुले आणि कंपनी,
1141 शिवाजी नगर,
फरग्युसन कालेज रोड,
पूना-16

(अन्तरक)

(2) श्री विनय नागायण दास धून
बी.-7 सल्लम हौसींग सोसायटी,
शिलाविहार कालोनी,
कर्वे रोड,
पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 9, प्लॉट नं. 31, स. नं. 129, आयडीयल
कालोनी, कोथरुड, क्षेत्र 635 स्क्. फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 283 ता. 2-11-1982 को
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के
दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कलकणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 20-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रज, पूणे

पूणे, दिनांक 1 जून 1983

निर्देश सं. सि. ए. 5/902/एस. आर./83-84—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 62, हिस्सा नं. 9/1 जी बी
पंथरली, सिटी सर्वे नं. 10356 से 10359 डोंबिवली,
तालुका कल्याण है तथा जो जिला ठाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय दय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-1-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बांयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नारायण गंगाराम फुलकर,
(2) श्रीमती इंदुमती नारायण फुलकर,
श्री साई निवास, संत नामदेव पथ
डोंबिवली (ईस्ट),
जिला-ठाणा।

(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र बसप्पा होबली,
सावित्री निवास, कल्याण रोड,
डोंबिवली (ईस्ट)
जिला-ठाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं. 62, हिस्सा नं. 9/1, जी. बी. पंथरली, सिटी
सर्वे नं. 10356 से 10359 तक डोंबिवली, सिटी सर्वे
तालुका कल्याण जिला-ठाणा, (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख
क्र. 23 तारीख 4-1-1983 दय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर
में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूणा

तारीख : 1-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुणे

पूणे-411001, दिनांक 23 मई 1983

निर्देश सं. सी ए 5/894/37-जी./1983-84—यतः
शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. रि. स. नं. 40/2 जो कूपवाड ता. मिरज
जिला सांगली है तथा जो कूपवाड ता. मिरज में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज 11 में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—166GL/83

1. (1) श्री गंगाधर शिवापा कोष्टी
(2) रमेश शिवापा कोष्टी
(3) प्रभाकर शिवापा कोष्टी
(4) सुधाकर शिवापा कोष्टी
(5) सुभाषचन्द्र लिंगायत कोष्टी,
(6) शरदचन्द्र लिंगायत कोष्टी
सभी कूपवाड ता. मिरज जिला सांगली के
निवासी

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर वत्तात्रय जोशी
चिफ प्रमोटर
नियोजित उत्कर्ष को-आप-हर्षिसंग सोसायटी
मिरज, जिला सांगली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो रि. स. नं. 40/2 कूपवाड ता. मिरज, जिला
सांगली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 3 हेक्टर 48 आर है।
(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1676 अक्टूबर 1982
में सब रजिस्ट्री अधिकारी मिरज 111 के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पुना

तारीख : 23-5-1983
मोहर

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 24 मई 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/897/37-जी/83-84--यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. खेती की जमीन जो गट नं. 123 और गट नं.
125 निलगव्हाण ता. मालेगांव में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मालेगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह निराश
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एग्रे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री गोविन्द महादेव दुसाने
तिलक रोड, मालेगांव,
(2) श्री वसंत एकनाथ मगर
कलवनकर गली, मालेगांव।

(अन्तरक)

2. अलंकार एस्टेट कारपोरेशन के भागीदार

- (1) प्रकाशचन्द्र सुखलाल जैन
मोहनपीठ गली, मालेगांव
(2) विजयराय केशरीचंद मेहता
60, गुरवार, मालेगांव जिला. नासिक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियं करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जो निलगव्हाण, ता. मालेगांव जि. नासिक
में स्थित है। जिसका गट नं. 123 क्षेत्रफल 9 हे 10 आर
और गट नं. 125 2एच 62आर है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 4439 ता. 1-10-82
को सब रजिस्ट्रार मालेगांव के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पुना

तारीख : 24-5-1983
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

(1) त्रिपुश सन्दरि अम्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तरथिल जोश

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम

कोच्चिन-16, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. एल. सी. 636/83-84—यतः मुझे, पी. जे. तोमासकुटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकूलम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकूलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रकट धन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25.250 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 3942/82 of SRO Oflukkere.

पी. जे. तोमासकुटी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम

तारीख : 16-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) मरीथुमा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बाबू सी. जोष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्देश सं. एल. सी. 638/83-84--यतः मुझे,
पी. जे. तोमासकुटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय एरणा-
कुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4 acre 49 cents as per schedule attached to Doc. No.
3306/82 of SRO Ernakulam.

पी. जे. तोमासकुटी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-6-1983

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) एन. श्रीधरन

(अन्तरक)

(2) डा. वी. प्रसन्ना

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश सं. एल. सी. 640/83-84—यतः मुझे,
पी. जे. तोमासकुटी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-
कुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

7 cents of land with building as per schedule attached to
Doc. No. 3352/82 of SRO Ernakulam.

पी. जे. तोमासकुटी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, एरणाकुलम

तारीख : 14-6-1983
मोहर

प्रत्यक्ष, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश नं. ए. पी. नं. 4375—यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैन नगरी, अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी ईश्वर चन्द वासी अनंद आश्रम, वंसत गली, खड खडी, हरद्वार (यू. पी.) (अन्तरक)
2. श्री हरमेश कुमार, मोहन लाल सपूत श्री किशोरी चन्द, गली नं. 1, जैन नगरी, अबोहर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 487 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निदेश नं. ए. पी. नं. 4376—यतः मुझे, जे. एल.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैन
नगरी, अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री बेदी पत्नी ईश्वर चन्द वासी अनंद
आश्रम, वसंत गली, खड खडी, हरद्वार (यू. पी.)
(अन्तरक)
2. श्री गोपाल कृष्ण पुत्र देवे राज गली नं. 1, जैन
नगरी, अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 488 दिनांक मई,
1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश नं. ए. पी. नं. 4403 से 4405 तक—यतः
मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव
नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अभिहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निरमल सिंह पुत्र संता सिंह वासी गांव नागरा
तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री जालन्धर प्रोग्रेसिव कोपरेटिव हाउस बिल्डिंग
स्कायटी लि. जालन्धर द्वारा सतोष कुमार शोपड़ा
संकेटरी आफ दी स्कोयटी को; लक्ष्मी स्कोर, कलाथ
मरचैन्ट जाऊरा गेट जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित है
जैसाकि विलेख नं. 6566, 6623, 6611 दिनांक जनवरी
1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983

मोहः :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निदेश नं. ए. पी. नं. 4406 और 4407—एतः मूके,
जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
गांव नागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए थे, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—166GI/83

1. श्री जागीर सिंह पुत्र शाम सिंह वासी गांव नागर
तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी जालन्धर प्रोग्रेसिव कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लिमिटेड जालन्धर द्वारा श्री सतीश कुमार
चोपड़ा सेक्टर 1 आफ दी सोसायटी को /लक्ष्मी स्टोर,
क्लाथ मरचेंट जाऊरा गेट जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागर में स्थित है।
जैसा कि विलेख नं. 6565 और 6610, दिनांक जनवरी 1983
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निर्देश नं. ए. पी. नं. 4408—यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा की अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1098 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र शाम सिंह वासी गांव नागरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी जालन्धर प्रोग्रेसिव कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, जालन्धर द्वारा श्री सतीश कुमार चोपड़ा सफ्टवेयर आफ दी सोसायटी को. लक्ष्मी कलाथ मरचेंट जाऊरा गेट जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ... अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही रहेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित जैसा कि विलेख नं. 6571 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, जालन्धर

तारीख : 14-6-1983

मोहर :

प्रमुख भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1838--यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. मकान नं. 393 है तथा जो करोली में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10
नवम्बर 1982जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके अन्तर्गत आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री किशन चन्दर पाल पुत्र श्री सुरेन्द्रपाली, करोली।
(अन्तरक)2. श्री हेमराज पुत्र श्री मांगी लाल, करोली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 393, मोहल्ला चौधरीपाड़ा, करोली जो उप
पंजीयक, करोली द्वारा दिनांक 10-11-1982 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुरतारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रकट जाहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1839—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या मकान नं. 393 है तथा जो करोली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधी-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन चन्द्रपाल पूत्र श्री सुरेन्द्र पाल जी, करोली
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमल देवी पत्नी श्री मांगीलाल, करोली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 393 मोहल्ला चौधरीपाड़ा, करोली जो उप
पंजीयक, करोली द्वारा दिनांक 10-11-1982 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीय है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रश्न बाढ़. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

जयपुर दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1836—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 393 है तथा जो करोली (जि.
सवाई माधपुर) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय करोली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
लॉर/81

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशनचन्द्र पाल पुत्र श्री सूरेंद्रपाल जी, करोली,
(अन्तरक)
2. श्री देवराज पुत्र मांगीलाल, करोली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची

मकान नं. 393, मोहल्ला चौधरीपाड़ा, करोली जिला
सवाईमाधोपुर जो उपपंजीयक करोली द्वारा क्रम संख्या दिनांक
11-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 11-5-1983
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री किशनचन्द्र पाल, पुत्र श्री सुरेन्द्रपाल जी करोली।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री गिरराज पुत्र मांगीलाल, करोली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।**भारत सरकार**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1837--यतः मूझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी स. मकान सम्पत्ति है तथा जो करोली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10
नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

मकान नं. 393, मोहल्ला बाधरीपाड़ा, करोली, जिला
सवाईमाधोपुर जो उप पंजियक, करोली द्वारा क्रम संख्या दिनांक
10-11-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1827—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमी है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2
नवम्बर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

1. श्री सामन्त कुमार पुत्र श्री गोवर्धन लाल भट्ट
उदयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री डूंगर सिंह पुत्र देवीलाल सामर 390, भूपाल-
पुर, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि 5925 वर्गफुट सम्पतराम की बाड़ी, कालाजी गोरजी
के पास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या
2291 दिनांक 2 नवम्बर, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10 मई 1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1826---यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और
इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयकुमार पुत्र श्री गोवर्धन लाल भट्ट, उदयपुर।
(अन्तरक)

2. श्री डूंगर सिंह पुत्र श्री देवी लाल सामर, 390,
भूपाल पुरा उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि 5062 वर्गफुट जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रय
संख्या 2596 दिनांक 15-12-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 10-5-1983

मोहर :

प्रकरण आई. सी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1882—यतः मूके,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 43/3 है तथा जो अजमेर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री टहल बुलानी, एडवांकेट, डिग्वी चौक, अजमेर।
(अन्तरक)
2. श्री राजेशचन्द्र पट्ट स्वर्गीय श्री श्रीलाल जेठानन्द
निवासी अजमेर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो-
क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभारी को
पास लिखित में कि एजा सकरे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 630 वर्गमीटर ब्रियरिंग नम्बर 43/3 स्थित सिविल
लाइन्स, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या
3616 दिनांक 2 नवम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—166G1/83

तारीख : 17-5-1983
मोहूट

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज., जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1897--यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो उदयपुरवाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुरवाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 दिसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमेश्वरीलाल पुत्र स्वर्गीय तनसुखराम बंसवाल, मुकन्दगढ़ द्वारा मुस्तार श्री भागीरथ, मदनलाल, श्यामप्रसाद एवं राजेन्द्र पुत्रान श्री बंसतलाल मरारका मुकन्दगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रोपदी देवी पति श्री श्यामसुन्दर, ए-131, सिरांगियासदन नेहरू नगर, बस्सी सीतारामपुरा, जयपुर एवं श्रीमति भापा देवी पति श्री गंगाशिशान-टीबड़वाला द्वारा मैसर्स रामस्वरूप भगवतीप्रसाद पोस्ट मुकन्दगढ़ जिला मुंसू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लेण्ड, वार्ड नं. 13, नगर परिषद सीमा, मुंसू जो उप पंजीयक, उदयपुरवाटी द्वारा क्रम संख्या 509 दिनांक 13-12-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज., जयपुर

तारीख : 7-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1898—यतः मूके,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो उदयपुरवाटी में स्थित है,
और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बवारका दास पुत्र श्री पोंकरमल महाजन निवासी
ग्राम कूमावास मुकन्दगढ़ के पास।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीकिशन पोरवाल पुत्र श्री मुस्तीधर पोरवाल
मुकन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट बाफ लैंड स्थित ग्राम पबाना जो उप पञ्चयक,
उदयपुरवाटी द्वारा क्रम संख्या 572 दिनांक 31-12-1982 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 7-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1899--यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट आफ लैण्ड है तथा जो उदयपुरवाटी में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुरवाटी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 31-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गारुजी बेबी पत्नि श्री द्वारकावास निवासी
कूमावास मुकन्दगढ़ के पास ।
(अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल पोरवाल पुत्र श्री श्रीकिशन पोरवाल,
मुकन्दगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्यक्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट आफ लैण्ड स्थित ग्राम पवाना, मुकन्दगढ़ के पास,
जो उप पंजियक, उदयपुरवाटी द्वारा क्रम संख्या 571 दिनांक
31-12-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवर्णित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 7-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1907—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6
दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अथवा आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

1. श्री चान्दमन राठाई पुत्र श्री शेरमल राठाई, शास्त्री
नगर, जोधपुर ।
(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल (2) केवलचन्द (3) पुराज (4)
श्रीचन्दमल पुत्रान श्री कुन्दनमल आसवाल, सी-37,
शास्त्री नगर, जोधपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और 'पदों' का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति प्लॉट नं. 37, सेक्टर सी सैक्शन 4 मसूरिया
एरिया, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा
6 दिसम्बर 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण से; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

तारीख : 13 जून 1983
मोहर :

प्रमाण आर्टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1916—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 57 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15
जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री नमीचन्द्र पुत्र श्री मिश्रीलाल जी. जी. पी. ए.
आफ श्री अनिलकुमार पुत्र श्री अनुपचन्द्रजी बाम्बे
मोटस के सामने, चोपसनी रोड, जोधपुर
(अन्तरक)

2. श्री पृथ्वीराज पुत्र श्री कन्वैन सिंह भंसाली,
कुशल कुटीर 2 बी रोड, सरदार पुरा,
जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 57, सैक्टर ए, सैक्शन 4, शास्त्री नगर, जोधपुर
पर निर्मित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा
क्रम संख्या 763 दिनांक 15 जनवरी, 83 पर पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1926—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 179 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री बीने खां पुत्र श्री लाल खां द्वारा पी. ए. ओ.
श्री रामरतन सिंह पुत्र श्री भीकाशम निवासी
जोधपुर
(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री राम रतन जी
प्लॉट नं. 3064 शास्त्री नगर,
जोधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 179, ब्लॉक नं. 3, सेक्टर 2 मसूरिया जोधपुर
का निर्मित भाग जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2696 दिनांक 8-11-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1927—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 4 प्लॉट 179 है तथा जो जोधपुर
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीने खां पुत्र श्री लाल खां द्वारा पी. ए. ओ.
श्री राम रतन सिंह पुत्र श्री भीकाराम,
जोधपुर (अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार पुत्र श्री राम रतन,
306-ए, शास्त्री नगर,
जोधपुर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सचोद्वेष्टाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 179, सेक्टर 2, सेक्शन 4, मसूरिया, जोधपुर
का निर्मित भाग जो उप पीजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2695 दिनांक 8 नवम्बर, 82 पर और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1928--अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

क) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

14—166GT/83

1. श्री रामरतन सिंह पुत्र श्री भीकाराम जी अटार्नी आफ
श्री बीने खां पुत्र श्री लाल खां,
शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भंवरी देवी पत्नी श्री रामरतन सिंह प्लॉट नं.
306ए शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति, प्लॉट नं. 179, मसूरिया, सैक्शन 2,
जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2585
दिनांक 29-12-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1930—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ओपन लैंड है तथा जो बारां में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बारां में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता बाई पति स्वर्गीय श्री बाबूलाल शर्मा
बारां।

(अन्तरक)

2. बसन्ती बाई पत्नी श्री राजेंद्र लछी, बारां
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन लैंड सेज्रिंग 5525 वर्गफुट स्थित बारां जो उप
पंजियक, बारां द्वारा क्रम संख्या 314 दिनांक 9 दिसम्बर, 82
पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1938—अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलीचन्द पुत्र श्री तुहिया जाट निवासी
नीम दरवाजा, भरतपुर।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्याम दत्त शर्मा एवं 26 अन्य, भरतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बीघा 10 बिस्वा खसरा नं. 19, षक नं. 1, तह. भरतपुर जो उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 280 दिनांक 8 मार्च, 82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1939—अतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरली पुत्र श्री धरम सिंह लोढा,
मोहल्ला गोपालगढ़
भरतपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरिवर प्रसाद पुत्र श्री बाबूलाल लोढा,
निवासी गोपालगढ़।
(2) श्री रणधीर सिंह पुत्र श्री बीरी सिंह,
द्वारा कृषि उपज मंडी समिति, बयाना।
(3) श्री नन्द किशोर शर्मा पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद
शर्मा निवासी बयाना द्वारा
कृषि उपज मंडी समिति, बयाना।

- (4) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री प्यार लाल, निवासी
गोपाल गढ़।
- (5) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री श्यामलाल लोढा
निवासी गोपालगढ़।
- (6) श्री दान सिंह पुत्र खाछेड सिंह, नागरा खबरा
द्वारा सूबेदार मेजर रिकार्ड्स,
रिकार्ड आफिस, जाट रोजिमेंट सेन्टर,
बरौली (यू. पी.)
- (7) श्री उत्तम सिंह पुत्र चरण सिंह जाट द्वारा
सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, बयाना,
जिला भरतपुर।
- (8) श्रीमती चन्द्रावती पत्नी उत्तम सिंह जाट
निवासी बयाना जिला भरतपुर।
- (9) श्री प्रेम सिंह खुट्टा पुत्र श्री घंटोलीराम जाट
निवासी गोपालगढ़ भरतपुर,
लैक्चरर एम. एस. जे. कालेज, भरतपुर।
- (10) श्री अजयवीर सिंह पुत्र श्री दान सिंह जाट,
निवासी नागला खुडी द्वारा सूबेदार मेजर
रिकार्ड्स-रिकार्ड्स आफिस,
जाट रोजिमेंट सेन्टर,
बरौली (यू. पी.)
- (11) श्री प्रताप सिंह पुत्र रबी सिंह जाट, गोपालगढ़,
फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, भरतपुर।
- (12) श्री प्रहलाद सिंह पुत्र रामकुमार जाट द्वारा
भूमि विकास बैंक लिमिटेड, भरतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा 16 बिस्वा, चक नं. 3, खसरा नं. 1
2055 स्थित तहसील भरतपुर जो उप पंजीयक, भरतपुर क्रम
संख्या 37 दिनांक 7 जनवरी, 83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
ओर विस्तृत रूप से विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

अर्जन रंज, जयपुर

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1941—दत्त: मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 150 है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम् अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इस किसी आय की वास्तविक उक्त अन्तर-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधि-
कृत

1. श्रीमती उनीया देवी एलि गंगा विशन व्यास,
फूटरेणी की बावड़ी नव चाक,
जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वन्दना-पुत्र श्री अशोक कुमार
निवासी मकराना मोहल्ला,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 150, लक्ष्मी नगर, जोधपुर जो उप पंजीयक,
जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2578 दिनांक 29-11-82 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर []

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1942—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 150 है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उनिया देवी पत्नि श्री गंगा विशन व्यास,
फुटरणी की बावड़ी,
जोधपुर (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री पारसमल पुत्र
मकराना मेहल्ला
जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट नं. 150, लक्ष्मी नगर, जोधपुर जो उप पंजि-
यक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2577 दिनांक 29-10-82 पर
पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आइए टि. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1923—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जोधपुर है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18 जनवरी 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रत्ना गुप्ता, श्रीमति बृन्दा कौर,
जोधपुर (अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार एवं यतेंद्र कुमार
पुनान श्री मुन्नी लाल जी गर्ग,
जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रस्तुत सब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
यथा है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 12 का भाग, पावटा, जलम विलास, जोधपुर
जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 757 दिनांक 18
जनवरी, 83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
में विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

परक वार्ड-टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1950--यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9
नवम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री चतुर्भुज पत्र स्वर्गीय श्री फतेह सिंह भाटी कर्ता
एन. यू. एफ.
गणेश नारायण,
कमल सिंह,
शजानन्द एवं आनन्द सिंह एवं अन्य पृश्नान
फतेह सिंह,
निवासी बैंक कालोनी, अजमेर रोड, ब्यावर।
(अन्तरक)

2. ब्यावर लोक इनकम ग्रुप हाउसिंग
को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, ब्यावर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त
अधिनियम के अड्डाय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त
प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बीघा 3 बिस्वा स्थित देलवाडा रोड, ब्यावर
जो उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 2026 दिनांक
9-11-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवर-
णित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1951—यत्न: मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान है तथा जो सोजत में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-166GI/83

(1) श्री आनन्द प्रकाश
पुत्र श्री किशन लाल जोशी,
इन्सपेक्टर,
एनफोर्समेंट,
सिधामा,
जिला बाड़मेर।

(अन्तरक)

(2) श्री मानमल
पुत्र श्री कृष्णमल कोटारी,
निवासी बड़ा गुड़ा,
तह. सोजत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित मेन रोड, सोजत रोड जो उप पंजीयक,
सोजत द्वारा दिसम्बर 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जयपुर

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैंच्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज/महा. आ. अर्जन/1952--यम: मुम्मे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान है तथा जो सोजत में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वांछित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आनन्द प्रकाश
पुत्र श्री किशन लाल जोशी,
निरीक्षक,
एनफोर्समेंट,
सिवाना,
जिला बाड़मेर।

(अन्तरक)

(2) श्री भागमल
पुत्र श्री कृष्णमल कोठारी,
निवासी बड़ा गुड़ा,
तह. सोजत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित मेन रोड, सोजत रोड जो उप पंजियक,
सोजत द्वारा दिसम्बर 82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ जयपुर

तारीख : 15-6-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

केंद्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1953—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो सोजत में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री गुलाम मुस्तफा
पुत्र श्री मोहम्मद उमराव नरगोरी,
सोजत रोड,
जिला पाली।

(अंतरक)

(2) श्री हन्स राज
पुत्र श्री हीरानाल जोशी,
सोजत रोड,
जिला पाली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 1064 वर्गफुट, सोजत रोड, जो उप पंजिका,
सोजत द्वारा दिसम्बर, 1982 में पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 18-6-1983

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेशन सार्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1954—यस: मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि है तथा जो सोजत में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भंवरलाल मानकचन्द
द्वारा कैशरमल जीवणचन्द एण्ड सन्स,
सोजत सिटी,
जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री भूरा राम चिमनोजी,
द्वारा चतुरभुज,
सोजत सिटी,
जिला पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 2190 वर्ग गज, मोहरा, जो उप पीजियक,
सोजत द्वारा दिसम्बर, 1982 में पीजियक विक्रम पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ,

केंद्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सॉकिल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1955—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 48 है तथा जो पाली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अम्पालाल
पुत्र श्री मधराज ओसवाल,
धानमंडी,
पाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता
पत्नी श्री हजारामल,
लोधां कं बांस,
सोमनाथ मंदिर के पास,
पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 48, वीर दुर्गादास नगर, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा क्रम संख्या 2200 दिनांक 31 दिसंबर, 82 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 18-6-1983
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सिकल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./महा. आ. अर्जन/1956—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5
नवम्बर, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक
रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केशरीलाल
पुत्र श्री गणेशलाल भट्ट,
उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री डूंगर सिंह
पुत्र श्री देवीलाल सामर,
390, भूपालपुरा,
उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 5732 वर्गफुट सम्पत्ति रामजी की माड़ी, कालाजी
धोराजी के पास, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2321 दिनांक
5 नवम्बर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
में विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 5-11-1983
मोहन :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सर्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1879--यतः मूके,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 702 है तथा जो कोटा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कांटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें 'भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डा. एन. सी. अचानिया
पुत्र श्री सी. एन. अचानिया,
निजाम नगर
कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम
पुत्र श्री नन्दराम एवं
श्रीमती सावित्री
पत्नी श्री राधेश्याम,
श्रीमती कान्ता बाई
पत्नी श्री लक्ष्मण,
शोषिण सेक्टर,
कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 702, दावावाडी स्कीम, कोटा जो उप पंजीयक,
कोटा द्वारा क्रम संख्या 1376 दिनांक 16-10-1982 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू मार्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई, 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1859—गत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन तय देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा. कानमल भंसाली
पुत्र श्री गुमानमल भंसाली,
111/100 भट्ट जी की बाड़ी,
उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगल किशोर,
पन्ना निवासी,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1184 वर्गफुट जो भंसाली बिल्डिंग के पास, जालोरी गेट के सामने जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2484 दिनांक 20-10-82 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, ,
केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेशन् सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1858—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 20-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

16-166 GI/83

(1) डा. कानमल भंसाली
पुत्र श्री गुमानमल भंसाली,
111/100 भट्ट जी की बाड़ी,
उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अमरचन्द
पुत्र श्री अमृतलाल,
साइकिल मार्केट,
जोधपुर।
2. अंजू
पुत्री श्री भंवरलालजी फफोलिया,
निवासी गन्दा फलसा,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 966 वर्गफुट जो भंसाली बिल्डिंग के पास,
जालोरी गेट के सामने जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा
क्रम संख्या 2486 दिनांक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983

मोहर :

प्रकट जाहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज.,

केंद्रीय राजस्व भवन, स्टैन्यू सर्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1857--यतः मूझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अन्तर्गत अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रूपान्तरण में सूचित के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डा. कानमल भंसाली
पुत्र श्री गृहानमल भंसाली,
111/100 भट्ट जी की बाड़ी,
उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती शारदा
2. श्रीमती शीरा कंवर एवं
श्रीमती मंजू,
निवासी गिरदी कोट,
खंडाघर,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 240 वर्गफुट जो भंसाली बिल्डिंग जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2487 दिनांक 20-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज., जयपुर

तारीख : 17-5-1983
मोहर :

प्ररूप बाई. डी. एन. एन. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सर्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1856--यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य कारिस्थानों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के सिद्धांत के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) डा. कानमल भंसाली
पुत्र श्री गुमानमल भंसाली;
111/100 भट्ट जी की बाड़ी,
उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल नासयण एवं
श्रीमती भगवती,
गुलाब सागर,
साईकिल मार्केट,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्रवाई करा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में संपात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 78.26 वर्गफुट स्थित भंसाली बिल्डिंग जालोरी गेट जोधपुर के सामने जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2485 दिनांक 20-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज,
केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1833—यतः मूझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो बीकानेर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था छिपावे में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्रकला
पत्नी श्री सीतारामजी अग्रवाल,
रानी बाजार,
बीकानेर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता
पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र जीमा,
रानी बाजार,
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोशाम टाईप के चार कमरों की सम्पत्ति जो डाक बंगले के
सामने, रानी बाजार, बीकानेर में स्थित है और उप पंजीयक,
बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 1493 दिनांक 6-10-1982 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 11-5-1983

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1832—यतः मूझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो बीकानेर में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित सूच्येय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्रीमती चन्द्रकला
पत्नी श्री सीतारामजी अग्रवाल,
रानी बाजार,
बीकानेर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कन्वन औसा
पत्नी श्री सुरेश चन्द्र,
रानी बाजार,
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
प्रायः में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति, गोदाम टाईप के चार कमरों की स्थित
छाक बंगले के सामने, रानी बाजार, बीकानेर जो उप पञ्चयक
बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 1491 दिनांक 5-10-1982 पर
पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 11-5-1983
मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेट्यू सिकल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1829—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रफुल्ल चन्द्र घोषाल
पुत्र श्री हविवर चन्द्र घोषाल,
पांचवती,
जोधपुर

(अन्तरक)

(2) जगदीश चन्द सोनी
पुत्र श्री हजारीमलजी सोनी,
बोम्बे मोटर चौराहा,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 3640 वर्गफुट, पांचवती के पास, नहरू नगर,
रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2387 दिनांक 14-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 10-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैंड्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1828--यस: मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो पाली में स्थित है (और
इससे उपावध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान चन्द
पुत्र श्री पुरराज भण्डारी,
पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री फूल चन्द
पुत्र श्री राय चन्द भण्डारी,
नेहरू नगर,
पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान, नेहरू नगर, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा
क्रम संख्या 1665 दिनांक 30-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-5-1983
मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1825—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 225 है तथा जो जयपुर में,
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
का से अतिरिक्त नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री स्वरूप सिंह वेद्य
राजपूत निवासी भेर तह. शिवगंज।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण सिंह पुत्र श्री हरीनारायण निवासी
सरदारपुरा उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 225, स्थित सरदारपुरा, उदयपुर जो उप
पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2158 दिनांक 5
अक्टूबर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1883—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 43/3 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-166GI/83

1. श्रीमती कृष्णा गोयल पत्नी श्री आत्माराम गोयल,
जीवन बिहार कालोनी,
अजमेर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेशचन्द्र पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीलाल जेठानन्द,
निवासी अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि मंजूरिंग 43/3 स्थित सिविल लाइन्स, अजमेर जो
उप पंजीयक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या 3617 दिनांक
18-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यु सिकल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

आदेश संस्था राज./सहा. आ. अर्जुन/1900—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्यावर में प्लाट है तथा जो ब्यावर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16
अक्टूबर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तर्गत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया भू या किया जाता चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रभुदयाल शर्मा पुत्र
पंडित गोरधनलाल शर्मा,
प्रतापनगर,
गली नं. 4,
मकान नं. 23ए,
टाटगढ़ रोड, ब्यावर।

(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ पुत्र
श्री बिरदजी आगड़ा ब्राह्मण,
श्री लावूराम पुत्र
महादेव पुत्र ब्यालजी
निवासी प्रतापनगर, ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड स्थित प्यारेलाल बगीची, सेन्डडा रोड,
ब्यावर जो उप पंजीयक ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1882 दिनांक
16-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख : 7-6-1983
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती शान्ती देवी मकाभा पति
श्री कन्हैयालाल जैन
निवासी गिबसन होटल मार्ग,
व्यावर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू मार्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1901—यतः मुझे,
माहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. बूकान है तथा जो व्यावर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21 अक्टूबर, 82
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती पानी आई पति
श्री धर्माचन्द मसाली
निवासी ग्राम व पोस्ट गिरा
जिला पाली ।

(अन्तरिती)

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू
करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान स्थित पानी बाजार, व्यावर (नं. 5/165) जो
उप पंजियक, व्यावर द्वारा क्रम संख्या 1938 दिनांक 21
अक्टूबर, 82 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

माहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 7-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1902—यतः भूमे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, जैसे कि—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधरख पुत्र
श्री तुलसारामजी जाट
एवं राम निवास,
पुत्र शिवदान सिंह जी
निवास जोधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री हेमन्त कुमार पुत्र
श्री वेंपा रामजी जाट,
अग्रवाल कालोनी,
जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 7, स्थित रसनाडा, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2591 दिनांक
29-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आवेदन संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1903—यतः मूके,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक ढा से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामरत्न पुत्र
श्री तुलसारामजी जाट
एवं राम निवास,
पुत्र शिवदान सिंह जी
निवास जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री शिवराम पुत्र
श्री बिरभा राम,
शिव राड,
रातानाडा,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 6, स्थित रातानाडा, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2590 दिनांक
29-10-82 पर पंजीबद्ध विधायक पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सिकल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1904---यतः सूक्त, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम निवास,
पुत्र श्री शिवदान सिंह जी
निवास जीधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री पुन्ना लाल पुत्र
श्री राख,
साधिन,
बिलाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 5, पार्स एफ, स्थित रतनाडा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2612 दिनांक 30-10-82 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरीणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यु सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आवेष संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1905—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राम निवास,
पुत्र श्री शिववान सिंह
एवं श्रीमती बालकी देवी पत्नि
श्री देवराम सागटा सह. भिलाड़ा
जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला चौधरी पत्नि
श्री राजेन्द्र सिंह,
कमलेश भवन,
शिव रोड,
रातानाडा,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 4, पार्ट एफ, स्थित रातानाडा, जोधपुर जो उप
पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2611 दिनांक 30-10-
82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1907—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, राजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-10-1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
आवश्यकता का से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामरत्न पुत्र
श्री तुलसाराज जी जाट
एवं राम निवास,
पुत्र श्री शिवदान सिंह जी
निवास जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री नाथूराम पुत्र
श्री बनाराम,
किशन फिलिंग स्टेशन,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2, स्थित रतनाज एरिया, सर्किट हाउस रोड,
जोधपुर जा उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2589
दिनांक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1908--यतः मूझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर
82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-166 GI/83

1. श्री देवी सिंह पुत्र
श्री सगत सिंह कर्ता
एच. यू. एफ. एवं मस्तयार आफ,
संगीता कुमारी,
निवारी ए-6/7 कृष्ण नगर,
गांधी नगर मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार अग्रवाल पुत्र
श्री रामचन्द्र अग्रवाल
द्वारा मैसर्स कृष्णा स्पोर्ट्स,
स्टेशन रोड,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 533 वर्ग गज स्थित सगत निवास के पास, ओल्ड पाली
रोड, रतनाबा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम
संख्या 2474 अक्टूबर, 82 में पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रमुख भाग-डी.एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1909—यत् मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-10-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरीति) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी सिंह पुत्र
श्री सगत सिंह कर्ता
पी.ए.ओ. आफ लेखा कुमारी
पुत्री श्री देवी सिंह,
निवासी ए-6/7 कृष्ण नगर,
गांधी नगर मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धान्य पति
श्री देवाराम एवं
श्री रघुवीर सिंह पुत्र
श्री पूरण सिंह
रातानाडा,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास के पास, ओल्ड
पाली रोड, रतनाडा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा
क्रम संख्या 2580 दिनांक 29-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर

प्रकृप धार्मिक डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1910—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी सिंह पुत्र
श्री सगत सिंह कर्ता
एच. यू. एफ.
निवासी ए-6/7 कृष्णा नगर,
गांधी नगर मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता पुत्र
श्री बंगाली लाल,
निर्माण भवन,
नई सड़क,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्ताजरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 533 वर्ग फुट स्थित सगत निवास के पास, पुराना
पाली रोड, रतनाडा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा
क्रम संख्या 2579 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आसक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आवेष्ट संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1911--यतः मूर्ते,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री देवी सिंह पुत्र
श्री सगत सिंह कर्ता,
एच. यू. एफ. जी. पी. ए. लेखाकर्मारी
ए-6/7 कृष्णा नगर,
गांधी मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जैठा सिंह पुत्र
श्री नाथूराम टाक एवं
श्री हरि चन्द पुत्र
श्री भगताराम पाटनर
आफ टाक स्टूडियो
रातानाडा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास, ओल्ड पाली रोड,
रातानाडा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2457 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आवेष संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1912—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी सिंह पृत्र
श्री सगत सिंह
एच. यू. एफ. कर्ता,
कृष्णा मार्ग,
गांधीनगर मार्ग के सामने, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान टोबाणी पृत्र
श्री तुल्लूमल सिधी,
एजेंट आफ निर्मा साबून,
बन्टाधर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास, ओल्ड पाली रोड,
रातानाडा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2456 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

आदेश सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1913—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर कानूवल भंसाली पुत्र
श्री गुमानमलजी भंसाली,
बिल्डिंग, फर्नीचर का स्थान,
जोधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द लाल पुत्र
श्री राम प्रसाद,
पन्ना निवास,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'पन्ना निवास' जोधपुर नामक सम्पत्ति का भाग जो उप पंजी-
यक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2425 दिनांक 11 अक्टूबर,
1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-
रित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1914—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रकान सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित
है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कानमल भंसाली पुत्र श्री गुमानमलजी भंसाली,
भंसाली बिल्डिंग शनीश्चरजीका थान, जोधपुर।
(अन्तरक)

2. श्री भगवती प्रसाद पुत्र श्री अमृतलाल एवं श्रीमती
हरप्यारी साहूकिल मार्केट, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'पन्ना निवास' नामक सम्पत्ति में भाग जो उप पंजीयक,
जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2423 दिनांक 16 अक्टूबर, 82 में
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1915—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि युथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कानमल भंसाली पुत्र श्री गुमान मल, भंसाली
भवन, शनीश्चर का थान, जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्री कमल नारायण पुत्र श्री अमृत लाल जी, साहिकल
माकौट जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

'पन्ना निवास' जोधपुर का भाग जो उप पंजीयक,
जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2423 दिनांक 16 अक्टूबर, 82 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1917—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
19—166GI/83

1. श्रीमती आशा सूष पत्नी श्री के. डी. सूव एवं श्रीमती किरण बालिया पत्नी श्री कंचन प्रभाकर, कुमारी पूनम सहगल एवं दिव्या सूद पुत्रियां के. डी. सूद 1258, सेक्टर 34 सी, चन्डीगढ़ (हरियाणा)।
(अन्तरक)

2. श्री पारसराज सिंघवी पुत्र स्वर्गीय देवराज सिंघवी निवासी कुबूतरों का बाक, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1000 वर्गगज स्थित 200, पावटा, लक्ष्मीनगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2512 दिनांक 21 अक्टूबर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती रिमता चौहान पत्नी श्री दलजीत सिंह,
लक्ष्मीनगर, जोधपुर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती शान्तीदेवी पत्नी श्री नथमलजी पोरवाल,
परिमल मुन्दली स्ट्रीट, मद्रास।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1918—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 384 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-10-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना-बोझित धन, विधानों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 384, लक्ष्मीनगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोध-
पुर द्वारा क्रम संख्या 2505 दिनांक 21 अक्टूबर 82 पर
पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
सांहर :

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1919—यतः मुझे,

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री पदम सिंह पुत्र श्री उग्रम सिंह ग्राम खड़ी भगत-
सानी, जोधपुर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमि-
टेड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

14 बीघा 3 बिस्वा कृषि भूमि स्थित खड़ी भगतसानी, जोध-
पुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2365 दिनांक
13 अक्टूबर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1920—यंतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शशी कुमार पुत्र श्री इन्द्र नारायण गुप्ता,
जालोरी गेट के अन्दर, जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती लाली पत्नी श्री लादू राम द्वारा मैसर्स
लादूराम मगराज आईल मिल, जालोरी गेट के
अन्दर, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति बालवाड़ी स्कूल के पास, जालोरी गेट के अंदर
जोधपुर ब्लाक ए जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
2570 दिनांक 23 अक्टूबर, 82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1921---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्टूबर 1982

को पेशकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर अधिनियम 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः [यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-करण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

1. श्री शशी कुमार पुत्र श्री इन्द्र नारायण गुस्तू, जालोरी गेट के अन्दर, जोधपुर। (अन्तरक)
2. श्री बाबूलाल पुत्र श्री आसलाल द्वारा आसलाल ट्रीडिंग कम्पनी सिंवाची गेट, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सुपरीक्षण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बालबाड़ी स्कूल के पास, जालोरी गेट के अन्दर, ब्लॉक बी, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2568 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहन

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1922--यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12 ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पट्टा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मधेराम कल्ला पुत्र फतेहराम कल्ला जी. पी. ए.
आफ सरलागुप्ता पत्नि श्री हरीप्रसाद, जोधपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमति कान्ता गर्ग पत्नि श्री एम. एल. गर्ग,
एडवोकेट, पावटा, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं. 12-ए, पावटा, जालिम विलास के बाहर,
जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं. 2501 दिनांक
20-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1924--यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 12/2 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरला गुप्ता पत्नी श्री हरी प्रसाद जी. पी. ए.
मेघराज कल्ला, जोधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री मुन्नीलाल गर्ग पुत्र श्री पन्नालाल जी गर्ग, 12,
जालिम विलास, पावटा, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं. 12/2 स्थित पावटा, जालिम विलास,
जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2500
दिनांक 20 अक्टूबर 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1925—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29
अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिफल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामरतन सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह निवासी
307, शास्त्रीनगर जोधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश पति श्री राम रतन द्वारा श्रीराम-
भवन, दिल्लीला की चक्की के पास, पाल रोड,
जोधपुर ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित 179, मसूरिया, पाल रोड, जोधपुर
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2586 दिनांक
29-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

अरूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./महा. आ. अर्जन/1929---यतः मूकें, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें हस्ताक्षरित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो गंगापुरसिटी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंगापुरसिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) ऐसी किसी बात या किसी धन या धन प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—
20—166GI/83

1. श्रीमती कमल पतिन श्री दाउदयाल निवासी उदयकला (अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल पुत्र बृजमोहन महाजन आफनेरोली श्री अजय कुमार पुत्र किलोरोलाल महाजन आफ उदयकला एवं श्री श्यामलाल पुत्र केदारलाल खंडेलवाल नि. गंगापुरसिटी।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6.17 बीघा खसरा नं. 2598 उदयकला जो उप पंजिका, गंगापुर सिटी द्वारा दिनांक 30-10-82 को पंजिकबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1931---यत मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशनराम पुत्र श्री चतुर राम नाई, चक 5 ई
छोटी तह. श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

2. सार्वजनिक गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित चक 3 ई छोटी, चक 6 ई छोटी
के सामने, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम
संख्या 1948 दिनांक 8 अक्टूबर 1982 पर पंजियक विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेड्यू सैकिल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आवेष संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1932—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित
है, (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं. है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरज राम पुत्र
श्री चतुर राम
निवासी चक नं. 5 ई छोटी,
तह. श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

2. सार्वजनिक गृह निर्माण
सहकारी समिति लिमिटेड,
श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित चक 3 ई छोटी, चक नं. 6-ई
छोटी के सामने श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 1949 दिनांक
8-10-82 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सिकल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1933—यतः मूझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 259 है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्टूबर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मीना लालवानी पति श्री होलारामजी लालवानी निवासी रेतवाली, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्री होलाराम लालवानी पुत्र श्री-सत्तनभल लालवानी निवासी रेतवाली, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 259, तलवंडी स्कीम, कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1363 दिनांक 16 अक्टूबर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहन :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1934--यतः सूभे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सूचना अधिकाधिक को, यह विश्वास करो
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है, (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन, 16 अक्टूबर,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री बिसन दाम पुत्र
श्री जस्ता राम,
श्रीमती कौशल्या पत्नी
श्री रामगोपाल,
श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र
श्री बिसनवास, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्री गूलमोहम्मद अब्दुल बहीद,
400, एस. सी. कोटा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

यह सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो जो
अवधि अव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

2400 वर्गफुट जमीन, सोपिंग सेंटर कोटा जो उप पंजियक,
कोटा द्वारा क्रम संख्या 1388 दिनांक 16-10-82 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचन
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 13-6-1983
माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

1. श्री गणेशदास पूत्र श्री गुरुदत्तमल अरोड़ा, निवासी 33 बी बी तह. पदमपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आशा देवी पति श्री नथुराम अरोड़ा निवासी पदमपुर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1935--यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-ब्लाक है तथा जो पदमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ए-ब्लाक, पदमपुर में स्थित सम्पत्ति का एक तिहाई भाग जो उप पंजीयक, पदमपुर द्वारा क्रम संख्या 947 दिनांक 8-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुरतारीख : 13 जून, 1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1936—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-ब्लाक है तथा जो पदमपुर में स्थित है
(और इससे उपानब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 2—

1. श्री गणेशदास पुत्र श्री गुरुवत्तमल अरोड़ा, 33 एच.
बी. तह. पदमपुर।

(अन्तरक)

2. श्री रामलाल पुत्र श्री उमी चन्द सोनी, पदमपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए-ब्लाक, पदमपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का एक तिहाई
हिस्सा जो उप पंजीयक, पदमपुर द्वारा क्रम संख्या 948
दिनांक 8-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरीणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, जयपुर

तारीख : 13 जून 1983
मोहर ३

प्रकृत बाई. टी. एन्. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. राज./सहा. आ. अर्जन/1937—यतः मूझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए ब्लॉक है तथा जो पदमपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पदमपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गणेशदास पुत्र श्री गुरुवत्तमल अरोड़ा, 33 एम्.
बी. तह. पदमपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री विजेन्द्र सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह निवासी पदमपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लॉक ए, पदमपुर मंडी में स्थित सम्पत्ति का एक तिहाई
हिस्सा जो उप पंजीयक, पदमपुर द्वारा क्रम संख्या 946 दिनांक
8-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रमुख प्राध. टी. इन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. राज./सहा. आ. अर्जन/1940—यतः मुझे, मोहन सिंह,

अ. र. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लॉट है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या भन्म प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

21—166GI/83

1. श्री सुरेश पुत्र श्री रामलाल सेनारिया, मंदड़ी पानेरिया, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कमल कुमार पुत्र श्री भेरुलाल पोरवाल एवं रूपलाल पुत्र मीठा लाल पोरवाल, फूटा दरवाजा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अर्थात् 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित मंदड़ी पानेरिया, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 22 25 दिनांक 13-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रथम बाह्य. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 5 जो जोधपुर में स्थित है (और
इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21
अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सीवराज पुत्र श्री गोरीमल जी साकिन राणी
जिला बाहमोर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तीज कंवर पतिन जीतमल, नयी सड़क,
जोधपुर, जनता स्वीट होम, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 5 का आधा भाग, उमदेपुरा (मोहनपुरा) जोधपुर जो
उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2518 दिनांक 21
अक्तूबर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश नं. राज./सहा. आ. अर्जन/1944--यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 5 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीरराज पुत्र श्री गोरीमलजी साकिन राणी तह. सिवाना जिला जालौर ।

(अन्तरक)

2. श्री जेठमल पुत्र श्री सुआ लाल जी अयरवाल नि. नई सड़क, जोधपुर द्वारा जन्ता स्वीट होम, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 5 का आधा भाग, उमरेपुरा (मोहनपुरा) जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2519 दिनांक 21-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 13 जून 1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

1. श्री बालचन्द्र शर्मा एवं श्रीमती रामकिशोरी देवी
पत्नी श्री बालचन्द्र ए-4, सेन कालोनी, जयपुर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मोहम्मद गुलाम, सादिक, उमर, युनूस, शरीफ
ए-4 पावरहाउस रोड, सेन कालोनी, जयपुर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं. राज./सहा. आ. अर्जन/1945—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15
अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 4, स्थित पावर हाउस रोड, सेन कालोनी, जयपुर
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2641 दिनांक 15
अक्टूबर, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृतरूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13 जून 1983
मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1946—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विजय सिंह
पुत्र स्वर्गीय श्री राम सिंह,
हवेली चन्द्रावतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रावन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड,
मकान नं. 2305,
हवेली चन्द्रावतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, धी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप
पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2658 दिनांक
15-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

भाषकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1947—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उत्सव कंवर
पत्नी स्व. राम सिंह,
हवेली चन्द्रावतान,
भी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड,
मकान नं. 2305,
हवेली चन्द्रावतान,
भी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, भी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2658 दिनांक 15-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहन

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1948—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-10-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय सिंह
पुत्र स्वर्गीय श्री राम सिंह,
हवेली चन्द्रावतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
मकान नं. 2305,
हवेली चन्द्रावतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, धी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप
पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2659 दिनांक
15-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1949---यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी इन्दू कंवर
पुत्र श्री राम सिंह,
हवेली चन्द्रायतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड,
मकान नं. 2305,
हवेली चन्द्रायतान,
धी वालों का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, धी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप
पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2660 दिनांक
15-10-82 पर पंजीबद्ध दिवस पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1957—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—166 GI/83

1. श्री उम्मेद सिंह पुत्र श्री नानू सिंह ग्राम धानकिया,
सरदारपुरा, तह. आमर
(अन्तरक)

2. श्री भंवर सिंह, विजय सिंह,
हरी सिंह, भवानी सिंह पुत्रान
श्री मान सिंह, कवीन्स राज,
जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 13 बीघा 1 बिस्वा खसरा नं. 450 स्थित ग्राम धान-किया जो उप पंजीयक 2598 दिनांक 8 अक्टूबर, 82 पर पंजी-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर :

प्रकृ. भाई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1958—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. ए-1-बी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुशील कुमार राजवान पुत्र श्री मोहन लाल राजदान, उगमपथ
बनीपाक
जयपुर

(अन्तरक)

2. कुमारी श्याम कुमारी बली पुत्री श्याम मोहन कृष्ण बली, व्याख्याता महाराजा कालेज,
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-1-बी, एस.एम.एस. हाईवे एक्स्टेंशन स्कैम, बजाज नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2817 दिनांक 22-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

मोहर :
तारीख : 15-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एड. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1959—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ए-30 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धुव्यतिरात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचना को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बंसीधर पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद बंसेलवाल,
ए-30, सेन कालोनी पावर हाउस, रोड,
जयपुर (अन्तरक)

2. श्री भंवर लाल, श्री सीता राम,
श्री राम प्रसाद, विजय
पुत्रान श्री जगदीश प्रसाद सेन कालोनी,
जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-30, सेन कालोनी, पावर हाउस रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2807 दिनांक 22-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में जोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

मोहर :
तारीख 15-6-1983

प्रारूप. आई. टी. एन. एस. ----

1. श्री रामला उर्फ राम सुन्दर पुत्र श्री गोविन्द
नि. सिरसी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर2. श्री राम सिंह पुत्र शिवराम सिंह,
49, गोपाल बाड़ी,
जयपुर
महीपाल सिंह पुत्र श्री मोहकम सिंह,
61 गोपाल बाड़ी,
जयपुर

(अन्तरीक्षी)

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1960—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8 अक्टूबर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित हो गई है और पुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) इसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी छाशेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 बीघा 12 बिस्वा स्थित ग्राम सिरसा जो उप पंजियक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2540 दिनांक 8-10-82 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुरमोहर :
तारीख 15-6-1983

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1961—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22 अक्टूबर 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कमलेश कुमारी पति ठकुर कमर सिंह जी
मकान नं. 911 बंगरुवालों का रास्ता,
जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री सुमन्त कुमार पुत्र श्री राजेश गुप्ता,
बी-22, शिवमार्ग, बनी पार्क,
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित सीताराम पुरा, चोमू रोड, जयपुर जो उप पंजी-
यक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2674 दिनांक 22-10-82
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में जोर विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्रकट आह. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1962—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो सांगानेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी अव की वास्तविकता; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गणेश, भाणक चन्द, नारायण, छोटू, गोपाल (नाबालिग) सीता राम (नाबालिग) पुत्र श्री गोविन्द अहीर निवासी ग्राम राम चन्द्र पुरा, पंचायत महापुरा

(अन्तरक)

2. श्री विक्रमावित्त्य ट्रस्ट द्वारा श्रीमती उषा गोलेछा पति श्री सुरेन्द्र कुमार गोलेछा श्रीमती आशा पति श्री राजेन्द्र कुमार गोलेछा, सी-83, पृथ्वीराज रोड, जयपुर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बीघा 2 बिस्वा स्थित ग्राम सारणपुरा तह. सांगानेर जो उप पंजीयक सांगानेर द्वारा क्रम संख्या 683 दिनांक 29-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्रत्यक्ष प्रारम्भ, जयपुर, जयपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1963---यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 5 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बावित्त में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री उदय राम चौधरी पुत्र श्री जेठाराम चौधरी,
बी-19, सेठी कालोनी
जयपुर

(अन्तर्गत)

2. श्रीमति उषा देवी पति श्री ज्ञान चन्द्र जी म्हा,
दुकान नं. 5, अर्जुन लाल सेठी कालोनी,
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 5, अर्जुन लाल सेठी कालोनी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2496 दिनांक 8 अक्टूबर 82 पर पंजियवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन राज, जयपुर

तारीख : 16-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1964—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 25 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशनगोपाल खंडेलवाल पुत्र श्री रामकिशन खंडेलवाल 3/15 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

2. श्री मोहनलाल धमाणी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण धमाणी ए-49, जनता कालोनी, जयपुर।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 25, जनता कालोनी, जयपुर जो उप पंजीयक; जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2772 दिनांक 22-10-82 पर पंजी-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1965--यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आवासीय प्लॉट है तथा जो उदयपुर में स्थित
है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12
अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23-166 GI/83

1. श्री हनवन्त सिंह पुत्र श्री चिमन सिंह,
ग्राम-सीमेल, तह. बाली,
जिला-पाली

(अन्तरक)

2. श्रीमती हेमा कुमारी पति श्री राज सिंह
ग्राम जसवाडी
वाया खन्डवा, एम. पी. ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवासीय प्लॉट स्थित सहली मार्ग, खन्डलोक हॉटल, उदय-
पुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2192 दिनांक
12-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

मोहन सिंह
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1966—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 6 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 अक्टू-
बर 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदार्थ
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जमाियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु ऐसे सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, है उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोपीचन्द्र पुत्र श्री तारा चन्द पुत्र
श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री तारा चन्द
हल्दियों का रास्ता,
जयपुर ।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद सबीर, अब्दुलीश,
मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद जाकिर
मोहम्मद साकी नाबालिग और सरक्षण बलकूनिश,
दुकान नं. 6 कमला नेहरू मार्केट,
जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त हस्ताक्षरों के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित है, वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 6 स्थित कमला नेहरू मार्केट, जयपुर जो उप
पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2593 दिनांक 8 अक्टूबर,
82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 16-6-1983

मोहर :

प्रकाश आह. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1967—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं. दुकान नं. 16 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक वं हुई किसी काम की वास्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उक्त करने में सुविधा के निवे;
और या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री भारीमल पुत्र श्री सासधन्व पुत्र श्री पारस राम
पुत्र श्री संगत राम सिंधी,
हृत्विषों का रास्ता,
जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री नूर मोहम्मद पुत्र श्री हंमदुल्ला खां
दुकान नं. 16, नेहरू बाजार,
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि
बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 16, कमला नेहरू मार्केट, जयपुर जो उप पंजीयक
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2661 दिनांक 15 अक्टूबर, 82 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विधरीणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 16-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1968—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्टूबर 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बृधन राम, भीरी लाल, भवन लाल
पुत्रान श्री हीरा लाल
घांसियों का बास,
जोधपुर

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवभारत गृह निर्माण सहकारी समिति
लिमिटेड,
जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 20 बीघा 10 बिस्वा स्थित बासानी चोबारा, जोधपुर जो उप पंजीयक द्वारा क्रम संख्या 2466 दिनांक 18-10-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 15-6-1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जयपुर

जयपुर दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन/1969—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18
अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय धारा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनाराम, पुष्पा राम, मोहनलाल पुष्पा श्री मनी
चन्द भाभी भाषियों का बास, जोधपुर ।
(अन्तरक)

2. मैसर्स नवभारत गृह निर्माण सहकारी समिति
लिमिटेड जोधपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

भूमि 20 बीघा 10 बिस्वा स्थित बासानी चोहाडा, जोधपुर
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2470 दिनांक
18-10-1982 पर पंजीबद्ध दिवस पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख 17 जून 1983
मोहर B

उक्त आर्.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन/1970--यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. नोंहरा है तथा जो बून्दी में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बून्दी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
भावित्व में क्या कमी या कमियां अन्तरण के अन्तर्गत
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला बाई पत्नी श्री साकूमल द्वारा गाणेश
ओयलमल रानीजी की बावड़ी, बून्दी। (अन्तरक)

2. श्री उधवदास पुत्र श्री ओटन दास द्वारा रोहिडा
इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रीयल एरिया, कोटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

नोंहरा, रामजी की बावड़ी के पास बून्दी का चौधार्ड भाग जो
उत्त पंजियक, बून्दी द्वारा क्रम संख्या 1615 दिनांक 31
अक्तूबर, 1982 5र पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
मोहर :

प्ररूप. आर्. टी. एन. एस. -----

1. श्री लोकमल पुत्र ओटमदास द्वारा गणेश चार्जल गिना, समी श्री श्री गिनी, बन्दी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सामनदास पुत्र श्री ओटमदास द्वारा प्रकाश जनरल इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, कांटा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1971—यतः मूझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. नोहरा है तथा जो बन्दी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बन्दी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्टूबर 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोहरा का एक चौथाई भाग, समी की बाबडी, बन्दी जो उप पीछयक, बन्दी द्वारा क्रम संख्या 1614 दिनांक 30 अक्टूबर, 1982 पर पीछयक विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. राज./महा आ. अर्जन/1972--यतः मूझे, मंगहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो रामगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्टू-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि-बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री कैवल कुमार पुत्र श्री मोहन लाल, गोलेटा, तह. रामगढ़ ।
(अन्तरक)

2. मैसर्स आर. बी. टेल्लानीमल चैरीटबल ट्रस्ट, रजि-स्टर्ड आफिस, मोदीनगर, यू. पी. ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा तह. रामगढ़ जिला अन्वर जो उप पंजिक रामगढ़ द्वारा क्रम संख्या 1243 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिकबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री बलदेव राज धवन पुत्र श्री मोहन लाल तह. रामगढ़ जिला अलवर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स आर. बी. मूलतानीमल चैरीटबल ट्रस्ट, रजिस्टर्ड आफिस मोदीनगर, यू. पी. ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन/1973—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगणों, अर्थात् :—

24—166 GI/83

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा तह. रामगढ़ जिला अलवर जो उप पंजीयक, रामगढ़ द्वारा क्रम संख्या 1248 दिनांक 23-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुरतारीख : 17 जून 1983
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निदेश सं. राज./सहा आ. अर्जन/1974—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23
अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार पुत्र श्री मोहन लाल गोलेटा सह.
रामगढ़ जिला अलवर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर. बी. मूलतानीमल चैरीटेबल ट्रस्ट रजि-
स्टर्ड आफिस मोदी नगर (यू. पी.) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण 2—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अन्तर्णी

भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा सह. रामगढ़ जिला
अलवर जो उप पंजियक अलवर द्वारा क्रम संख्या 1248 दिनांक
23-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
साहूर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एड.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निर्वाह सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1975—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धलधर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री मोहन लाल पुत्र मंगल सेन निवासी रामगढ़ जिला
अलवर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर. बी. मूढहानीमल चैरिटेबल ट्रस्ट रजि-
स्टर्ड आफिस मोदीनगर, यू. पी. ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 2 बीधा 5 विस्वा स्थित ग्राम गोलटा, तह. रामगढ़
जिला अलवर जो उप पंजियक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 1247
दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विरुद्ध रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
माह : —

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1976—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय अलवर में रजिस्ट्रिकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्टूबर
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भूषण कुमार पुत्र श्री मोहनलाल गोलेटा तह.
रामगढ़ जिला अलवर ।
(अन्तरक)

2. आर. बी. मुल्तानीमल चैरीटबल ट्रस्ट, रजिस्टर्ड
आफिस मोदी नगर (उ. प्र.) ।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा तह. रामगढ़
जिला अलवर जो उप पंजीयक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 1244
दिनांक 23-10-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
यिस्तुत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st June 1983

No. A.35014/2/80-Admn.II(i).—In continuation of this office notification of even number dated 5th April, 1983 and 31st March, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate on the *ex-cadre* posts of Accounts Officers in the office of Union Public Service Commission on *ad-hoc* basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-6-1983 to 31-8-1983 or until further orders whichever is earlier.

S. No., Name & Designation

1. Shri Sudharshan Kumar, Section Officer (CSS Cadre)
2. Shri V. C. Kajla, Section Officer (CSS Cadre)
3. Shri A. K. Sharma, Section Officer (CSS Cadre).

2. The above named officers will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officers and their pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, O. M. No. F.1(11)-E-III(B)/75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

I. C. KAMBOJ,
Section Officer
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th June 1983

No. P.1990-Admn.III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Assistant Administrative Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation on foreign service terms in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri I. C. Kamboj, Section Officer of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon to 8th June 1983 with instructions to report for duty to Shri A. J. S. Sahney, Administrative Officer (General), D.E.S.U., Shakti Sadan, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

S. K. F. KUJUR,
Dy. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 23rd May 1983

No. A.11016/1/83-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Avasthy, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on *ad-hoc* basis with effect from 16-5-1983 to 8-7-1983 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th June 1983

No. A.32014/3/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on *ad hoc* basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period for which promoted
S/Shri		
1.	V. P. Kapal	9-5-83 to 8-8-83
2.	R. K. Gaur	9-6-83 to 8-9-83
3.	B. C. Gupta	9-6-83 to 8-9-83
4.	K. C. Sehgal	9-6-83 to 8-9-83
5.	Raj Kumar	25-5-83 to 2-8-83
6.	D. P. Arora	1-6-83 to 15-8-83
7.	Pramod Behari	3-5-83 to 8-7-83
8.	G. T. Ramnani	16-5-83 to 31-5-83 and 2-6-83 to 5-7-83
9.	Bhagwati Charan	28-5-83 to 10-6-83
10.	S. K. Bansal	29-5-83 to 10-6-83

The 20th June 1983

No. P-2008-Admn.III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Organisation and Methods Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation on foreign service terms in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri Mehar Singh, Section Officer of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon of 20th June, 1983 with instructions to report to Shri A. J. S. Sahney, Administrative Officer (General), D.E.S.U. Shakti Sadan, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

The 30th June 1983

No. A.38013/5/82-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri G. P. Bhatia, a permanent Assistant and Officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1983 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI,
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd July 1983

No. A-31016/2/83-AD.I (DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following persons substantively to the post of Office Superintendent in Central Bureau of Investigation with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of the Officer	Present Place of posting	Rank in which already permanent in CBI	Date from which appointed substantively to the post of O.S.
S/Shri				
1.	S. B. L. Sharma	AD. V Sec. (HO)	Cr. Asstt.	28-2-81
2.	S. L. Dutta	Zone-I(HO)	Cr. Asstt.	7-5-81
3.	O. P. Chitkara (HQ)	Policy Divn. (HO)	Cr. Asstt.	7-5-81
4.	S. K. Sharma	Central Zone (HO)	Cr. Asstt.	6-9-81
5.	Tilak Raj	Zone-II (HO)	Cr. Asstt.	6-9-81

The 4th July 1983

No. C-4/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri C. Sitaramamorthy Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 20th June, 1983.

No. V-15/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. A. Ramasharma, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C. B. I. with effect from the forenoon of 24th June, 1983.

No. A-1205/3/81-AD.V.(Part-5).—The President is pleased to appoint Shri Dulal Chandra Sarkar as Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 24th June, 1983.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer (E),
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C R P FORCE

New Delhi-110003, the 4th July 1983

No. O.II-1759/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 21st June, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI,
Asstt. Dir. (Estt.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th June 1983

No. E-38013(4)/12/83-Pers.—On attaining the age of superannuation, Shri Sarwan Singh relinquished charge of the post of Asstt. Comdt. (Junior Administrative Officer) North Zone, CISF, New Delhi, with effect from the afternoon of 31st May, 1983.

SURENDRA NATH,
Dir. Gen./CSIF.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st July 1983

No. 8FC2(11)-A/82.—Shri S. L. Mathur, Under Secretary of the Department of Revenue and on deputation as such in the Eighth Finance Commission retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1983, on attaining the age of superannuation.

Miss A. K. AHUJA,
Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 30th June 1983

FORM-I

No. I-189/1742/Admn/83.—Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, V. Ramamurti, Chief Accounts & Administrative Officer, hereby give notice to Shri R. N. Meher, Mali on Group 'D' Establishment, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published.

V. RAMAMURTI
Chief Accounts & Admn. Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 1st July 1983

No. Admn./O.O. No. 149.—The Director of Audit Central Revenues hereby appoints Shri Babu Ram an officiating "Audit Officer" of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-7-1983.

Mrs. PRAVIN TRIPATHI,
Joint Director of Administration

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN,

Jaipur, the 17th June 1983

No. Admn-II/G-Gaz. Notfn./170.—The Accountant General-I is pleased to promote Shri Dau Lal G. Mathur, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer w.e.f. 31-5-83(FN) until further orders.

M. S. SHEKHAWAT
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, SIKKIM

Gangtok, the 25th June 1983

No. Admn/PF/AO/PRR/1575.—Shri P. R. Rajagopalan Section Officer on deputation from the office of the Accountant General-I, Orissa, Bhubaneswar is appointed to officiate on deputation as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Sikkim, Gangtok with effect from the forenoon of 14th June, 1983.

M. S. PARTHASARATHY
Senior Deputy Accountant General.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 16th June 1983

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Mallick, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982 until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri S. Mallick, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of 19th February, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 18th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri R. B. Kapoor, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri R. B. Kapoor, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of 17th February, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 16th February 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service rendered in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the

purpose of seniority in level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Mehta, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri H. S. Mehta, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service initially for a period of six months from the forenoon of the 18th February, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 17th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service in the ad hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Venkataratnam, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad hoc appointment of Shri R. Venkataratnam, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of the 6th March, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982 and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 5th March, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The Service in the ad hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramanian an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad hoc appointment of Shri S. Venkatasubramanian, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (2500-125/2-2750) of that service, initially for a period of six months from the afternoon of 26th February, 1982 or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 25th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I), dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service rendered in the ad hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of the 8th December, 1982.

No. AN/I/1183/1/I—Reference this Department's notification No. AN/I/1403/4/II dated 12-3-82, 23-4-82, and 26-3-83 and No. AN/I/1183/1/I dated 30-12-82. The President is pleased to allow the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) on ad hoc basis for further period as noted against each :—

Sl. No.	Name	Date upto which extension has been allowed
S/Shri		
1.	J. N. Agarwal	31-05-83
2.	P. S. Swaminathan	30-04-83
3.	D. Krishnamurthy	30-06-83
4.	S. Bhageerathan	30-06-83
5.	Lachha Singh	30-06-83
6.	Lachman Das Gambhir	30-06-83
7.	Man Mohan Singh	30-06-83
8.	C. R. Mazumdar	30-06-83
9.	Shyamal Deb	30-06-83
10.	K. L. Makin	30-06-83
11.	C. Suryanarayana	30-06-83
12.	A. Janakiraman	30-06-83
13.	P. K. Saighal	30-06-83
14.	V. Sampath	30-06-83
15.	D. K. Kar	30-06-83

V. S. JAJA

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta-16, the 24th June 1983

No. 32/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. P. Bhattacharyya, Offg. DDGOF Level-I retired from service w.e.f. 31st May, 1983 AN.

V. K. MEHTA
Director

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
New Delhi, the 2nd July 1983
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 5/3/81/ADMN (G).—The President is pleased to appoint the following ACCI&E in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade II of the Central Trade Service, with effect from the dates noted against each, until further orders:—

Sl. No.	Name of the Officer	Date of appointment
1	2	3
S/Shri		
1.	Om Prakash	28-1-83
2.	J. P. Sharma	"
3.	P. K. Mukherjee	"
4.	S. Narasimhan	12-5-83(AN)

1	2	3
S/Shri		
5. G.R. Nair	.	28-1-83
6. J. M. Banerjee	.	"
7. S. Mukherjee	.	"
8. A. Thukkaram	.	"
9. R. Selvaraj	.	"
10. R.K. Jaiswal	.	"
11. S. L. Chohan	.	"
12. C.G. Fernandez	.	"
13. G.B. Srivastava	.	"
14. H. P. Das	.	"
15. D.S. Narasimiah	.	"
16. S.K. Dutta	.	"
17. K.V. Sharma	.	"
18. S. P. Dhupar	.	"
19. Shafaat Ahmed	.	"
20. E. Nongrum	.	"
21. N.S. Srivastava	.	"
22. K.C. Das	.	"

V. K. MEHTA

Deputy Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 1st July 1983

No. 18(1)83-CLB.II/6—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (d) of clause 2 of the Woollen Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16(2)66-CLB. II/B dated the 6th December, 1967.

In the table appended to the said Notification against serial number 7 the existing entries under columns (1), (2) and (3) shall be substituted by the following entries namely :—

S. No.	1	2	3
"7(i)	Commissioner, Food & Supplies		
(ii)	Deputy Commissioner, Food & Supplies.		
(iii)	Assistant Commissioner, Food & Supplies.		
(iv)	Food & Supplies Officer.		
(v)	Civil Supplies Officer.		
(vi)	Chief Inspector, Food & Supplies		
(vii)	Inspectors, Food and Supplies.		

Delhi

SURESH KUMAR

Additional Textile Commissioner.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 13th June 1983

No. 19001/29/83-DCH/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Datta, I.A.S. (Assam : 1967) as Additional Development Commissioner (Handlooms) in the office of the Development Commissioner for Handlooms,

Ministry of Commerce, Department of Textiles, with effect from the forenoon of the 1st June 1983.

S. K. MISRA,

Development Commissioner (Handlooms)

New Delhi, the 17th June 1983

No. A-22012/1/82-Admn.II(A).—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri R. K. Kapoor Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Agartala under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the forenoon of 6th December, 1982.

The 22nd June 1983

No. A-12025(i)/3/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the afternoon of 28th March, 1983 and until further orders Shri Amrut Patel as Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers' Service Centre, Delhi.

No. A-12025(1)/3/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 2nd May, 1983 and until further orders Shri V. Canthanam as Assistant Director Grade-I (Design) in the Weavers' Service Centre, Cannanore.

P. K. DATTA

Addl. Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 21st June 1983

No. A.19018(639)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. K. Das as Asstt. Industrial Designer, at Small Industries Service Institute, Calcutta, with effect from the forenoon of 15-4-83 until further orders.

The 27th June 1983

No. A.19018(660)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. Sampath Kumar, SIPO (Chem.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi, as Asstt. Director (Gr. II) (Chem.) on Ad-hoc basis at the same Office with effect from the forenoon of 6-6-1983.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

ADMN. SECTION A-6

New Delhi-110001, the 30th June 1983

No. A6/247(486)/73-IJ.—The President is pleased to appoint Shri S. Nagarajan, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the Madras Inspection Circle of Directorate General of Supplies and Disposals as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on ad-hoc basis in the Calcutta Inspection Circle with effect from the forenoon of 30th May, 1983 for a period of six months.

2. Shri Nagarajan relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) on 16-05-1983 (AN) at Madras and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) at Calcutta on the (forenoon) of 30-05-1983.

No. A-6/247(380)/78-IV.—The President is pleased to appoint Shri U. R. Majumder, Inspecting Officer (Engineering) Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 11-05-1983 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri U. R. Majumder is also subject to final decision on the three L.P.As Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri U. R. Majumder will not bestow on him any right or claim for regular appointment and *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri U. R. Majumder relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 07-05-1983 and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engineering) at Kulti under the office of Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 11th May, 1983.

S. L. KAPOOR
Dy. Dir. (Admn.)

For Dir. Gnl. Supplies & Disposals

ADMINISTRATION SECTION A-1

New Delhi-1, the 30th June 1983

No. A-1/1(722).—Shri S. N. Suri, Permanent J.F.O. and Officiating Assistant Director (S) (Gr. VI) in the Dte General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30-6-83 on attaining the age of superannuation.

S. BALASUBRAMANIAN
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 29th June 1983

No. 5578B/A-19012(1-RKU)/82/19A.—Shri Rajendra Kumar Upadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14-4-1983 until further orders.

No. 5591B/A-19012(1-AKS)/19A.—Shri Abboy Kumar Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7-5-83, until further orders.

No. 5604B/A-19012(1-NIG)/82/19A.—Shri Niranjan Lal Gera is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-4-1983, until further orders.

The 30th June 1983

No. 5691B/A-19011(1-BVR)/81/19A.—Dr. B. V. Rao, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 15-3-82 (AN).

No. 5702B/A-19011(1-SSR)/81/19A.—Dr. S. S. Ray, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 26-7-82 (A.N.).

25—166GI/83

The 1st July 1983

No. 5716B/A-19011(1-HB)/81/19A.—Dr. H. Banerjee, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 30-10-82 (AN).

No. 5726B/A-32013/1-Dir.(Geol.)/83/19A.—The President is pleased to appoint Shri V. D. Mahajan, Geologist (Sr.) Geological Survey of India on promotion as Director (Geol.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-4-83 until further orders.

The 2nd July 1983

No. 5798B/A-12014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint Smt. Sumitra Sen, Asstt. Geologist of the G.S.I. on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according to Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-5-83, until further orders.

No. 5784B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint Smt. Amala Maiti, Assistant Geologist of the Geological Survey of India on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according to Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-5-83 until further orders.

The 4th July 1983

No. 5812B/A-19012(1-JSM)/82/19A.—Shri Jagdish Singh Mehta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7-5-1983, until further orders.

No. 5825B/A-19012(MKC)/82/19A.—Shri M. K. Chatterjee is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25-5-83 until further orders.

No. 5837B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint the following Assistant Geologists of the Geological Survey of India on promotion as Geologist (Junior) in the same Department on pay according to Rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

1. Shri Subir Kumar Ghosh, 23-3-83 (F/N).
2. Shri R. G. Sinha, 2-4-83 (F/N).

No. 5855B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint Shri C. J. Kumanan, Asstt. Geologist of the G.S.I. on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according to Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-5-83 until further orders.

No. 5869B/A-32013(2-GJ)(I)/78/19B.—The President is pleased to appoint Shri Narayan Chandra Sarkar, Assistant Geophysicist (Insttn.), GSI on promotion to the post of Geophysicist (Jr.) (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from 7-1-83, until further orders.

S. K. MUKERJEE
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th June 1983

No. A-19012(174)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Chanan Ram,

Permanent Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 3rd June, 1983.

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 4th July 1983

No. 4(55)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Gautam Sengupta as Programme Executive, All India Radio, Siliguri in a temporary capacity with effect from 20th May, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 5th July 1983

No. 4(65)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Som Dutt Sharma as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from the 18th April, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(69)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Dinesh Chandra Sharma, as Programme Executive, All India Radio, Jodhpur in a temporary capacity with effect from the 6th June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(97)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Rajendra Nath Sarmah as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the 23rd May, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(98)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ravi Shanker as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 3rd June, 1983 and until further Orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(99)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Ragini Walke, as Programme Executive, All India Radio, Sangli in a temporary capacity with effect from the 3rd June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 28th June 1983

No. 12034/14/82-Estt.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri Harish Kumar Gupta, Grade 'C', Stenographer of CSSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting as Reporter (Hindi) in the Press Information Bureau at New Delhi on deputation and on *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from 21-6-1983.

T. S. SUNDARESWARAN
Asstt. Principal Information Officer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st July 1983

No. A.12025/23/81 (NTI)/Admn.I/T.B.—The Director General is pleased to appoint Dr. Vijayakumar Challu to the post of Veterinarian, at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of the 4th June, 1983 and until further orders.

Y. N. SHARMA
Dy. Director Administration (PH)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd July 1983

No. A.19023/5/83-A-III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Shaligram Shukla, Assistant Marketing Officer is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.e.f. forenoon of 6-6-83 until further orders.

On his appointment as Marketing Officer Shri Shaligram Shukla, relinquished the charge of the post of Assistant Marketing Officer at Patna in the afternoon of 4-4-83.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 23rd June 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Bindo Shamacharya Ashtaputre, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 2-5-1983 (FN) to 10-6-1983 (AN).

No. Ref. : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kedarnath Laxman Kotekar, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 2-5-1983 (FN) to 18-6-1983 (AN).

No. Ref. : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pdadhil Ramanunni Kidave, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 18-6-83 (AN).

The 24th June 1983

No. Ref. : S/4602.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sumir Pattoo as Station Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—800—EB—40—960 in this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-6-83 until further orders.

No. Ref. : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri T. K. Pushpangathan, Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 4-6-1983 (AN).

No. Ref. : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri G. Gopakumar Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 4-6-1983 (AN).

CORRIGENDUM

The 27th June 1983

No. PA/81(6)/83/R-IV.—The entries regarding promotion of Shri V. S. Kamath appearing at Sl. No. 35 of the Notification of even number dated May 30, 1983, are hereby deleted from the said Notification.

M. D. GADGIL
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 2nd July 1983

No. T/152/Estt.II/2777.—Shri Arthur Solomon Thomas relinquished charge of the post of Security Officer on 31-5-1983 (AN) consequent on superannuation.

R. L. BATRA
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 23rd June 1983

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm./21194.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sharad Keshav Nerurkar, a permanent UDC and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 16-5-1983 (FN), to 18-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri V. C. Varkey, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 2nd July 1983

Ref. No. DPS/2/1(11)/83-Adm./21812.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Gidwani, a permanent Storekeeper and *ad-hoc* Chief Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 1-6-83 (FN) to 31-8-83 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 27th June 1983

No. AMD/16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. K. Ghosh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an *ad-hoc* basis for a period of 31 days with effect from the forenoon of 11-5-1983 to 10-6-1983 vice Shri G. V. Ramana Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

The 2nd July 1983

No. AMD-1/31/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. Vijaya Gopal a temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 24, 1983 until further orders.

No. AMD-16/11/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. D. Choudhary a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer II in the same Division with effect from the forenoon of June 13, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 27th June 1983

No. 05052/Feb. 83/2150.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Mayadhar Samal, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb. 83/2151.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Raja Kishor Das, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb. 83/2152.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Khagendra Kumar Mohapatra, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project

(Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 28th June 1983

No. TAPS/1/18(1)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri T. K. Rajappan, a permanent Stenographer Grade-I and officiating Senior Stenographer to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960) on *ad-hoc* basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 19-5-1983 (FN) and upto 27-6-1983 (AN) vice Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-III on *ad-hoc* basis.

D. V. MARKALE
Administrative Officer-III

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 23rd June 1983

No. RRC/PF/3960/83/9061.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Saravanamuthu Chidambaram, a permanent Time Scale Clerk and officiating Junior Accounts Officer of the office of P & T Electrical Circle, Bombay, Ministry of Communications, P&T Board, as officiating Assistant Accounts Officer in the Reactor Research Centre, Kalpakkam on deputation with effect from the forenoon of June 8, 1983 until further orders.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st July 1983

No. A-38013/1/83-EA.—Shri N. D. Ghosh, Senior Aerodrome Officer of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta retired from Government Services on the 31st June, 1983 on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 25th June, 1983

No. A. 32013/2/83-EC.—The President is pleased to appoint the following 45 Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on a regular basis with effect from 5-5-1983 and until further orders :—

S. Name
No.

- S/Shri
1. S.K. Dass
2. O.P. Dixit
3. M.S. Sawhney
4. N.S. Sidhu
5. S.R. Padmanabhan
6. S. Ramaswami

S. No. Name

- S/Shri
7. P.A. Shastri
 8. K.B. Nanda
 9. R.V. Israni
 10. L.R. Goyal
 11. H.S. Bajwa
 12. M.G. Sudershan
 13. O. P. Bhalla
 14. A. Rajagopalan
 15. Mukhtiar Singh
 16. R. Ramamurthi
 17. M. Raghavan
 18. M.A. Rao
 19. Sarjit Singh
 20. M. P. Sama
 21. N.S. Apte
 22. K.C. Devgun
 23. A.K. Dey
 24. V.K. Sharma
 25. G.D. Kulkarni
 26. T.R. Menon
 27. Manohar Singh
 28. P.N. Nayyar
 29. H.C. Tiwari
 30. D.S. Gill
 31. P.V. Subramanian
 32. R.N. Dutt
 33. M.V. Dharbo
 34. H.S. Grewal
 35. P.K.K. Pillai
 36. J. K. Chopra
 37. H.S. Sarna
 38. V. P. Narang
 39. S.S. Nepali
 40. R. Vittal Singh
 41. P.C. Jain
 42. Harbhagwan
 43. T.D. Sharma
 44. P. K. Sengupta
 45. I. J. Sharma

H. L. KOHLI
Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th June 1983

No. 1/13/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Harbhajan Singh, Inspector, Central Reserve Police Force, as Security Officer, in New Delhi Branch, on deputation basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 1st December, 1982, until further orders.

No. 1/411/83-EST.—Shri J. M. D'Silva, permanent Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from Service, with effect from the afternoon of the 30th April, 1983, on attaining the age of superannuation.

No. 1/523/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. P. Selvaraj, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the periods from 12-12-82 to 25-1-83 and from 7-2-83 to 21-2-83 against short-term vacancies on *ad-hoc* basis, and as local arrangement.

The 30th June 1983

No. 1/8/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. J. Adsul Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Madras Branch, with effect from the forenoon of the 16th May, 1983, and until further orders.

No. 1/12/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. N. Mukhopadhyay, Tech. Assistant, Calcutta Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 1-2-1983 to 11-3-1983, against a short-term vacancy, on *ad-hoc* basis and as a local arrangement.

No. 1/186/83-EST.—Shri Balvinder Singh Matheru, temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 24th May, 1983.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 28th June 1983

C. No. II(7)2-ET/82/6521—The following confirmed/officiating Superintendent Group 'B'/Administrative Officer, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each:—

S. No.	Name of Officer	Designation	Date of superannuation
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Jai Ram Ram	Superintendent, Gr 'B'	30-6-82 (AN)
2.	N.N. Deva	Superintendent, Gr 'B'	30-6-82 (AN)
3.	R.K. Pathak	Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN)
4.	Lala Gopalji Sahai	Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN)
5.	S.N. Banerjee	Admn. Officer	31-7-82 (AN)
6.	Govind Sahu	Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN)
7.	Ganga Prasad	Superintendent, Gr 'B'	30-9-82 (AN)
8.	C.N. Bhagat	Superintendent, Gr 'B'	31-10-82 (AN)
9.	Laxmi Narain Singh	Superintendent, Gr 'B'	30-11-82 (AN)
10.	S.C. Mukherjee	Superintendent, Gr 'B'	30-11-82 (AN)
11.	A.J.N. Sinha	Superintendent, Gr 'B'	31-12-82 (AN)

1	2	3	4
S/Shri			
12. Vasudeo Singh	Superintendent, Gr 'B'	31-1-83	(AN)
13. C.K. Jha	Superintendent, Gr 'B'	31-1-83	(AN)
14. Mahbullah	Superintendent, Gr 'B'	31-1-83	(AN)
15. S.M. Mitra	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83	(AN)
16. S.K. Sinha	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83	(AN)
17. R.P. Choubey	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83	(AN)
18. Chandra Sokhar Pd.	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83	(AN)

K. K. SRIVASTAVA
Assistant Collector (Hqrs.)
for Collecto

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT:

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 25th June 1983

No. 18/83.—Shri Subhash Chandra Jana, lately posted as Assistant Collector, Central Excise, West Bengal Collectorate on transfer to the East Regional Unit of this Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, Calcutta vide Department of Revenue Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.11) dated 26-4-83 assumed charge of the post of Assistant Director (Vigilance) Group 'A' w.e.f. 18-5-83 (Forenoon).

B. C. RASTOGI
Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 20th June 1983

(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

No. 1/1983.—Shri B. D. Gupta, Chemical Assistant Gr. I presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 4-12-80 on *ad-hoc* basis in the Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur, has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same factory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 2/1983.—Shri S. K. Mittal, Chemical Assistant Gr. I presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 3-2-82 (A.N.) on *ad-hoc* basis in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 3/1983.—Shri I. C. Varshney, Chemical Assistant Gr. I presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 19-10-81 on *ad-hoc* basis in the Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Neemuch has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same factory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 4/1983.—Shri A. Francis Raj, Chemical Assistant Gr. I, presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 18-2-82, on *ad-hoc* basis in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 5/1983.—Shri Om Pal Singh, Chemical Assistant Gr. I, presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 31-10-81 on *ad-hoc* basis in the Custom

House Laboratory, New Custom House Bombay has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

KESHAV PRASAD
Chief Chemist, Central Revenues
(Appointing Authority)

C. No. II(3)(4)/83-Estt.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st July 1983

No. 27-S/B(11)/81-EC-IL.—Shri S. N. S. Bhatnagar, Superintending Engineer (Civil) of this department at present on deputation to Ministry of Works & Housing has retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June, 1983 (A.N.).

Smt. NEENA GARG
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Cochin, the 6th June 1983

No. 804/Liq/560(4)/5860/83.—Whereas, Nadar Mercantile Bank Limited (in liquidation) having its registered Office at Trivandrum is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound and that the statement of accounts (return) required to be made by the liquidator has not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore in pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice the name of Nadar Mercantile Bank Limited (in liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Registrar of Companies
Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Tirhut Flying & Gliding Club Ltd.

Patna, the 29th June 1983

No. (790)PS/2578.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tirhut Flying & Gliding Club Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Anami Saran Engineers Private Ltd.

Patna, the 29th June 1983

No. (807) PS/560/2574.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Anami Saran Engineers Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Express Switch Gears Private Ltd.

Patna, the 29th June 1983

No. (742) PS/560/2576.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Express Switch Gears Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Apna Credit & Investment Private Limited

Patna, the 30th June 1983

No. (1045) 560/2610.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Apna Credit & Investments Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Metallic Traders & Industries Private Limited

Patna, the 30th June 1983

No. (1106) 560/PS/2615.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Metallic Traders & Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Bihar, Patna

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Simple Fashions Limited

Panaji, the 25th June 1983

No. 189/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Simple Fashions Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. M. PANAJKAR
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Natrium Chemicals Pvt. Ltd.

Gwalior, the 30th June 1983

No. 1408/CP/763.—Notice is, hereby, given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the name of M/s. M. P. Natrium Chemicals Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX
(CADRE CONTROL AUTHORITY)**

Kanpur, the 6th June 1983

ORDER

**SUBJECT : ESTABLISHMENT SERVICES GROUP "B" GAZETTED—
PROMOTION—TRANSFER & POSTING OF—**

No. 12.—The following Inspectors of Income Tax are here by appointed to officiate as Income Tax Officer (Group 'B' in the

pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Income Tax indicated against their names who will please issue their posting orders.

Sl. No.	Name	Charge/Office	Commissioner of Income Tax at those Disposal the services are placed
1.	Shri Deepak Kumar Kapoor	Kanpur	Agra
2.	M. P. Dargar	Meerut	Agra

The 20th June 1983

ORDER

**SUBJECT : ESTABLISHMENT—CENTRAL SERVICES
GROUP "B" GAZETTED—PROMOTION,
TRANSFER & POSTING OF—**

No. 16.—Shri Shrawan Kumar Srivastava Inspectors of Incometax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B' in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax Agra, who will please issue his posting orders.

SUDHAKAR DWIVEDI
Commissioner of Incometax,
Kanpur

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 2nd June 1983

No. F.71-Ad(AT)/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of Section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963 :—

1. These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Second Amendment Rules, 1983.
2. They shall come into force with effect from 1st July, 1983.
3. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, (1) for rule 36, the following rule shall be substituted, namely :

"36. What to accompany an application for reference under section 256(1)—An application for reference under sub-section (1) of section 256 shall be in triplicate and shall be accompanied by documents referred to in item No. 7 of form No. 37 prescribed

under rule 48 of the Income-tax Rules, 1962, which in the opinion of the applicant should form part of the case and a translation in English of any such document where necessary."

- (2) for rule 45, the following rule shall be substituted, namely :

"45. What to accompany the statement of the case.—The Tribunal shall append to the statement documents which in its opinion form part of the case and as supplied to it by the parties. Within such time after the statement of the case is drawn up, as the Tribunal may direct, the applicant or the respondent as the case may be, shall, in addition to the documents already filed in accordance with rule 36, file as many certified copies of the documents which form annexures to the case as the Tribunal may direct, and in case the party responsible for filing defaults, the Tribunal may send the statement to the High Court without such annexures."

- (3) the full stop at the end of rule 47 shall be deleted and the following shall be added :
"or the Vice President, as the case may be."

- (4) for sub-rule (1) of rule 50, the following sub-rule shall be substituted, namely :

"(1) Fees for inspecting records and registers of the Tribunal shall be charged as follows :—

(a) For the first hour or part thereof. Rs. 2/-

(b) For every additional hour or part thereof. Re. 1/-."

By order of the Appellate Tribunal

G. P. BAJPAI

Registrar,

Income tax Appellate Tribunal, Bombay

FORM ITNS—

(1) Gulmohar Properties

(Transferor)

(2) Rita Kumar Idnani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-243/82-83/SI. 751.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 22 in 2nd floor situated at 42-B, Shakespear Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22 in the 2nd floor of 42-B, Shakespear Sarani, Calcutta, containing a floor area of 1200 sq. ft. transferred vide Deed No. 9350 dated 15-10-82 and registered in the office of R.A., Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Samarendra Nath Mitra & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Ganguly & Mr. Ajit Kumar Ganguly.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-246/82-83/SI. 739.—Whereas I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 159-B, situated at Bipin Behari Ganguly St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at R.A., Calcutta on 13-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed tinshed structure with land measuring about 6K—6Ch. at premises No. 159B, Bipin Behari Ganguly St., Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 12544 P dt. 13-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 21-4-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983.

Ref. No. TR-247/82-83/Sl. 740.—Whereas I M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 11-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Omrao Devi Tulshan (Transferor)
(2) Smt. Ginni Devi Soni (Transferee)
(3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants. (Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storeyed building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9057 on 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Omiao Devi Tulshan
(Transferor)
- (2) Ram Chandra Soni, Minor represented by his father & natural guardian Motilal Soni.
(Transferee)
- (3) Anant Ram Sulka & Ors. tenants.
(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-248/82-83/SI. 741.—Whereas, I,
M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of Partly 3 and Partly 4 storeyed building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 9058 on 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-249/82-83/SI. 742.—Whereas I,
M. AHMAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
R. A, Calcutta on 11-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------|
| (1) Smt. Omrao Devi Tulshan | (Transferor) |
| (2) Shri Daya Nand Soni | (Transferee) |
| (3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants. | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storeyed
building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land
measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar
of Assurance, Calcutta vide deed No. 9059 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------|
| (1) Smt. Omrao Devi Tulshan | (Transferor) |
| (2) Shri Suraj Mal Sphi | (Transferee) |
| (3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants, | (Persons in occupation) |

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-250/82-83/SI. 743.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 11-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storied building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9060 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-6-1983
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-251/82-83/SI. 744.—Whereas, I, M. AMHAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 11-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------|
| (1) Smt. Omrao Devi Tulshan | (Transferor) |
| (2) Shri Chandmal Soni | (Transferee) |
| (3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants. | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storied building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-252/82-83/SI. 745.—Whereas I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

- (2) Shri Shiv Bhagwan Soni, minor represented by his father and natural guardian Mohanlal Soni.

(Transferee)

- (3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storied building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9062 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref No TR-237/82-83/Sl 746/IAC/Acq R-I/Cal.—
Whereas, I, M AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R A, Calcutta on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|-------------------------|
| (1) Shri Niranjan Hirjee | (Transferor) |
| (2) M/s. Amarjyoti Investment Co Ltd | (Transferee) |
| (3) 1. Shri N. K. Lohia
2. Smt. S D. Singhania | (Persons in occupation) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before the S.R.A, Calcutta, vide Deed No 9564 dt. 22-10-1982

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 16

Date : 15-6-1983
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-236/82-83/SI. 747/1AC/Acqn R-I|Cal —
Whereas, I. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Wood Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—166GI/83

(1) Shri Chandra Singh Hirjee

(Transferor)

(2) M/s Amariyoti Investment Co. Ltd.

(Transferee)

(3) 1. N. K. Lohia

2. Smt. S. D. Singhania

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before S.R.A., Calcutta vide No 9563 dated 22-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-239/82-83/SI. 748/IAC/Acq.N.R-I/Cal —
Whereas, I, M. AHMAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arun Kumar Hirjee
(Transferor)
- (2) M/s. Amarjyoti Investment Co. Ltd.
(Transferee)
- (3) 1. N. K. Lohia
2. Smt. S. D. Singhania
(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9566 dated 22-10-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-238/82-83/Sl. 749/IAC/Acqn.R-1/Cal.—
Whereas, I, M. AHMAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
No. 9 situated at Wood Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. A., Calcutta on 22-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Jayant Hirjee (Transferee)
(2) M/s. Amarjyoti Investment Co. Ltd. (Transferee)
(3) 1. N. K. Lohia
2. Smt. S. D. Singhania (Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measur-
ing 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered
before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9565 dated
22-10-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. S. I. R. Craig & Mr. G. H. Neil Craig.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Poddar Electronics Limited.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Fully tenanted.
(Person in occupation)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-263/82-83/SI. 750/IAC/Acq.N.R-1/Cal.—
Whereas, I, M. AHMAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 11 situated at Camac St., Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering
Officer at
R.A., Calcutta on 21-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building & Structures at premises No. 11, Camac St.,
Calcutta with land measuring 2 Bighas-19K-5Ch-40 Sft. Re-
gistered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide
deed No. 9557 dt. 21-10-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Shri Gopal Subramanyan &
Smt. Saraswati Subramanyan,
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Pujari Dhotre,
(Transferee)
- (3) Shri Gopal Subramanyan &
Smt. Saraswati Subramanyan
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1983

Ref. No. Acon Range-III/37EE/72/83-84.—Whereas, I,
S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 17 situated at Andheri(E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Ground floor, E-Block, Indiana Buildings, New Indiana Premises Cooperative Society Limited, Nathuradas Vissanji Road, Andheri East, Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQUISITION-III-1, Dated 8-10-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyamlal Mohanlal.

(Transferor)

(2) Shri Jyotirmoy Anathnath Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-I/4820/83-84.—Whereas, I,

R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Document No. Bombay 1382/77 C.S. No. 1480 of Bhuleshwar Division situated at Sheikh Memon Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1382/77 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 25/10/1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Messrs Sharda Builders,
Old Sharda Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd.
(Transferor)
- (2) Members of the Society.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-1/4784/83-84—Whereas I,
R. K. BAQAYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Document No Bombay 485/79, C.S. No 923 of Mandvi Division situated at Keshavji Naik Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-10-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 485/79 and registered on 14-10-1982 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1983

Ref. No. AR-I/4781/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 573 of Mazgaon Division situated at Parel Road North Estate, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 14-10-1982, Document No. 3128/70 BOM, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dhanjisha Jamshedji Desai & Shri Roshan Dhanjisha Jamshedji Desai. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Fatemabai Jakirhusen Dalal
2. Shri Shree Shabbir Jakirhusen Dalal
3. Shri Shree Firoz Jakirhusen Dalal and
4. Shri Shree Saifee Jakirhusen Dalal, (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)
- (4) Bombay Improvement Trust. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3128/70 BOM and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 14/10/1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-I/4801/83-84.—Whereas, I,
R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C. S. No. 694 of Bhuleshwar Division situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14/10/1982, Document No. BOM. 2578/81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

28—166G1/83

- (1) Shri Sam Framroze Lala. (Transferor)
- (2) 1. Shri Mehera Dhunjisha Daruwala
2. Shri Dhunjisha Burjorji Daruwala
3. Shri Burjor Dhunjisha Daruwala
4. Shri Thrity Burjor Daruwala. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)
- (4) Vendor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2578/81 and registered on 14/10/1982 with the Sub-registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd June 1983

C.R. No. 62/36245/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 670 situated at 10th cross road, west of chord road II stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 3020/82-83 on 29-19-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Jayamma Channacah
No. 5125, Apple Tree Drive
N. E. Roanoke
Virginia U.S.A. (Transferor)
- (2) M/s. G. R. Enterprises,
No. 218/Y, III Block,
Rajajinagar Bangalore-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3020/82-83 dated 29-10-82).
All that property bearing No. 670 situated at 10th cross road, west of chord road II stage Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-6-83
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560 001, the 14th June 1983

C.R. No. 62/36149/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Nos. 90/1, 91, 92, 93, 94, 95 and 96/1 situated at Kothnur Village, Uttarahalli Hobli Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South under document No. 4079/82-83 on 7-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Sh. Dharmender Singh Deol
S/o Kewal Singh Deol,
22, Juhu Parley Scheme
11th road, Juher, Bombay-400054
Dharmendra Singh Deol, Trustee of the
Estate of Miss. Ajeetha Deol & Master
Vijay Singh Deol Minor.
(Transferor)
- (2) Sh. Ajay Singh Deol
S/o D. S. Deol, No. 22, Road No. 11,
Juhu Scheme, Juhu.
Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4079/82-83 dated 7-10-82)
All that property bearing Sy. Nos. 91, 92, 93, 94 95 & 96/1, situated at Kothnur Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36303/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, situated at Kemp. Road, Bangalore (Corpn. No. 47)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2470/82-83 on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Farah Builders (Pvt) Ltd.
No. 83, M.G. Road,
Bangalore-1.
Mr. Sadat Ali Khan.

(Transferor)

- (2) 1. Syed Ilyas Aga
2. Syed Salauddin Aga
3. Syed Liyakathaga
No. 30, Cockburn Road, Civil
Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

(Registered Document No. 2470/82-83 dated 12-11-82)
All that property bearing No. 18, situated at Kemp. Road, Bangalore (Corpn. No. 47).

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36352/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 516 situated at III Block, Koramangala Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Taluk under document No. 4898/82-83 on 27-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. V. V. Modi
S/o Veerchand Das P. Modi
Kanakanady, Mangalore-2. (Transferor)
- (2) K. Rani Kumar Reddy
S/o K. Chandrashekar Reddy
No. B-21, Kudremukh Colony,
Koramangala, Bangalore-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4898/82-83 dated 27-11-82)

All that property bearing No. 516, at III Block, Koramangala Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 8-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th June 1983

C.R. No. 62/36237/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

2817/1982 SY No. 248

situated at Magadi Town, Bangalore Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Magadi under document No. 1530/82-83
on 14-10-1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Premaleela, W/o Late M. N.
Rajashekariah, No. 148, Cottonpet, Magadi.
2. Navarathna, D/o M. N. Rajashekariah &
W/o Basavaraju, No. 169, 14th Cross,
I block, Rajajinagar, Bangalore-560010.
3. Smt. Sukanya, D/o late Rajashekariah &
W/o Ravishanker, No. 113610, III Main Road,
Vijayanagar, Bangalore-560040.
4. Sri Mahadevaprasad, S/o late M. N.
Rajashekariah
5. (a) Smt. Jayanthi, (b) Arunakumari, (c)
Bharathi, D/o late M. N. Rajashekariah,
minors represented by Mother Smt. Premaleela,
W/o Late Rajashekariah.
(Transferor)
- (2) Sri M. N. Bhogalah, (General Merchant)
No. 725, Cottonpet, Magadi, B'lore Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1530/82-83 dated 14-10-1982)
All that property bearing No. 2817/1982 and Sy. No.
248 situated at Magadi Town, Bangalore Dist.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36196/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 135, situated at Pipe Line East, Karithimmanahalli, Mysore Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi under document No. 2293/82-83 on 6-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri H. M. Ramiah,
No. 3, IX Cross, I Main Road,
Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) M/s. Modern Enterprises,
No. 132, Pipe Line East,
Karithimmanahalli, Bangalore.
Partners :
1. Sri G. P. Trivedi
(2) Sri T. S. Eswariah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2293/82-83 dt. 6-10-1982)

All that property bearing No. 135 situated at Pipe Line East, Karithimmanahalli, Mysore Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-6-1983

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Subramanyam
No. 68, III Block, T.R. Nagar,
Bangalore-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. R. Saraswathi
No. 108, Diagonal Road,
V.V. Puram, Bangalore-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th June 1983

C.R. No. 62/36165/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 671/20, situated at 11th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 2333/82-83 on 14-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2333/82-83 Dated 14-10-82)
All that property bearing No. 671/20, situated at 11th cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Mohanlal Gareriwala
2. Sri Vishnu Gareriwal,
Both R/o 33, Lake Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Sita Devi Gupta,
R/o Gopal Bagh', Kustha Ashram Road,
Deoghar, Dist—Santhal Pargana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th June 1983

Ref. No. III-777/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey Plot No. 188, H. No. 89, Ward No. XVI, within Survey J.B. No. 39/1 situated at Karnibad Road, Deoghar, Dist—Santhal Pargana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of land with single storeyed building measuring 4.63 Acres situated at Karnibad Road, Deoghar, Dist—Santhal Pargana and morefully described in deed No. I-11961 dt. 1-10-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—166GI/83

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-774/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DEBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 685A, Ward No. III situated at Ranchi Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pratul Chandra Chakravarty
S/o Sri Dharendra Nath Chakravarty,
R/o 43, Main Road,
P.O./Dist-Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri S. Jai Singh
R/o Upper P.P. Compound,
Bagrai Building Lane,
P.O./Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 728 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storied building situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-9409 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th June 1983

Ref. No. III-775/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per deed No. I-8826 dt. 6-10-82 situated at Jasidih, Dist-Santhal Pargana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— : —

(1) Shri Sati Nath Mitra
R/o 66, Rai Mohan Banerjee Road,
Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Singh
R/o Pahar Kothi, Jasidih,
Dist-Santhal Pargana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring half of 5.61 Acres with a single storeyed building situated at Jasidih Dist-Santhal Pargana and more fully described in deed No. I-8826 dt. 6-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th June 1983

Ref. No. III-776/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(As per deed No. I-8827 dt. 6-10-82)

situated at Jasidih, Dist-Santhal Pargana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dipti Nath Mitra
R/o 241, Gopal Chatterjee Road,
Calcutta-2. (Transferor)
- (2) Shri Shyam Sunder Singh
R/o Pahar Kothl, Jasidih,
Dist-Santhal Pargana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring half of 5.61 Acres with a single storeyed building situated at Jasidih Dist-Santhal Pargana and more fully described in deed No. I-8827 dt. 6-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-769/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M.S. Plot No. 1477, H. No. 716B/716-C (Part), Ward No. VII B. situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ranchi on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prakash Chandra Harlalka
S/o Sri Bhagwan Das Harlalka,
R/o Burdwan Compound,
P.S.-Lalpur, Dist-Ranchi. (Transferor)
- (2) Smt. Lalita Devi Bajaj
W/o Sri Ram Kishore Bajaj,
R/o Upper Bazar,
P.O./Dist-Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas 6 Chatak 7 Sq. Ft. with single storeyed pucca building situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.S.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8943 dt. 20-10-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-772/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 685C, Ward No. III situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1b of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pratul Chandra Chakravarty
S/o Sri Dharendra Nath Chakravarty,
R/o 43, Main Road,
P.O./Dist-Ranchi. (Transferor)
- (2) Shri Gurnam Singh
S/o Sardar Banta Singh
R/o Lower P.P. Compound,
Near Gurunanak School,
Dist-Ranchi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 650 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storeyed building situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi and more fully described in deed No. 1-9407 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-770/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 19, Plot No. 39, Sub-Plot Nos. D/1B & D/2B, H. No. 1922/A, Ward No. VIIC situated at Lower Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Akhil Bhusan Ghosh
S/o Late Bidu Bhusan Ghosh
R/o Lower Burdwan Compound,
P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transferor)

- (2) Shri Shakti Pada Das
S/o Late Gopal Chandra Das
R/o Burdwan Compound,
P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 1 Chatak with house situated at Lower Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8953 dt. 20-10-82 registered with D S P Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No III-773/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 685B, Ward No. III situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pratul Chandra Chakravarty
S/o Sri Dharendra Nath Chakravarty,
R/o 43, Main Road,
P.O./Dist. Ranchi, (Transferor)
- (2) Shri Surendra Prakash Chadha
S/o Late B. S. Chadha
R/o Lower P.P. Compound,
Near Gurunanak School, Dist-Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 822 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storied building situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-9408 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-771/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M.S. Plot No. 1477, Ward No. VIIB, New H. No. 730/I situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ranchi on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—166GI/83

(1) Shri Anil Kumar Banerjee,
S/o Late Nripendra Nath Banerjee,
R/o Block AE, Plot No. 44, Sector-I,
Salt Lake City, P.S. Salt Lake,
Dist-24 Pargana.

(Transferor)

(2) Shri Suchitta Kumar Das
S/o Late Sachi Kumar Das
R/o 28, Narasingha Dutta Road,
P.S. Bantra, Dist-Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 26 Sq. Ft. with a single storyed pucca house situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8981 d. 20-10-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No. RTK/112/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Portion of show room situated at Sham Lal Market, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak on Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Kashmiri Lal
S/o Sunder Lal
R/o H. No. 930, Ward No. 6,
Kassiya Wala Chowk,
Rohtak.
Shri Gulshan Rai
S/o Lajpat Rai
H. No. 476, Ward No. 4,
Kacha Beli Road,
Rohtak.

(Transferor) /

(2) Shri Parveen Kumar & Balram Kumar
Ss/o Shri Ram Chand
S/o Shri Kahan Chand
H. No. 650, Ward No. 5,
Mal Godam Road.
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of show room No. 15 Sham Lal Market, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3520 dated 5-10-1982 with the S. R. Rohtak

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. RTK/113 82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portoin of show room situated at Sham Lal Market, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kashmiri Lal
S/o Shri Sunder Lal,
H. No. 930, Ward No. 6,
Kassiya Wala Chowk,
Rohtak.
Shri Gulshan Rai
S/o Shri Laipat Rai
H. No. 476, Ward No. 4,
Kachha Beri Road,
Rohtak.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Inder Sain, Yash Pal
ss/o Shri Nihal Chand
R/o H. No. 474,
Ward No. 18, Shakti Nagar,
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of show room No. 15, Sham Lal Market, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3532 dated 5-10-1982 with the S. R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 14-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No JDR/142/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House-cum-Factory situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Raj Kumar
S/o Ram Parkash
2. Mrs. Poonam Kappor
W/o Shri Surinder Kumar
3. Shri Rishi Kapoor
4. Kumari Deep Mala
D/o Shri Surinder Kapoor
R/o Shadi Metal Ram Lila Ground,
Jagadhari.

(Transferor)

- (2) M/s Atma Metal Works, Jagadhari
through Shri Atam Parkash
S/o Banarsi Lal
Rampura Colony,
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House-cum-factory used at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4711 dated 20-10-82 with the S.R. Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Udmi Ram Phool Chand
233, New Model Mandi,
Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(2) Shri Ramesh Kumar
S/o Shri Gori Shanker
233, New Model Mandi,
Hissar.

(Transferee)

Rohtak, the 14th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

Ref. No. HSR/264/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Portion of shop situated at New Model Mandi, Hissar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hissar in Oct., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being portion of Shop No. 233, New Model
Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed re-
gistered at No. 2764 dated 14-10-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. Colony

Rohtak, the 14th June 1982

Ref. No. HSR/274/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half portion of Shop No. 233, situated at New Delhi Mandi, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Udmi Ram Phool Chand,
Shop No. 233, New Model Mandi,
Hissar. (Transferor)
- (2) Smt. Kanchan Aggarwal w/o. Shri Sajjan Kumar,
Shop No. 233, New Model Mandi,
Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of Shop No. 233, Model Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2812 dated 20-10-28 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/111/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. M-21, Industrial Area, Central (portion) measuring 754 sq. yds. situated at Sonapat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niranjan Singh S/o
Shri Harbars Singh S/o
Shri Har Kishan Singh,
R/o U-3, Industrial Area, Sonapat,
through Sh. Harbhajan Singh S/o
Harbars Singh.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudesh Arora W/o
Shri Ramesh Kumar S/o
Shri Dewan Shand R/o
M-20, Industrial Area,
Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Central portion Industrial Plot No. M-21 area 754 sq. yards situated in Industrial Area, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2429 dated 19-10-1982 with the Sub Registrar, Sonapat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-1983
Seal:

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/112/82-83.--Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Southern Portion of Industrial plot No. M-21 measuring 749
sq. yds. situated at Industrial area, Sonapat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Sonapat in October 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Chetan Kaur Widow,
Smt. Simrat Kaur,
Smt. Harbhajan Kaur Ds/o
Sh. Harbans Singh S/o
Shri Har Kishan Singh.
R/o E-3, Industrial Area,
Sonapat

(Transferor)

- (2) Smt. Sudesh Arora W/o
Sh. Ramesh Kumar Arora, S/o
Shri Dewan Chand.
R/o M-20, Industrial Area
Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
15 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Southern portion of Industrial plot M-21,
situated in Industrial area, Sonapat and as more mentioned
in the sale deed registered at No. 2430 dated 19-10-1982 with
the S. R. Sonapat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/113/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Northern Portion of Industrial plot No. M-21 measuring 738
sq. yds. situated at Industrial area, Sonapat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sonapat in October 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

31—166GI/83

- (1) Shri Harbhajan Singh S/o
Sh. Harbans Singh S/o
Shri Har Kishan Singh,
R/o E-3, Industrial Area,
Sonapat.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudesh Arora W/o
Sh. Ramesh Kumar Arora, S/o
Shri Dewan Chand,
R/o M-20, Industrial Area,
Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Northern portion of Industrial plot No.
M-21 measuring 738 sq. yards situated at Industrial area,
Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at
No. 2431 dated 19-10-82 with the S.R. Sonapat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. HSR/254/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 44 kanals 18 marla situated at Village Bir, Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sanch Lata Wd/o
Sh. Aishi Lal,
6-AP Bir Hissar now
R/o Mohalla Gujran,
Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Asharfi Devi Wd/o
Sh. Chanur Bhan R/o
Tehsil Road near Mohalla Neemwala,
Hissar.

(Transferee)

- (4) 1. Sh. Chanderbhan Raghbir Singh, Hissar,
2. Sh. Chanderbhan Sat Narain, Hissar,
3. Chanderbhan Balbir Singh,
4. Sh. Chanderbhan Pawan Kumar,
5. Sh. Chanderbhan Dharam Mohan,
through S/Shri Raghbir Singh,
Sat Narain, Balbir Singh,
Pawan Kumar, Dharam Mohan
Ss/o Shri Chandar Bhan,
R/o Hissar.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 18 marla situated at Village Bir, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2717 dated 11-10-82 with the Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PNP/246/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd part of Plot No. E/42 measuring 950 sq. yds. out of 2850 sq. yds. situated at Industrial area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Bilash S/o. Shri Sadhu Ram S/o. Shri Ram Gopal R/o Safindon Mandi, Distt. Jind.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Textile, E-42, Industrial Area, Panipat through Shri Sham Sunder S/o Shri Mulakh Raj Moga, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3 part of plot No. E/42 measuring 950 sq. yds. out of 2850 sq. yds situated in Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4165 dated 20-10-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-83

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Lakshmi Chand S/o. Shri Sadhu Ram,
r/o Safindon Mandi
Distt. Jind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanti Textile,
E-42, Industrial Area, Panipat
through Shri Sham Sunder Moga
Raj Moga r/o 378, Model Town,
Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PAP/254/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 1/4th of Plot No. E/42 measuring 3800 sq. yds. i.e. 950
sq. yds. with shed situated at Industrial area, Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Panipat on Oct. 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property being 1/4th of land 3800 sq. yds. i.e. 950 sq. yds.
with shed situated in Industrial Area, Panipat and as more
mentioned in the sale deed registered at No. 3964 dated
4-10-1982 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-6-83
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PNP/235/82-83.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 share in Plot No. E 42 measuring 2850 sq. yds. (950 sq yards) situated at Industrial Area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Katan Dass S/o. Shri Sadhu Ram S/o. Ram Gopal r/o Safidon Mandi, Distt. Jind.

(Transferor)

- (2) M/s. Shanti Textile, F-42, Industrial Area, Panipat, through Shri Sham Sunder Moga S/o. Shri Mulakh Raj Moga, Panipat, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3rd of Plot No. E/42 measuring 950 sq. yds. out of 2850 sq. yds. situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3965 dated 4-10-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PNP/247/82-83 — Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of land measuring 2850 sq. yds. i.e. 950 sq yards situated at Industrial Area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Ram Gupta S/o. Shri Sadhu Ram S/o. Shri Ram Gopal R/o. Safidon Mandi, Distt. Jind through Shri Lakhmi Chand S/o Shri Sadhu Ram R/o. Safidon Mandi, Distt. Jind,

(Transferor)

(2) Ms. Shanti Textile, E-42, Industrial Area, Panipat, through Shri Sham Sunder Moga S/o. Shri Mulakh Raj Moga, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3rd share of land measuring 2850 sq. yds. i.e. 950 sq. yards situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4198 dated 22-10-1982 with the S.R. Panipat

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. RTK/133/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 6794 sq. yds. situated at Saini School Road, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hawa Singh S/o Sh. Sher Singh Saini,
R/o Babra Mohalla, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar,
Shri Lalit Kumar Sons of
Shri Amer Singh r/o
H. No. 214, Prem Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6794 sq. yards situated on Saini School Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4449 dated 22-10-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D.L.T. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No DLI/51/82-83—Whereas, I. R. K BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land measuring 2253 33 sq yards situated at village Hassainpur (Bahadurgarh) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S/Sh 1. Gurbachan Lal Sethi,
2. Baldev Raj Sethi,
(Sons of Sh Ram Dass,
j-13/44, Rajori Garden, New Delhi
3 Veeran Wali W/o Sh Ram Dass Sethi,
4 Karam Veli Sethi S/o Ram Dass Sethi,
5 Shanti Devi D/o Ram Dass Sethi,
6 Satish Kumar D/o Sh Ram Dass Sethi,
7 Smt Raj Kumari D/o Sh Ram Dass Sethi
8 Smt Kusum Lata D/o Sh Ram Dass Sethi
(r/o 13-A/25, WEA, Kirti Bagh, New Delhi)
(Transferor)
- (2) M/s Raghunath Industries,
33, Modern Industrial Area,
Bahadurgarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2253 33 sq. yds. situated in Village Hassainpur (Bahadurgarh) and as more mentioned in the sale deed registered at No 1589 dated 18-10-1982 with the Sub Registrar, Delhi

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. DLI/61/82-83.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building on plots No. 40 to 45 Industrial Colony, Industrial Estate No. II, situated at Village Palla, Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—166GI/83

- (1) M/s. Sudan Prints Pvt. Ltd., R-546,
Shankar Road, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sh. N. D. Taneja S/o Ghansham Dass Taneja,
2. D. N. Taneja S/o Ghansham Dass Taneja,
3. Hemand Kumar S/o Krishan Kumar,
4. Raj Kumar S/o Rattan Chand (Minor),
5. Chander Parkash S/o Roshan Lal,
6. Radhesh Kumar S/o Sh. Jagdish Kumar (Minor)
7. Amit Kumar S/o Ashok Kumar (Minor),
8. Miss Leena Taneja D/o Sh. Rattan Chand Taneja,
all rs/o 7 South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being industrial plots No. 40, 41, 42, 43, 44 & 45 measuring in aggregate 7881.3 sq. yds. in Industrial Colony known as Industrial Estate No. II, situated at Village Palla Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1609 dated 22-10-1982 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 14-6-1983

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. PNP/244/8283.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. No. 234, Industrial area, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Pardeep Raj Textile, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Alankar Textile,
No 23, Panipat,
Industrial Area, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4116 dated 14-10-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Mahindrakar and Associates,
616, Nana Peth, Pune-411 002.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Nafisa Fakhruddin Alimohammad Bawaji,
10-Devi Society, Padamji Park,
Pune-411 002.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune, the 6th June 1983

Ref. No. CA-37EE/83-84/133.—Whereas, I, SHASHI-
KANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 1, S. No. 17-A, Plot No. 21, Wanawari situated at
Pune-411 001(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 S. No. 17-A, Plot No. 21, Wanawari, Pune-
411 001. (Area-510 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune-4 under
No. 291 dt. 15-10-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Poona-4, the 31st May 1983

Ref. No. CA5/889/SR A'Nagar/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25/332/2, Plot No. 17 at Savedi situated at Savedi, Tal. A'Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Registrar, A'Nagar on 4-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely :—

- (1) Partner of Pooja Investors,
Shri Kishor Damodar Renavikar, Ahmednagar,
Ganj Bazar, Ahmednagar. (Transferor)
- (2) Shri Vasant Haribhau Somani,
Shahaji Road, Ahmednagar. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mauje Savedi Survey No. 25/332/2, Plot No. 17 Taluka & Dist. Ahmednagar—Area-500 sq. ft.
(Property as described in the sale deed registered under document No. 3541 in the office of the Sub-registrar Ahmednagar on 4-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 31-5-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Chopra Constructions,
245, Narayan Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Kashinath Dalvi,
Friends Apartments,
Walvekar Nagar, Pune-411 009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE 135/83-84.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 86 S. No. 50, 52, 53-A situated at Walvekar Nagar, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on 23-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 86—S. No. 50, 52 & 53-A Walvekar Nagar, Pune.
(Area—458 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 467 dt. 23-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Mamata Builders,
1523, Raviwar Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Ashalata Gulabrao Ahirkar,
Adarsh Colony, Near Remand House,
Akola, Dist. Akola.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, PUNE
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune, the 20th May 1983

Ref. No. CA-5/37EF/1336/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Ideal Colony, Plot No. 67, S. No. 129 Kamala Apartments, Kothrud situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67. Flat No. 4, Kamala Apartment, Ideal Colony, Kothrud, Pune-411 029. (Area—900 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 343 dated 11-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 20-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE
Pune-411004, the 1st June 1983

Pune, the 1st June 1983

Ref. No. CA-5/903/SR-A'nagar/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 142/4A, Land at Mouje Nagapur situated at Mouje Nagapur, Taluk Ahmednagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Nagar on 4-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Shri Rambhau Laxman Chhatore
at Nagapur Taluk & Dist. Ahmednagar.
(Transferor)
- (2) Shri Shashikant Hiralal Mutha
At Ganeshwadi, Station Road, Ahmednagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nagapur Survey No. 142/4A, Taluk & Dist. Ahmednagar area of which is 0.76 ARE.
(Property as described in the Sale Deed registered with the Sub-Registrar, Ahmednagar under No. 423 on 4-2-83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 1st June 1983

Ref. No. CA5/37EE/137/83-84.—Whereas, I **SHASHIKANT KULKARNI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1170/3 F. Plot No. 542, 872, 872/B situated at J.M. Road, S. Nagar, Pune-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune on 4-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shri Consultants & Engineers
773/5 Deccan Gymkhana, Pune-4
Shri K. D. Rajopadhye & K. C. Patvekar.
(Transferor)
- (2) Patvekar Hotels Pvt. Ltd. Plot No. 11
Bombay Pune Road,
Co-op. Housing Society, Pune-3
The Rupee Co-op. Bank Ltd.
3531, Narayan Peeth, Pune-30.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City S. No. 1170/3, final Plot No. 542, 872, 872/3 J. M. Road, Laxmi Balvant Chambers, Bhamburda, Pune-411 005.
Area—4375 sq. ft.
(Property described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq. Range Pune under document No. 2760 dated 4-12-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 1-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 28th May 1983

Ref. No. CA5/37EL/141/1983-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Second Floor, C.S. No. 290/1, Shukrawar Peth Asha Co-op. H.S. Ltd. situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. A.R. Pune on 18-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Babhutmal Kantilal & Sons
280 Raviwar Peth (old),
New 1671 Shukrawar Peth Pune. (Transferor)
- (2) Shri Gulab Genba Khandve,
901 Shukrawar Peth, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 7, Second floor, C.S. No. 290/1 Shukrawar Peth, Asha Co-op. Housing Society, Pune-2.
Area—937 sq. ft. Pune-2.
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acq. Range Pune under document No. 133 dated 18-4-1983).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—166GL/83

Date : 28-5-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Tamhankar & Bhawe
581 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri A. Abraham,
8 Gold Cornet, N. Kamadia Road,
Bombay-400 026.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th May 1983

Ref. No. CA5/37EE/138/83-84.—Whereas, I
SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 9, second floor, plot No. 1 R. No. 30/2 Sitaram
Apartments, Erandawana situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC Acq. Range Pune on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, second floor, Plot No. 1 Room No. 30/2
sitaram Apartment Erandawana, Pune-4, Area 1300 sq. ft.
(Property as described in the sale of agreement registered
in the office of the IAC Acq. range Pune under document No.
362 dated 10-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 25-5-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31d June 1983

Ref No. CA5/37EE/139/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flat No. 302 Bldg. No. 1, 1/7 B.J. Road, 3rd floor, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhanagar on 27th October, 1982 IAC Acq. Range, Pune

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Landmark Constructions
Surekha Apartments, Satara Road, Pune-9.
(Transferor)
- (2) Mrs. Medha Chittaranjan Sirsat
Shri Chittaranjan A. Sirsat,
934/35/A Shivajinagar, Pune-16
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 Building No. 1 at 1/7 B.J. Road, Third floor, Pune-1.

Area—871 sq. ft.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acq. Range Pune under document No. 515 on 27-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Parmer Construction
321/3, New Timber Market, Pune-2.
(Transferor)
- (2) Mr. Virendra Kumar Sharma
100 Krishna Kunj, Ppol Gate, Pune-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

KARVE ROAD, PUNE-411 004

Pune-411 004, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/305/83-84/142.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 410 in K. P. Tower, Plot No. 2 situated at S. No. 17-A, Wanowarie Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on 5-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 in K. P. Tower, Plot No. 2 of Hissa No. 8, of S. No. 17-A, Wanowarie, Pune-1.
(Property as described in the Agreement to Sale, registered in the Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Pune under No. 305, dt. 5-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 30 5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s A. V. Mulay & Co.
1141 Shivajinagar, Fergusson College Rd
Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Narayandas Dhoot
B 7 Zalam Housing Society, Shivajinagar Col.
Karve Road, Pune.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
KARVE ROAD, PUNE 411 004

Poona, the 20th May 1983

Ref No. CA5/37EE/83 84/140—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 9 Plot No. 31, S No. 129, Ideal Colony situated at Kothrud

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq Range Pune on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 9, Plot No. 31 S No. 129 Ideal colony, Kothrud, Pune Area—635 sq. ft.
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq Range Pune under document No. 283 dated 2-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 20-5-1983

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
KARVE ROAD, PUNE-411 004

Pune-411 004, the 1st June 1983

Ref. No. CA-5/902/SR-Kalyan/83-84.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.S. No. 62 Hissa No. 9/1, G. B. Patharli C. S. No. 10356 to
10359 situated at Dombivali, Talk Kalyan
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Kalyan on 4-1-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) (a) Shri Narayan Gangaram Phulkar,
(b) Smt. Indumati Narayan Phulkar,
Shri Sai Nivas, Sant Namdeo Path,
Dombivali (East), Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Shri Ramchandra Basappa Habbeli
Savitri Nivas, Kalyan Road, Dombivali (East).
Dist. Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Survey No. 62, Hissa No.
9/1, G. B. Patharli, City Survey No. 10356 to 10359, Dom-
bivali, City Survey Talk Kalyan, Dist. Thane.
(Property as described in the Sale Deed registered with the
Sub-Registrar, Kalyan, under No. 23 dt. 4-1-1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KARVE ROAD, PUNE-411 004

Poona-411004, the 23rd May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/894 —Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Kupwad, S. No. 40/2, Tal. Miraj situated at Dist. Sangli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Miraj-II on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gangadhar Shivappa Koshti,
2. Shri Rakesh Shivappa Koshti,
3. Shri Prabhakar Shivappa Koshti,
4. Shri Sudhakar Shivappa Koshti,
5. Shri Subhashchandra Lingappa Koshti
6. Shri Sarachandra Lingappa Koshti,
Kupwad, Tal. Miraj
Dist. Sangli.

(Transferor)

- (2) Shri Sudhir Dattatraya Joshi,
Chief Promoter,
Niyojit Uthkarsha Co-op. Housing Society,
Miraj, Dist. Sangli.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Curvey No. 40/2, Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli. (Area—3H 48R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar-II Miraj, under document No. 1676 in the month of October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 23-5-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KARVE ROAD, PUNE-411 004

Pune 411004, the 24th May 1983

Ref. No. CA-5/37 G/83-84/897.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agril. land Gat No. 123 and 125 situated at Malegaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Malegaon on 1-10-82 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Govind Mahadeo Dusane, Tilak Road, Malegaon.
2. Shri Vasant Eknath Magar, Kalvankar Galli, Malegaon. (Transferor)
- (2) M/s. Alankar Estate Corporation, Partners
1. Shri Prakashchandra Sukhlal Jain, Mohan Pethgalli, Malegaon.
2. Shri Vijayaraj Kesarichandra Mehta, 60, Guruwar peth, Malegaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agril. land at Nilgavan, Tal. Malegaon, Dist. Nasik, Gat No. 123—Area—9H 10R and Gat No. 125 2-H 62R.
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub Registrar Malegaon under document No. 4439 dt. 1-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 24-5-1983.;
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 16th June 1983

Ref. No. L.C. 636/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ollukkara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ollukkara on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—166GI/83

(1) Smt. Tripura Sundari Amma,
D/o Puzhankara Kavu Amma
Kundannur P.O.
(via) Vadakkancherry,
Trichur District.

(Transferors)

(2) Tharayil George,
S/o Antony, Mission Quarters,
Trichur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25.250 cents of land with building in Ollukkara Village as per schedule attached to document No. 3942/82 of Sub-Registry Office, Ollukkara.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS_____

(1) Mariamma, Ozhuiparambil, Thrikkannarvattam.
(Transferor)

(2) Babu C. George,
32/2022 Plarivattom.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th June 1983

Ref. No. L.C. 638/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMAS-KUTTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 8-10-1982

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2 Acre 49 Cents of land in Thrikkakara Thekku in Sy. No. 194/1 (as per schedule attached to Doc. No. 3306 dated 8-10-1982 of S.R.O. Ernakulam).

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Cochin

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR,
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 14th June 1983

Ref. No. L.C.640/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMAS-KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 14-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) N. Sreedharan,
(Retd.) Finance Controller,
Chandra Nagar,
Palghat-7.

(Transferor)

(2) Dr. V. Prasanna,
28/312, Krishna Vihar Colony,
Panampilly Nagar, Cochin-682 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land with building in Panampilly Nagar, Ernakulam, Cochin-20 as per Schedule attached to Document No. 3352 dated 14-10-1982 of Sub Registry Office, Ernakulam.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Cochin

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4375.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jain Nagri, Abohar, Jain Nagri, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Swavitri Devi W/o Ishwar Chand R/o Anand Ashram, Basant Gali, Khar Khari, Haridwar, (U.P.). (Transferor)
- (2) Shri Harmesh Kumar, Mohan Lal SS/o Sh. Kishore Chand, Gali No. 1, Jain Nagri, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 487 of May, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4376.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situate at Jain Nagri, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimati Swavitri Devi W/o Ishwar Chand
R/o Anand Ashram, Basant Gali,
Khar Khari, Haridwar (U.P.).
(Transferor)
- (2) Shri Gopal Krishan S/o Desraj
Gali No. 1, Jain Nagri, Abohar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 488 of May, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4403 to 05.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per Schedule situated at V. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nirmal Singh S/o Santa Singh
r/o V. Nagra Teh. Jalandhar.
G.A. of Santa Singh. (Transferor)
- (2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society Ltd. Jalandhar through
Sh. Satish Kumar Chopra,
Secretary of the Society,
C/o Luxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deeds No. 6566, 6623 & 6611 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P., No. 4406 and 4407.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as Schedule situated at V. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sham Singh
r/o V. Nagra Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society Ltd. Jalandhar through
Sh. Satish Kumar Chopra,
Secretary of the Society,
C/o Laxmi Store, Cloth Merchants, Taura Gate,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 6565 and 6610 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4408.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at V Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh S/o
Shri Sham Singh, r/o
V. Nagra Teh, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society, Ltd., Jalandhar, through
Sh. Satish Kumar Chopra,
Secretary of the Society,
C/o Luxmi Store, Cloth Merchants,
Jaura Gate, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) as s. no. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6571 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1838.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 393 situated at Karoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Karoli on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Chandia Palji S/O
Shri Surendra Palji, R/O
Karoli.

(Transferor)

(2) Shri Hemraj S/O
Shri Mangilal, R/O
Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration No. _____ dated 10-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1839.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House No. 393 situated at Karoli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Karoli on 10-11-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Kishan Chander Pal S/O
Shri Surendra Palji, R/O
Karoli.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamal Devi W/O
Shri Mangilal, R/O
Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada,
Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in
the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration
No. _____ dated 10-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1836.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 393 situated at Karoli Dist. Sawaimadhopur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karoli on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Chandra Pal S/o
Shri Surendra Palji, R/O
Karoli, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

- (2) Shri Devraj S. O
Shri Mangilal, R/O
Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration No. _____ dated 10-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1837.—Whereas 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. 393 situated at Karoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karoli on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishun Chandra Pal S/o
Shri Surendra Palii, R/O
Karoli.

(Transferor)

(2) Shri Girtaj S/O
Shri Manglal, R/O
Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration No. _____ dated 10-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 11-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Samant Kumar S/O
Shri Goverdhanlal Bhatt, R/O
Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dungen Singh S.O
Shri Devlal Samar,
390, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 10th May 1983

Ref. No. Rcj/LAC(Acq.)1827,—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 5925 Sq. ft. situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5925 Sq. ft. situated in Sampar Ramji Ki Bari, Near Kalaji Gorap, Udaipur and morefully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide registration No. 2291 dated 2-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 10-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref No Rej/IAC(Acq)1826.—Whereas I,
MOHAN SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing

Land 5062 Sq. ft situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 15-12-1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

- (1) Shri Jai Kumar S/O
Shri Goverdhanlal Bhatt, R/O
Udaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Dunder Singh S/O
Shri Devilal Samar, R/o
390, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5062 Sq. ft. situated in Sampat Ramji
Ki Bari, near Kalji Goraji, Udaipur, and more fully des-
cribed in the sale deed registered by the S R Udaipur, vide
registration No 2596 dated 15-12-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 10-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tahal Bulani,
Advocate Diggi Chowk, Ajmer,

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Chandra S/o
late Sh. Srilal Jethanand, R/o
Ajmer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1882.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Land situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ajmer on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 630 sq.ft. bearing No. 43/3, situated in
Civil Lines, Ajmer, and more fully described in the sale
deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3616
dated 2-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1897 —Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land situated at Udaipurwati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipurwati on 13-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parameshwarlal S/o late Shri Tan Sukh Ram Beswal of Mukandgarh, through P/A holder Shri Bhagirath, Madanlal, Shyam Prasad and Rajendra Sons of Sh. Basatlal Muraka, R/o Mukandgarh.

(Transferor)

- (2) (1) Shrimati Dropadi Devi W/o Sh. Shyam Sunder, R/o A-131, Sirolia Sadan, Nehru Nagar Basi-sitarampura, Jaipur
(2) Smt. Dhapa Devi W/o Sh. Ganga Bishan Tibrewalal, C/o M/s. Ram Swaroop Bhagwati Pd., PO. Mukandgarh, Distt. Jhunjhunu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 46,656 sq. ft. situated in the Mukandgarh Municipal Limits in Ward No. 13, Jhunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipurwati vide registration No. 509, dated 13-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 7-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1898.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur Bati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur Bati on 31-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

36—166GI/83

(2) Shri Srikishan Porwal S/o
Shri Pokarmal Mahajan, R/o
Vill. Kumawas, Near Mukandgarh.

(Transferor)

(2) Shri Srikishan Porwal S/o
Shri Murlidhar Porwal, R/o
Mukandgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5184 Sq. Yd. situated in Vill. Pabana, on Mukandgarh Town Road, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur Bati vide registration No. 572 dated 31-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 7-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1899.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot old land situated at Udaipur Bati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur Bati on 31-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gayatri Devi W/o
Shri Dwarkadass, R/o
Vill. Kumawas, Near Mukandgarh. (Transferor)
- (2) Shri Baboolal Porwal S/o
Shri Srikishan Porwal, R/o
Mukandgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5184 sq. Yd. situated in Vill. Pabana, on Mukandgarh, Town Road, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur Bati vide registration No. 571 dated 31-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1907.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chandmal Rathore S/o
Sh. Shermal Rathore, R/o
Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Madanlal,
(2) Sh. Keval Chand,
(3) Shri Pukh Raj,
(4) Shri Srichand Mal, Ss/o
Shri Kundanmal Oswal, R/o
C-37, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot 37 Sector C Section 4 (Masuria Area Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration of 6-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date : 13-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1916.—Whereas, 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 57 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-1-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nemichand S/o
Shri Mishrilalji, GPA of
Shri Anil Kumar S/o
Sh. Anoopchandji in front of
Bombay Motors,
Chopasani Road,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Prithvi raj S/o
Shri Kundan Singh Bhansali,
Kushal Kutir,
Ind B-Road, Sardarpura,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 57, sector 'A' Section 4, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 763 dated 15-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1926.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 179 situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok. therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Doney Khan S/o
Shri Lal Khan, thro. POA
Sh. Ramrattan Singh S/o
Shri Bhikaram of
Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar S/o
Sh. Ram Rattanji,
P. No. 3064 Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built portion in Block-3 situated at Masuria, sector-2 Plot No. 179, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2696 dated 8-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-83
Ses :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ret. No. Rcj/IAC(Acq.)1927 —Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block-4, Plot No. 179 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ramratan Singh S/o
Shri Lal Khan, through POA
Sh. Ramran Singh S/o
Shri Bhikaram of
Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Mahesh Kumar S/o
Shri Ram Ratan,
306-A, Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built portion in Block-4, at Masuria Sector-2, Plot No. 179, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2695 dated 8-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)1928.-Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Ratan Singh
S/o Sh. Bhika Ram & Attorneys
of Shri Den Khan S/o
Shri Lal Khan
Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrinati Bhargwati Dev' W/o
Shri Ram Ratan Singh,
Plot No. 306-A, Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at plot No. 179 situated at Masuria, Section 2 Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2585 dated 29-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-6-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/TAC(Acq.)1930.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land situated at Baran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 9-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kanta Bai W/o
Late Shri Baboo Lal Shrama,
Baran.

(Transferor)

(2) Shrimati Basanti Bai W/o
Shri Deojmal Chipa,
Baran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 5525 sq.ft., situated in Baran and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Baran vide registration No. 314 dated 9-12-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-83
Seal :

FORM 1.T.N.S.—

(1) Shri Dulichand S/o
Sh. Tuhia (Jat),
R/o Neem Darwaza,
Bharatpur.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Datta (Sharama) &
26 Others.
Bharatpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1938.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Bharatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 8-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

37—166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bigha 10 Baswa situated in Khasra No. 19 Chak No. 1, Teh. Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bharatpur, vide registration No. 280 dated 8-3-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-83

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)1939—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N. Agri. land situated at Bharatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 7.1.1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (2) 1 Shri Ishwar Prasad S/o
Sh. Dharam Singh (Lodha)
Mohalla Gopalgarh,
Bharatpur

(Transferor)

- (1) 1 Shri Ishwar Prasad S/o
Sh. Babulal (Lodha)
R/o Gopalgarh
- *2 Shri Randhu Singh S/o
Sh. Biri Singh C/o
Krishi Upaj Mandi Samiti,
Bayana

- 3 Shri Nand Kishore Sharma S/o
Sh. Jagannath Prasad Sharma R/o
Bayana C/o
Krishi Upaj Mandi Samiti,
Baqana
- 4 Shri Hukam chand S/o
Sh. Pyarelal R/o
Gopalgarh
- 5 Smt. Maya Devi W/o
Sh. Shyamlal Lodha,
Gopalgarh
- 6 Shri Dan Singh S/o
Sh. Khaacher Singh,
Sh. Nagla Khubia C/o
Subedar Major Records
Records Office, Ja. Regt. Centre,
Bareilly (U.P.)
- 7 Shri Jitam Singh S/o
Sh. Charan Singh (Jat),
C/o Central Co-operative Bank,
Bayana Distt. Bharatpur
- 8 Smt. Chandrawati W/o
Sh. Uttam Singh (Jat)
R/o Bayana Distt. Bharatpur
- 9 Shri Prem Singh Khuleti S/o
Sh. Ghantoli Ram (Jat),
R/o Gopalgarh Bharatpur
Lecturer M.S.U. College
Bharatpur
- 10 Shri Ajai Bir Singh S/o
Sh. Dan Singh (Jat)
R/o Nagla Khuri
C/o Subedar Major Records,
Records Office
Jat Regt. Centre
Bareilly (U.P.)
- 11 Shri Pratap Singh S/o
Sh. Rubi Singh (Jat)
Gopalgarh
Forest Department
Bharatpur
- 12 Shri Prahlad Singh S/o
Sh. Ram Kumar (Jat),
C/o Bhumi Vikas Bank Ltd.,
Bharatpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha 16 biswa in chak No. 3 Khasre No. 2055 situated in Tehsil Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bharatpur vide registration No. 37 dated 7-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 11.6.83

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1941.-Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jodhpur on 29-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Unika Devi W/o
Shri Ganga Vishan Vyas,
Footerji Ki Babari,
Navchowkia,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Bandhana S/o
Shri Ashok Kumar
R/o Makrana Mohalla,
Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated in Laxmi Nagar Plot No. 150, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2578 dated 29-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-6-83
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)1942.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Uniaia Devi W/o
Shri Ganga Vishan Vyas,
Footerji Ki Babari,
Navchowkia,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o
Shri Parasmal,
R/o Makrana Mohalla,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated in Laxmi Nagar (Plot No. 150, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2577 dated 29-11-1982.

MOHAMN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-6-83
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR
Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq)1923.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 12 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering officer at
Jodhpur on 18-1-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shrimati Sarla Gupta,
Smt. Barinda Kaur
of Jodhpur.
(Transferor)
- d (2) Shri Manoj Kumar &
Shri Yatandra Kumar, sons of
Shri Munilalji Garg,
Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 12, situated at Paota, Jalim Niwas,
Jodhpur, and more fully described in the sale deed register-
ed by the S. R. Jodhpur vide registration No. 757 dated
18-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date . 11-6-83
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1950.—Whereas, 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chaturbhuj S/o
Late Shri Fatehsing Bhati,
Karta of HUF

2. Shri Satyanain
Shri Kamal Singh.
Shri Gjand and Anand Singh &
Others son of late Fatehsing,
R/o Bank Colony,
Ajmer Road, Beawar,

(Transferor)

(2) The Beawar Low Income Group
Housing Co-operative Society Ltd.,
Beawar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bigha & 3 biswa situated on Delwara Road, Beawar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Beawar vide registration No. 2026 dated 9-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-6-83
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1951.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 26B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Sojat Asst. 4469 & 4552 situated at Ramaraopet Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sojat on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anand Prakash s/o
Sh. Kishanlal Joshi,
Inspector, Enforcement, Siwani,
Distt. Barmer.

(Transferor)

(2) Shri Manmel s/o
Shri Kunamal Kothari,
Bara, Gura,
Teh. Sojat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at main Road, Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat in December 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1952.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Sojat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojat on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anand Prakash s/o
Sh. Kishanlal Joshi,
Inspector, Enforcement, Siwana,
Distt. Barmer. (Transferor)
- (2) Shri Manmal S/o Sh. Kummal Kothari,
Bara Gura, Teh. Sojat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at main Road, Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat in December, 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTORY CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1953.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, situated at Sojat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojat on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gulam Mustafa,
s/o Shri Mohd. Umrao Nargori,
Sojat Road, Distt. Pali,

(Transferor)

(2) Shri Hansraj S/o Shri Hiralal Joshi,
Sojat Road,
Distt. Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1064 sq. yds. in Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat in December, 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM IIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1954.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Sojat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sojat on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhanwarlal Manakchand,
C/o Kesarmal Jeevan Chand,
Sojat City,
Distt. Pali.

(Transferor)

(2) Shri Bhoolaram Chimmaji,
C/o Chaturbhuj Parkana,
Sojat City,
Distt. Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2190 Sq. Yd. Nohara, situated in Sojat City, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. vide registration in December, 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Champalal s/o
Shri Maghraj Oswal,
Dhan Mandhi,
Pali.

(Transferor)

(2) Shrimati Anita,
w/o Shri Hazarimal,
Lodhona-Ka-Bas,
Near Somnath Temple,
Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1955.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 48, situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 48, situated in Veer Durgadas Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 2200 dated 31-12-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref No Rej/IAC (Acq) 1956—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No
Land situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 5-11-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Keshrilal s/o
Shri Ganeshlal Bhatt,
Udaipur

(Transferor)

(2) Shri Durgar Singh
s/o Shri Devdal Samar,
390, Bhupalpura,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 5732 sq ft in Sampat Ramji Ki Bari,
Near Kalaji Goriya Udaipur and more fully described in
the sale deed registered by the S R Udaipur vide registra-
tion No 2321 dated 5-11-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jaipur

Date 16 6 1983
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1879—Whereas I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 702, situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kota on 16-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr N C Acharya,
s/o Shri C. L. Anchalia,
Vigayan Nagar,
Kota.

(Transferor)

(2) Smt. Radhey Shyam,
s/o Shri Nandram and
Smt. Savitri w/o Sh. Radhey Shyam,
Smt. Kanta Bai s/o
Laxman Shopping Centre,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 702, situated in Dadabhai Scheme, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota vide registration No. 1376 dated 16-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-5-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref No Rej/IAC (Acq)/1859—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr Kanmal Bhanli s/o
Shri Guman Mal Bhanli,
GPA of III 100 Bhatia ki Bari,
Udaipur

(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore
Panna Niwas,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1184 sq ft situated near Bhanli Building in front of Jalon Gate, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S R Jodhpur vide registration No 2484 dated 20-10-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 17-5-1983
Seal.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1858.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Kanmal Bhansli s/o
Shri Gumanmal Bhansli,
111/100 Bhati ji ki Badi,
Udaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anandchand s/o Sh. Anrilal,
Cycle Market,
2. Anju, J/o Sh. Bhanwarlalji Phophla,
r/o Khanda Falsa,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 966 sq. ft. situated near Bhansli Building in front of Jalori Gate, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No 2486 dated 20-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq)/1857—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kamal Bhansali s/o
Shri Gunmanand Bhansali,
III/100 Bhatiji ki Bari,
Udaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Sharda,
2. Smt. Seeta Kanwar and
Smt. Manju,
1/0 Girdi Kot Khundagar,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 240 sq ft situated near Bhansali Building in front of Jalon Gate, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the SR Jodhpur, vide registration No 2487 dated 20-10-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1856,—Whereas, I
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Dr. Kamal Bhansali S/o Shri Gumanmal Bhansali III/100 Bhati ji ki Bari, Udaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Kamal Narain & Smt. Bhagwati, Gulab Sagar, Cycle Market, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 78.26 sq meter, situated near Bhansali Building in front of Jalori Gate, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2485 dated 20-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—166GI/83

Date : 17-5-1983,
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1833.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Bikaner (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 6-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chandra Kala W/o Shri Sitaram Agrawal
Rani Bazar, Bikaner.
(Transferee)
- (2) Smt. Snehalata W/o Shri Parkesh Chandra Ojha,
Rani Bazar, Bikaner.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting 4 room-type godown measuring 68.46 sqm. on the ground floor, opposite Dak Bungalow, Rani Bazar, (Ward No. 33) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bikaner vide registration No. 1493 dated 6-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Chandra Kala W/o Shri Sitaram Agrawal
Rani Bazar, Bikaner. (Transferor)
- (2) Smt. Kanchan Ojha W/o Shri Suresh Chandra
Rani Bazar Bikaner. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1832.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 5-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property consisting 4 room type godown measuring 68.46 sq.m on the ground floor opposite Dak Bunglow, Rani Bazar, Bikaner (Ward No. 33) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bikaner vide Registration No. 1491 dated 5-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1829.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 3640 sq ft. situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Profulla Chandra Ghosal,
S/o Shri Ishwar Chand Ghosal, Panch Batti Colony,
Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand Soni S/o Shri Hajarimal ji Soni,
Bombay Motor Choraya, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3640 sq.ft situated near Panch Batti Nehru Colony Ratnada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2387 dated 14-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-5-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Bhagwan Chand S/o Shri Pukharaj Bhandari,
Pali.
(Transferor)
- (2) Shri Phoolchand S/o Shri Rai Chand Bhandari,
Nehru Nagar, Pali.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1828.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 30-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Nehru Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1665 dated 30-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 10-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Raj Kumar W/o Shri Swaroop Singh Deora,
Rajput R/o. Bher Teh. Sheoganj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Narain Singh S/o Hariram
R/o Sardarpura.
Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1825.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 225 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 5-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 225, situated in Sardarpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide registration No. 2158 dated 5-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Krishna Goyal W/o Shri Atmarām Goyal,
Jeevan Bihar Colony, Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1883.—Whereas, I
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ajmer. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 18-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajesh Chandra S/o Late Shri Srilal Jethanand,
R/o Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 630 sqft. bearing No. 43/3, situated in Civil Lines, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3617 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-5-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1900.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 16-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prabhu Dayal Sharma, S/o Pt. * Gordhanlal Sharma Pratapnagar, Gali No. 4, House No. 23 A, Tatgarh Road, Beawar.

(Transferor)

(2) Shri Raghunath S/o Birdaji Jagda Sharma, Sh. Lodhuram, S/o Prabhuji, Sh. Mohadeo S/o Dayalji R/o Pratapnagar, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Pyarelal Bagichi Marg, Sendra Road, Beawar and more fully described in the sale deed registered by hte S.R. Beawar vide registration No. 1882 dated 16-10-1982,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Shanti Devi Makana, W/o Shri Kanhaiyalal Jain, R/o Gibson Hotel Marg, Beawar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Panchi Bai W/o Shri Dharmichand Bhanwati R/o Vill & Post Giri, Distt. Pali.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1901.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated at Pali Bazar, Beawar (Shardhan and Bazar No. 5/16 New Ward No 7, Shop No. 5) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Beawar vide registration No. 1938 dated 21-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Joint Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1902.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Rakh S/o Shri Tulsaramji Jat & Ramniwas S/o Shri Shivadhan Singhji, R/o Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Hamant Kumar S/o Depa Ramji Jat, Aggarwal Colony, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, situated at Ratanada, Circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2591 dated 29-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 13-6-83
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Rakh S/o Shri Tulsa Ramji at & Ram Niwas, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Ram, S/o Birda Ram Shiv Road, Ratanada Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref No. Rej/IAC (Acq.) 1903.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, situated in Ratanada circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2590 dated 29-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-6-83
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Niwas S/o Shri Shivdhanji Jat of Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pannalal, S/o Shri Ramrakh Sathin, Billara.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1904.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at Jodhpur on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 5, Part of plot-F, situated at Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2612 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-83
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1905.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramniwas S/o Shri Shivdan Singh & Smt. Balkidevi W/o Shri Devaram Khagta (Bhilara).

(2) Shrimati Sushil Choudhary, W/o Shri Rajendra Singh Kamlesh Bhawan, Shiv Road, Ratnada, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Part of F, situated at Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2611 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-6-83

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/LAC (Acq.) 1906.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Rakh, S/o Shri Tulsi Ram Jat & Shri Ram Niwas, S/o Shivdan Singh, Vill. Sathin Teh. Bilara, Distt. Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Nathuram, S/o Chunua Ram, Kishan Filling station, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Ratnada Area, Circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 2589 dated 20-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 13-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq) 1908.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Singh, S/o Sagat Singh Karta HUF, & POA of Sangeeta Kumari, R/o A-6/7 Krishana Nagar, Gandhi Nagar Marg, Jaipur. (Transferor)
(2) Shri Dinesh Kumar Agarwal, S/o Shri Ramchand Agarwal C/o Krishna Sports, Station Road, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 533 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2474 of October, 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 13-6-83

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1909.—Whereas, I, MOHAN
SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 20-10-82for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Devi Singh, S/o Shri Sagat Singh Karta POA
of Lekha Luman D/o Shri Devi Singh A-6/7,
Krishan Nagar, Gandhi Nagar Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Chand W/o Shri Deva Ram & Shri
Radhuveer Singh S/o Pooran Singh, Ratanda,
Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds situated near Sagat Niwas,
Old Pali Road, Ratanda Jodhpur, and more fully described
in the sale deed registered by the S R Jodhpur vide registra-
tion No. 2580 dated 29-10-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 13-6-83

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Devi Singh S/o Sagar Singh Karta HUF, A-6/7 Krishna Nagar, Gandhi Marg, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Kailash Chand Gupta, S/o Shri Bangalilal, Niyag Bhawan, Nai Sarak, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. -Rej/IAC (Acq.) 1910.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

41—166GL/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 533 Sq. ft. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road Ratnada Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2579 dated 29-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date: 13-6-83
Seal:

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1911.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devi Singh
S/o Shri Sagat Singh,
Karta HUF, GPA
Lekha Kumari
A-6/7 Krishna Nagar,
Gandhi Marg,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Jethu Singh
S/o Shri Nathuram Tak &
Hari Chand
S/o Sh. Bhagat Ram,
P/o Tak Studio, Ratanada,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2457 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1912.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devi Singh
S/o Shri Sagat Singh,
Karta HUF,
A-6/7 Krishna Nagar,
Gandhi Marg,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bbagwan Tabani
S/o Dullumal Sindhi,
Agent of Nirma Shop,
Ghantagarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2456 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1913.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jodhpur on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kamal Bhansali
S/o Shri Gumanmalji,
Bhansali Building,
Sanichark Dhan,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Govind Lal
S/o Shri Ram Pd.,
Panna Niwas,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2425 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No Rej/IAC (Acq)/1914.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kanmal Bhansali
S/o Shri Gumanmalji,
Bhansali Building,
Sanichark Dhan,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwati Pd.
S/o Shri Amritlal & Smt. Harpyari,
Cycle Market,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2425 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/LAC (Acq.)/1915.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 16-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kanmal Bhansali
S/o Shri Gumanmalji,
Bhansali Building,
Sanichark Dhan,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Narayan
S/o Shri Amritlalji,
Cycle Market,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2423 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1917.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Asha Sood
W/o K. D. Sood &
Mrs. Kiran Valiya
W/o Kaval Prabhakar,
Miss Poonam Sahgal & Miss Divya Sood
D/o K. D. Sood,
1258 Section 34C,
Chandigarh,
(Haryana).

(Transferor)

- (2) Shri Parasraj Singhvi
S/o Late Shri Devraj Singhvi,
R/o Kubutaron ka Chowk,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1000 sq. yards situated in 200 paota, Laxminagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2512 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1918.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 384 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Nirmala Chouhan
W/o Shri Daljeet Singh,
Laxminagar,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi
W/o Sh. Nathmalji Porwal,
Peerumal Mudeli Street,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 384 in Laxmi Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2505 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1919.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 13-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42—166GI/83

(1) Shri Padam Singh
S/o Shri Ugarn Singh,
Vill. Kurhi Bhagtasani,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s. Naveen Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd.
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 14.3 bigha situated in Kuri Bhagtasani, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2365 dated 13-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1920.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sashi Kumar
S/o Shri Indra Narayan Gurtu,
Inside Jalori Gate,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Lechi Bai
W/o Sh. Ladu Ram,
C/o Lehman Magraj Oil Mill,
Inside Jalori Gate,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property near Bal Bari School, Inside Jalori Gate, Jodhpur Block 'A', Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2570 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1921.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sashi Kumar
S/o Shri Indra Narayan Gurtu,
Inside Jalori Gate,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Babulal
S/o Sh. Asoolal,
C/o Asulal Trading Co.,
Siwanchi Gate,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property near Bal Bari School, Inside Jalori Gate, Jodhpur Block 'B', Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2569 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1922.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Maghraj Kalla
S/o Fatch Raj Ji Kalla,
GPA of Sarla Gupta
W/o Shri Hari Parsad,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanta Garg
W/o Sh. M. L. Garg,
Advocate,
Paota,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 12-A, situated at Paota Outside Jalim Vilas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2501 dated 20-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1924.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12/2 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sarla Gupta
W/o Shri Hari Pd.,
Through GPO Shri Magh Raj Kalla,
Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Munnjal Garg
S/o Shri Pannalalji Garg,
12, Jalim Vilas,
Paota,
Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 12/2, situated at Paota, Jalim Vilas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2500 dated 20-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1525.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Rattan Singh
S/o Sh. Vikramji,
R/o 307, Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh
W/o Shri Ram Rattan,
C/o Sri Ram Bhawan,
Near Diklakhan Ki Chakki, Pal Road,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 179 Masuria, Pal Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2586 dated 29-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1929.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Gangapur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gangapur City on 30-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kamal
W/o Daodayal,
R/o Udaikalan.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Babulal
S/o Sh. Bijimohan Mahajan of
Vill. & P.O. Naroli,
2. Sh. Ajai Kumar
S/o Kishorilal Mahajan,
Vill. & P.O. Udaikalan,
3. Sh. Shyamlal
S/o Sh. Kedarlal Khandelwal,
R/o Gangapur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6.17 bigha of Khasra No. 2598 in Udaikalan, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Gangapur City vide registration dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1931.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Ram
S/o Sh. Chatru Ram Nai,
R/o Chak 5-E,
Chhoti,
Teh Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Sarvajani Greh Nirman Sahkari Samiti Ltd.,
Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 10 bigha located in Chak-3 E, Chhoti opposite Chak No. 6-E, Chhoti Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 1948 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1932.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

43—166GI/83

(1) Shri Suraj Ram
S/o Sh. Chatru Ram,
R/o Chak 5-E,
Chhoti,
Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Sarvajani Greh Niman Sahkari Samiti Ltd.,
Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 10 bigha located in Chak-3 E, Chhoti opposite Chak No. 6-E, Chhoti Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 1948 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1933.—Whereas, 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 259 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Meena Lalwani
W/o Shri Holaramji Lalwani,
R/o Retwali,
Kota.

(Transferor)

(2) Shri Holaramji Lalwani
S/o Sachanmalji,
R/o Retwali,
Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 259, situated in Talmandhi Scheme, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 1363 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1934.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Bishan Das
S/o Sh. Jassa Ram,
2. Smt. Kusshalya
W/o Shri Ram Gopal,
3. Shri Rajendra Kumar,
S/o Bishan Dass, Kota.

(Transferor)

- (2) Shri Gul Mohd. Abdul Wahed,
400, S. C. Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. in shopping centre, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 1388 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1935.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-Block situated at Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Padampur on 8-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' in the following persons, namely :—

- (1) Shri Ganeshdas
S/o Shri Gurdettomal Arora,
R/o 33-BB,
Teh Padampur. (Transferor)
- (2) Smt. Agga Devi
W/o, Shri Nathuam Arora,
Padampur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Block, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No 947 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 11-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/TAC (Acq.)/1936.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-Block situated at Padampur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur Mandi on 8-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganeshdas
S/o Shri Gurdettomal Arora,
R/o 33-BB,
Teh. Padampur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal
S/o Shri Amir Chand Soni,
Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Block, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No. 948 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 8-10-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rcj/IAC (Acq.)/1937.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-Block situated at Padampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Padampur on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganeshdas
S/o Shri Gurdettomal Arora,
R/o 33-BB,
Teh. Padampur.

(Transferor)

(2) Shri Vijendra Singh
S/o Sh. Dalip Singh,
Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Block, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No. 946 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh, S/o Shri Ramlal Manaria Mandhari
Panoriyan, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kamal Kumar S/o Bherulal Rrwal, & Rooplal,
S/o Mithalal, Pokarana, Phuta Daiwaza, Udaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1940.—Whereas, I
MOHAN SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 13-10-1982.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot situated in Mandari Panoriyan, Udaipur, and more
fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur
vide registration No. 2225 dated 13-10-1982.MOHAN SINGH
COMPETENT AUTHORITY
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 13-6-1983.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1943.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khinvi Raj, S/o Shri Gorimalji Takhi, Teh. Siwana, Distt. Barmer (Transferor)
- (2) Shrimati Teej Kanwar, W/o Shri Jetmal, Nayi Sarak, Jodhpur (Janta Sweet House, Jodhpur.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of plot No. 5, situated in Umed Pura (Mohan-pura), Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2518 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH
COMPETENT AUTHORITY
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Khinv Raj, S/o Shri Gorimalji Rakhi, Teh. Siwana Distt. Jalore. (Transferor)
- (2) Shri Jetmal, S/o Shri Sualalji Nayi Sarak, Jodhpur (C/o, Janta Sweet House, Jodhpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1944.—Whereas, I
MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

44—166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of plot No. 5, situated in Umed pura (Mohanpur), Jodhpur and more fully described in the Sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2519 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH
COMPETENT AUTHORITY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej./IAC(Acq.)1945.—Whereas, I
MOHAN SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bal Chand Sharma & Smt. Ram Kishori Devi,
W/o Balchandji, A-4, Sen Colony, Jaipur.
(Transferor)
(2) Shri Mohd. Gulam, Sadiq, Umar, Yunus & Sharif,
A-4, Power House Road, Sen Colony, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, situated in Power House Road, Sen Colony, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2641 dated 15-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Vijai Singh, S/o late Shri Ram Singh, Haweli Chandrawatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1946.—Whereas, I
MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 205, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli Chandrawatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandrawatan, Ghee walan Ka Rasta, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660 Dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Utsav Kanwar, W/o late Shri Ram Singh Haweli
Chandravatan, Ghee Walon Ka Rasta, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

((2) Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli
Chandravatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Jaipur, the 14th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1947.—Whereas, I,
MOHAN SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
House No. 2305, situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 15-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatan, Ghee
walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale
deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2598
dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely:—

Date : 14-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1948.—Whereas, I
MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2305, situated at Jaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Vijay Singh, S/o late Shri Ram Singh,
Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur.
(Transferor)

(2) M/s. Rawat Exports Pvt. Ltd., House No. 2305,
Haweli Chandravatan, Ghee walon ka Rasta,
Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2659 dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1949.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2305 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Kum. Indu Kanwar, D/o late Shri Ram Singh, Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)

(2) M/s. Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli, Chandravatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660 dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1957.—Whereas, I,
MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Umed Singh S/o Shri Nanu Singh,
Vill. Dhankiya, Sardarpura, Teh., Amer.
(Transferor)
- (2) Shri Bhanwar Singh, Vijay Singh Hari Singh, Bhanwani Singh, Sons of Shri Man Singh, Queens Road, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bigha 1 biswa in Khasra No. 450 situated in village Dhankiya and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2598 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-6-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sushil Kumar Rajden S/o Shri Mohanlal Rajdhan, ugampath, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Miss shyam Wati D/o Shri Shyam Mohan Krishan Wati, lecturer in Maharaja College Plot No. 147, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref No. Rej/LAC(Acq.)1958.—Whereas, I
MOHAN SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. A-1-B, situated at Jaipur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 22-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proerty No. A-1-B, S. M. S. Highway Extension Scheme,
Near Bajaj Nagar, Jaipur and more fully described in the
sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No.
2817 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-6-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej-IAC(Acq.) /1959.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearingPlot No. A-30, situated at Jaipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 22-10-1982for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

45—166GI/83

- (1) Shri Bausidhei S/o Shri Jagannath Pd. Khandalwal,
A-30, Sen Colony, Power House Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Bhawarilal, Shri Sitaram, Shri Ram Pd. Vijay
Sons of Shri Jagdish Pd. Sen Colony, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-30, in Sen Colony, Power House Road, Jaipur
and more fully described in the sale deed registered by the
S. R. Jaipur vide registration No. 2807 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ramla alias Ramu Sunder S/o Shri Govinda,
R/o Sirsi.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Singh S/o Shri Shivram Singh,
Shri Nahipal Singh S/o Shri Mohakam Singh,
61, Gopal Bari, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1960.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Jaipur on 8-10-1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bigha 12 biswa situated in Village Sirsi, and more fully described in the sale deed Registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2540 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1961.—Whereas, I, MOHAN SINGH, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kamlesh Kumari W/o Shri Thakur Amar Singhji, House No. 911, Bagroowalon Ka Rasta, Jaipur, (Transferor)
- (2) Shri Sumant Kumar S/o Shri Rajesh Gupta, B-22, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Bassi Sitarampura, Chomu Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed Registered by the S.R. vide registration No. 2674 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.)/1962.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Sanganer, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 29-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Ganesh,
(2) Shri Manka Chand,
(3) Shri Narain
(4) Shri Chotu
(5) Shri Gopal (Minor),
(6) Shri Sitaram (Minor) S/o Shri Govind Ahir,
R/o Village Ramchandrapurn, Panchayat.
(Transferor)
(2) (1) Mahapura Vikaramaditya Trust through,
Smt. Usha Golecha W/o Shri Surendra Kumar
Golecha and
Smt. Asha Golecha W/o Shri Rajendra Kumar
Golecha,
C-83, Prithviraj Road, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bigha 2 biswa situated in Village Sarangpura, Teh. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sanganer vide registration No. 683 dated 29-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983

Seal : •

FORM NO. ITN S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1963.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Udairam Chaudhary S/o Shri Jetharam Chaudhary, B-19, Sethi Colony Jaipur. (Transferor)
(2) Smt. Usha Devi W/o Shri Gyan Chandji Mutha, Shop No. 5, Arjun Lal Sethi Colony, Jodhpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Arjun Lal Sethi Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2496 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1964.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Shop No. 25, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Gopal Khandelwal S/o Shri Ramkishan Khandelwal 9/15 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Dhamani S/o Shri Laxminarain Dhamani,
A-49, Janta Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, situated in Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2772 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hanwant Singh S/o Shri Chimmasingh,
Gram Khimal Teh. Bali, Distt. Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Hema Kumari W/o Shri Raj Singh,
Village Jaswadi, Via Khandwa, (M.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 15th June 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION 5—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1965.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Residential Plot situated at Udaipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 12-10-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot situated on Sabeli Marg, near Chandralok
Hotel, Udaipur, and more fully described in the sale deed
registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2192
dated 12-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 15-6-1983
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Gopichand S/o Shri Tarachand, and
Shri Premchand S/o Shri Tarachand, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd, Sobir Shri Abdulish, Mohd. Tahri, Mohd. Zakir, Mohd. Saki, Minor sons of Shri Belkunish (Guardian) Shop No. 6 Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1966.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 6 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 situated in Kamla Nehru Market, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2593 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1983

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Narimal S/o Shri Lal Chand, Shri Parasnam
S/o Shri Sangatram Sindhi, Haldion Ka Basta Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Noor Mohd. S/o Shri Rehmatulla Khan,
Shop No. 16, Jaipur, Kamala Nehru Market.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej(Acq.)/1967.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No.

Shop No. 16, situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, situated in Kamla Nehru Market, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2661 dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1968.—Whereas, I, **MOHAN SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-1982, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Budhan Ram, Bhrilal, Madan Lal sons of Shri Heeralal, Ghanchion Ka Bagh, Jodhpur.
(Transferor)

(2) M/s. Nav Bharat Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bigha 10 biswa situated near Basani Chohara Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2466 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1983.
Sell :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Chenaram, Pusharam, Sohanlal, sons of
Shri Manichand Ghanchi, Ghanchion Ka Bagh,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s. Nav Bharat Grah Nirman Sahkari Samiti
Ltd. Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.) 1969.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bigha 10 biswa situated near Basani Chohara Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2470 dated 18-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/AC(Acq.) 1970.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nohra situated at Bundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bundi on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kamla Bai, w/o Shri Lokumal, C/o Ganesn Oil Mill Ranjl Ki Babri, Bundi.

(Transferor)

(2) Shri Udhav Das, S/o Shri Otamdas, C/o Rohida Industries, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share Nohara near to Ramji Ki Bawari, Bundi and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Bundi vide registration No. 1615 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 17-6-83

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDINGSTATUE CIRCLE, JAIPUR
*Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1971.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nohara situated at Bundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bundi on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Lokumal S/o Shri Otamdas C/o Ganesh Oil Mill, Ram Ji ki Baori, Bundi.

(Transferor)

(2) Shri Jhaman Das S/o Shri Otamdas, C/o Prakash General Industries Area, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the, respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4 share Nohra (near to Ramji Ki Bawari, Bundi) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bundi vide registration No. 1614 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kewal Kumar S/o Shri Mohanlal Golota
Teh. Ramgarh, Distt. Alwar. (Transferor)
- (2) M/s. R. B. Multanilal Charitable Trust office
Modinagar (U.P.). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1972.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramgarh on 23-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objectors, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh Distt. Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ramgarh vide registration No. 1243 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baldev Raj Dhawan, S/o Shri Molanlal Teh.
Ramgarh Distt. Alwar.

(Transferor)

(2) M/s. R. B. Multanilal Charitable Trust Reg.
Office Modinagar (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Hyderabad, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/LAC(Acq.) 1973.—Whereas, I, MOHAN
SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Land situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Ramgarh on 23-10-82for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a.) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta,
Teh. Ramgarh, Distt. Alwar, and more fully described in
the sale deed registered by the S.R. Ramgarh vide registra-
tion No. 1248 dated 23-10-82.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, JaipurDate : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rcj/IAC(Acq) 1974.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Shri Raj Kumar S/o Shri Mohanlal Goleta Teh. Ramgarh, Distt. Alwar

(Transferor)

(2) Shri R. B. Multinimal Chantable Trust Regd. Office Modhuanai (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh Distt. Alwar, and more fully described in the schedule registered by the S R Ramgarh vide registration No. 1248 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date 17.6.83
Sd/-

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mohanlal S/o Shri Mangal Sen Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. B. Multanilal Charitable Trust Regd. office Modinagar (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDINGSTATUE CIRCLE, JAIPUR
Jaipur, the 17th June 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.) 1975.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 5 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1247 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-83
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR
Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1976.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhushan Kumar S/o Shri Mohanlal Goleta,
Teh Ramgarh, Distt Alwar. (Transferor)
(2) Shri R. B. Multanilal Charitable Trust Regd.
office Modinagar (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh, Distt. Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1244 dated 23-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6-83
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kumara Koual

(Transferor)

(2) Mrs. Noor Jahan Hasanali Haji

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. TR-260/82-83/SI. 752.—Whereas, I,
M. AHMAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 64 situated at Metcalf Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
S.R.A., Calcutta on 8-10-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6 cottahs (aprox.) land with building at 64, Metcalf
Street, Calcutta, being registered vide Deed No. I-8976 dated
8-10-82 in the office of S.R.A., Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 15-6-1983
Sea :

